THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 355 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **फाल्गुन शु.4 2080 बुधवार, 13 मार्च-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

पीएम मोदी ने 1998 में ही बता दिया था कि भारत की सोच 'सौ टका स्वदेशी' है

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (मंगलवार) को राजस्थान की यात्रा पर हैं। यहां पीएम मोदी पोखरण पहुंचे हैं जहां वह भारतीय सेना के तीनों कमान त्रि-सेवा लाइव फायर और युद्ध अभ्यास के रूप में स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के तालमेल से प्रदर्शित 'भारत शक्ति' को देख रहे हैं। पीएम मोदी के साथ यहां 30 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि हैं। जैसलमेर का पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज वही जगह है जहां परमाणु परीक्षण कर भारत वैश्विक मंच पर 'परमाणु संपन्न शक्ति' के रूप में स्थापित हुआ था। >14

पीएम ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई

> सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर भी समारोह आयोजित

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज रेलवे, संचार, इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में अहमदाबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सिकंदराबाद और विशाखापट्टनम के बीच दूसरी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री ने 10 नई वंदे भारत ट्रेनों के साथ-साथ चार मौजूदा वंदे भारत ट्रेनों के विस्तार को भी हरी झंडी दिखाई। उन्होंने 1,06,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकासात्मक परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी और राष्ट्र को समर्पित की। इसके साथ ही कार्यक्रम के तहत आज सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर एक समारोह आयोजित किया गया। केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर पूर्व क्षेत्र के विकास मंत्री जी किशन रेड्डी, एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल भरतेश कुमार जैन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश भर में कई विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास के साथ 'विकसित भारत' के निर्माण के लिए विकास कार्यों का लगातार विस्तार हो रहा है। यह देखते हुए कि आज का कार्यक्रम विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, प्रधानमंत्री ने कहा कि 1 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया गया है, जहां 85,000 करोड़ रुपये की परियोजनाएं रेलवे को समर्पित हैं।

प्रधानमंत्री ने इस बारे में कहा कि 2014 से रेल बजट को आम बजट में शामिल करने से रेलवे व्यय को आम बजट से प्रदान करना संभव हो गया। समय की पाबंदी, स्वच्छता और सामान्य सुविधाओं की कमी के मुद्दों के अलावा, 2014 से पहले पूर्वोत्तर की छह राजधानियों में रेलवे कनेक्टिविटी नहीं थी और 10,000 से अधिक मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग थे और केवल 35 प्रतिशत रेलवे लाइनें विद्युतीकृत थीं। रेलवे आरक्षण भ्रष्टाचार और लंबी कतारों से प्रभावित था। किसी राष्ट्र को विकसित और आर्थिक रूप से सक्षम बनाने में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा, रेलवे का परिवर्तन विकसित भारत की गारंटी है। उन्होंने रेलवे के बदलते परिदृश्य पर प्रकाश डाला और तेज गति से रेलवे ट्रैक बिछाने, 1300 से अधिक रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत जैसी अगली पीढ़ी की ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने और आधुनिक रेलवे इंजनों के अनावरण का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि गति शक्ति कार्गो टर्मिनल नीति के तहत, कार्गो टर्मिनल का निर्माण बढ़ गया है क्योंकि भूमि पट्टे की नीति को सरल बनाया गया है और पारदर्शिता के लिए इसे ऑनलाइन किया गया है। >14

सीएए के तहत नागरिकता के लिए पोर्टल लॉन्च

मुस्लिम लीग सुप्रीम कोर्ट पहुंची, तमिलनाडु सीएम बोले-हम कानून लागू नहीं करेंगे

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए के तहत भारतीय नागरिकता के लिए गृह मंत्रालय ने वेब पोर्टल लॉन्च किया है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से भारत आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों से नागरिकता के लिए आवेदन मांगे गए हैं। केंद्र ने सोमवार (11 मार्च) को सीएए का नोटिफिकेशन जारी किया था। इसके साथ ही यह कानून देशभर में लागू हो गया। सीएए को हिंदी में नागरिकता संशोधन कानून कहा जाता है। इसके तहत 31 दिसंबर 2014 से पहले पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश से भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के लोगों को नागरिकता दी जाएगी।

दूसरी तरफ, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग ने सीएए पर रोक लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में सिटिजनशिप अमेंडमेंट एक्ट 2019 और सिटिजनशिप अमेंडमेंट रूल्स 2024 के विवादित प्रावधानों को लागू करने पर रोक लगाने की मांग की गई है। वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि वे राज्य में ये कानून लागू नहीं करेंगे।

बिना एनआरसी के आवेदन पर किसी को भी नागरिकता मिली तो दे दूंगा इस्तीफा : सीएम सरमा

गुवाहटी, 12 मार्च (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को कहा कि अगर किसी व्यक्ति को बिना एनआरसी के आवेदन पर नागरिकता मिलती है तो वह इस्तीफा दे देंगे। उनका यह बयान सोमवार को केंद्र सरकार द्वारा नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को लागू करने पर असम में विपक्षी पार्टियों के प्रदर्शन के बाद आई है। असम के सीएम ने कहा, मैं असम का बेटा हूं और अगर एक भी व्यक्ति जिसने एनआरसी के लिए आवेदन नहीं किया है और उसे नागरिकता मिलती है तो मैं इस्तीफा देने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा। प्रदर्शनकारियों ने दावा किया कि सीएए लागू होने के बाद लाखों की संख्या में लोग राज्य में प्रवेश किए थे। उन्होंने कहा, अगर ऐसा होता है तो मैं विरोध करने वाला पहला व्यक्ति होऊंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएए को लेकर कुछ भी नया नहीं है अब पोर्टल पर आवेदन का समय आ गया है। >14

4 राज्यों में 30 ठिकानों पर एनआईए की रेड

नई दिल्ली/जयपुर/भोपाल, 12 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार (12 मार्च) को पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और चंडीगढ़ के 30 ठिकानों पर छापा मारा है। एनआईए खालिस्तान-गैंगस्टर केस में एक्शन ले रही है। इसके अलावा एनआईए के पास इनपुट है कि इन चार राज्यों में कई बदमाश ऐसे हैं जो लॉरेंस बिश्नोई और उसके जैसे ही गैंगस्टर्स के साथ जुड़े हैं। ये बदमाश गैंगस्टर्स के कहने पर रंगदारी-फायरिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में थे। छापेमारी के लिए एनआईए की टीम सुबह करीब 5-6 बजे ही अलग-अलग राज्यों की पुलिस के साथ संदिग्धों के ठिकानों पर पहुंच गई थीं। मध्य प्रदेश के भोपाल और पंजाब के फरीदकोट में टीम ने दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ करना भी शुरू कर दिया है।

एसबीआई ने इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा चुनाव आयोग को भेजा

ईसी 15 मार्च तक वेबसाइट पर अपलोड करेगा

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने पूरा डेटा चुनाव आयोग को मंगलवार शाम 5.30 बजे सौंप दिया। बार एंड बेंच ने एक्स पर ये जानकारी दी। चुनाव आयोग (ईसी) इस पूरे डेटा को 15 मार्च तक अपलोड कर देगा।

चुनाव आयोग इलेक्टोरल बॉन्ड की खरीदी को भी सार्वजनिक करेगा, जो अब तक केवल सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में जमा किए गए थे। 11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने बैंक को फटकार लगाई थी और 12 मार्च शाम तक यह डिटेल देने का निर्देश दिया था।

वहीं, इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने राष्ट्रपति को चिट्ठी लिखी है। इसमें कहा कि सरकार राष्ट्रपति के जरिए कानूनी राय हासिल करे और तब तक सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमल न हो।

इलेक्टोरल बॉन्ड की जानकारी देने से जुड़े केस में एसबीआई की याचिका पर सोमवार (11 मार्च) को सुप्रीम कोर्ट ने करीब 40 मिनट सुनवाई की थी। एसबीआई ने कोर्ट से कहा था, बॉन्ड से जुड़ी जानकारी देने में हमें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन इसके लिए कुछ समय चाहिए। इस पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने पूछा, पिछली सुनवाई (15 फरवरी) से अब तक 26 दिनों में आपने क्या किया? सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा, एसबीआई 12 मार्च तक सारी जानकारी का खुलासा करे। इलेक्शन कमीशन सारी जानकारी को इकट्ठा कर 15 मार्च शाम 5 बजे तक इसे वेबसाइट पर पब्लिश करे।

पोरबंदर से 450 करोड़ की ड्रग्स के साथ 6 पाकिस्तानी गिरफ्तार

अहमदाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात एटीएस की टीम ने एक ऑपरेशन में 6 पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। टीम ने इनके पास से भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि गुजरात के पोरबंदर के पास से 6 पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इन के पास से टीम को तकरीबन 450 करोड़ से ज्यादा का ड्रग्स और नशीली दवाएं बरामद हुई हैं। गुजरात एटीएस को जानकारी मिली थी कि कुछ पाकिस्तानी तस्कर भारतीय जल सीमा में पोरबंदर से लगभग 185 समुद्री मील की दूरी से एक भारतीय नाव को प्रतिबंधित दवाओं की मात्रा देकर पंजाब या दिल्ली में ड्रग्स पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं।

'जाति जनगणना कराना कांग्रेस की गारंटी'

देश को बांट रहे भाजपा-आरएसएस : न्याय यात्रा में बोले जयराम रमेश

नंदुरबार (महाराष्ट्र), 12 मार्च (एजेंसियां)। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले सियासी दल मतदाताओं के लिए तरह-तरह की गारंटी की घोषणा कर रहे हैं। इसी बीच, पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने मंगलवार को कहा कि जाति जनगणना कराना कांग्रेस पार्टी की गारंटी है। वह 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के अंतिम चरण में प्रवेश करने से पहले नंदुरबार में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

'समाज का एक्स-रे होगा जाति जनगणना'

इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर देश को बांटने और समाज का ध्रुवीकरण करने का भी आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव ने कहा, हमने सामाजिक, आर्थिक, और जातिगत जनगणना की गारंटी दी है। यह हमारे समाज का एक्स-रे होगा, जो हमें विभिन्न जातियों की आबादी और हमारे देश की संपत्ति में उनकी हिस्सेदारी को दिखाएगा। यह हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों में उनकी हिस्सेदारी को दिखाएगा। नंदुरबार जिला नेहरू-गांधी परिवार के साथ अपने संबंधों के लिए जाना जाता है। इस आदिवासी बहुल जिले में सतपुड़ा

की पर्वत श्रृंखलाएं और नर्मदा नदी घाटी है। उत्तर महाराष्ट्र का नंदुरबार जिला गुजरात मध्यप्रदेश को भी छूता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बेटे राजीव गांधी भी यहीं से चुनाव प्रचार का श्रीगणेश करते थे।

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 1998 में नंदुरबार में एक विशाल जनसभा की थी जिसके बाद वह राजनीति में सक्रिय हुईं थी। यहीं से सोनिया गांधी ने घोषणा की थी कि वह कभी सत्ता का कोई भी पद ग्रहण नहीं करेंगी। उसके बाद साल 1998 में हुए चुनाव में लोकसभा की 48 सीटों में से कांग्रेस ने 33 पर जीत दर्ज की थी।

'कांग्रेस राजनीतिक पार्टी, संतों का संगठन नहीं'

रमेश ने कहा, भारत जोड़ो न्याय यात्रा एक राजनीतिक रैली है। लेकिन यह किसी राजनीतिक अभियान का हिस्सा नहीं है। यह एक राजनीतिक लक्ष्य और विचारधारा पर आधारित है। उन्होंने कहा, कांग्रेस एक राजनीतिक पार्टी है, संतो का संगठन नहीं है। हम कुछ चुनाव जीत सकते हैं और कुछ हार सकते हैं, जो एक वास्तविकता है। लेकिन वर्तमान में भाजपा और आरएसएस समाज को बांटने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। आरएसएस और भाजपा की सभी नीतियां विभाजनकारी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रवैया और नीतियां विभाजनकारी हैं।

समाज का ध्रुवीकरण कर रहे पीएम मोदी :

उन्होंने आरोप लगाया कि वे (पीएम मोदी) समाज में ध्रुवीकरण तेज करने पर फोकस कर रहे हैं। इसका मुकाबला करने के लिए पहले 'भारत जोड़ो यात्रा' और अब 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' हमारी बूस्टर खुराक होने जा रही है।

नायब सैनी हरियाणा के 11वें सीएम बने

> 5 मंत्रियों ने शपथ ली, सभी पिछली कैबिनेट में थे
> सैनी ने खट्टर के पैर छुए

चंडीगढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद नायब सिंह सैनी हरियाणा के 11वें मुख्यमंत्री बन गए हैं। उन्होंने मंगलवार शाम चंडीगढ़ स्थित राजभवन में शपथ ली। शपथ से पहले उन्होंने मंच पर पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के पैर छुए। सैनी के बाद कंवर पाल, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह चौटाला, जयप्रकाश दलाल और डॉ. बनवारी लाल ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। ये पांचों खट्टर कैबिनेट में भी थे।

नए सीएम सैनी मनोहर लाल के करीबी हैं। 27 अक्टूबर 2023 को ही मनोहर लाल की पैरवी पर उन्हें हरियाणा भाजपा का अध्यक्ष बनाया गया था। पीएम नरेंद्र मोदी समेत भाजपा नेताओं ने सैनी को सीएम बनने पर बधाई दी। इससे पहले मंगलवार सुबह मनोहर लाल ने बीजेपी और जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) का गठबंधन टूटने के बाद मंगलवार सुबह 11.50 बजे राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। जिसके बाद चंडीगढ़ के हरियाणा निवास में विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें सैनी को नेता चुना गया। फिर 54 साल के नायब सिंह सैनी ने राजभवन पहुंचकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

गठबंधन टूटने के बाद जेजेपी ने भी दिल्ली में अपने विधायकों की बैठक बुलाई। पार्टी के 10 में से 5 विधायक इस बैठक में नहीं पहुंचे। ये सभी बीजेपी के संपर्क में बताए जा रहे हैं।

जजपा कल हिसार में रैली कर अगली रणनीति का ऐलान करेगी। जेजेपी लोकसभा चुनाव में हरियाणा में 1 से 2 सीटें मांग रही थी जबकि बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व और राज्य संगठन सभी 10 सीटों पर खुद लड़ने के पक्ष में है। यही गठबंधन टूटने की वजह बनी। जेजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और हरियाणा के डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला सोमवार को दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले थे, लेकिन सीट शेयरिंग पर बात नहीं बनी।

भारत और रूस में 'नॉर्थ सी रूट' को लेकर हुई बातचीत

गेमचेंजर साबित हो सकता है समुद्री रास्ता

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। रूस की सरकारी एटॉमिक एनर्जी कॉरपोरेशन रोसातोम के सीईओ ने खुलासा किया है कि भारत और रूस के बीच थर्मोन्यूक्लियर फ्यूजन और नॉर्थ सी रूट को संयुक्त रूप से विकसित करने की बात हो रही है। नॉर्थ सी रूट आर्कटिक सागर के पूर्वी और पश्चिमी छोर को जोड़ता है और समुद्र के रास्ते व्यापार के मामले में यह रूट गेमचेंजर साबित हो सकता है। रोसातोम के सीईओ ए ई लिखाचेवा ने ये भी कहा कि भारत और रूस के बीच आने वाले समय में परमाणु तकनीक के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ने की संभावना है और इसमें गैर ऊर्जा और गैर-परमाणु क्षेत्रों पर फोकस किया जाएगा।

गेमचेंजर साबित होगा नॉर्दन सी रूट :

लिखाचेवा ने बताया कि भारत और रूस के बीच नॉर्दन सी रूट को साथ मिलकर विकसित करने को लेकर भी बातचीत हो रही है। अभी रूसी कंपनी रोसातोम ही इस रूट को विकसित करने का काम कर रही है। इस रूट की मदद से रूस का तेल, कोयला और एलएनजी भारत जल्दी पहुंच सकेगी। साथ ही इस रूट से एशिया की यूरोप से दूरी भी कई हजार किलोमीटर कम हो जाएगी। लिखेचेवा ने बताया कि हम यूरो-एशियन कंटेनर ट्रांजिट प्रोजेक्ट के फ्रेमवर्क पर सहयोग के विकल्प तलाश रहे हैं। अब पश्चिम से पूर्व के बीच अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वेस्ट-ईस्ट ट्रांजिट रूट से होता है। इसकी दूरी 21 हजार किलोमीटर है और इस रूट से एशिया से यूरोप तक सामान भेजने में करीब एक महीने का समय लगता है। नॉर्दन सी रूट के विकसित होने के बाद यह दूरी घटकर 13 हजार किलोमीटर रह जाएगी और सामान भेजने में भी एक महीने के बजाय सिर्फ दो हफ्ते का समय लगेगा। नॉर्दन सी रूट से व्यापारिक गतिविधियां तेज होंगी और इसका अर्थव्यवस्था पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। लिखाचेवा ने कहा कि भारत और रूस में परमाणु क्षेत्र में सहयोग की भी काफी संभावनाएं हैं। >14

'जितना जल्दी सुलझा लें, उतना अच्छा'

सीमा विवाद पर जयशंकर की चीन को नसीहत

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। जयशंकर ने सोमवार शाम को एक पैनल चर्चा में भारत और चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर सेना की मौजूदगी कम करने और मौजूदा समझौतों को बनाए रखने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ये हमारे साझा हितों में है कि हमें लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर सेनाओं की अधिक तैनाती नहीं करना चाहिए। मुझे लगता है कि ये हमारे साझा हितों में है कि हमें उन एग्रीमेंट्स का पालन करना चाहिए जिन पर हमें हस्ताक्षर किए हैं। ये सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि चीन के हितों में भी है। बीते चार सालों में दोनों देशों के बीच के तनाव से किसी का भी फायदा नहीं हुआ है।

जितना जल्दी सुलझा लें, उतना अच्छा :

विदेश मंत्री जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत हमेशा से सीमा विवाद के निष्पक्ष और तर्कसंगत समाधान को लेकर प्रतिबद्ध है और एलएसी को स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि हम इस विवाद को जितना जल्दी सुलझा लेंगे, हम दोनों के लिए उतना ही अच्छा है। जयशंकर का ये बयान ऐसे समय आया है, जब चीन के साथ सीमा विवाद को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। जून 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद से भारत-चीन के बीच तनाव बना हुआ है। इस गतिरोध को शांत करने के लिए दोनों के बीच कई दौर की राजनयिक और सैन्य वार्ता हो चुकी है, लेकिन अब तक कोई हल नहीं निकलता है। फिलहाल दोनों ही पक्ष शांति बनाए रखने पर सहमत हुए हैं।

चीन की ओर से सीमा विवाद सुलझाने के लिए की गई पेशकश के सवाल पर जयशंकर ने कहा कि कोई भी देश सीमा विवाद को सुलझाने में शामिल है, तो उसे विश्वास करना होगा कि इसका समाधान होना चाहिए।

जयशंकर ने रूस और चीन के करीब आने पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अगर रूस और चीन करीब आ रहे हैं तो ये कोई मुद्दा नहीं है। ये भारत का काम नहीं है। रूस को लेकर हमारी नीति बिल्कुल स्पष्ट और उद्देश्यपूर्ण है।

पाकिस्तान के साथ बातचीत पर विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए भारत ने अपने दरवाजे कभी बंद नहीं किए हैं, लेकिन बातचीत के केंद्र में आतंकवाद का मुद्दा निष्पक्ष और स्पष्ट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बातचीत में आतंकवाद का मुद्दा केंद्र में होना चाहिए। मुद्दे और भी हैं, लेकिन बात करने के लिए आतंकवाद के मुद्दे को टाला नहीं जा सकता।

खड़गे शायद लोकसभा चुनाव न लड़ें

2019 में गुलबर्गा से हारे थे, दामाद को उम्मीदवार बना सकते हैं

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे लोकसभा चुनाव से दूरी बना सकते हैं। सोमवार को कांग्रेस की दूसरी लिस्ट के मंथन को लेकर हुई मीटिंग के बाद सूत्रों का कहना है कि हो सकता है खड़गे इस बार चुनाव नहीं लड़े। खड़गे चाहते हैं कि वे कांग्रेस के चुनावी कैंपेन को लीड करें और अपने पर्सनल कैंपेन में व्यस्त न हो जाएं।

7 मार्च को हुई कांग्रेस की मीटिंग में कर्नाटक के गुलबर्गा से खड़गे का ही नाम फाइनल किया गया था। हालांकि, पार्टी ने इसका ऐलान नहीं किया था। सूत्रों का कहना है कि खड़गे अब अपने दामाद राधाकृष्ण डोड्डमानी को इस सीट से उम्मीदवार बना सकते हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे 2009 और 2014 के लोकसभा चुनाव में गुलबर्गा सीट से चुनाव जीत चुके हैं। 2019 में उन्हें भाजपा नेता उमेश जाधव ने हरा दिया था। तब से वे राज्यसभा से सांसद और नेता प्रतिपक्ष हैं। राज्यसभा में उनके कार्यकाल के 4 साल और बचे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खड़गे के अलावा कांग्रेस के 4 पूर्व मुख्यमंत्री भी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। इनमें अशोक गहलोत, कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और हरीश रावत का नाम शामिल है। साथ ही राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट भी चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं जता रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बैठक में 5 राज्यों की 62 सीटों पर उम्मीदवारों की चर्चा हुई। इसमें गुजरात की 14 सीटें, राजस्थान की 13, मध्य प्रदेश की 16, असम की 14 और उत्तराखंड की 5 सीटों पर उम्मीदवारों की लिस्ट पर मंथन हुआ।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत अपने बेटे वैभव गहलोत को चुनाव लड़ाना चाहते हैं। सूत्रों के मुताबिक, मीटिंग में वैभव गहलोत का नाम राजस्थान की जालोर सीट से फाइनल भी हो गया है। वहीं, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ भी अपने बेटे को छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर दोबारा चुनाव लड़ाना चाहते हैं। 2019 में भी कमलनाथ की जगह उनके बेटे यहां से चुनाव लड़े और जीते थे।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी खराब स्वास्थ्य की वजह से हरिद्वार सीट से चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। वे अपने बेटे वीरेंद्र रावत को इस सीट से उम्मीदवार बनाना चाहते हैं। इसके अलावा राजस्थान के सचिन पायलट भी आलाकमान से कह चुके हैं कि चुनाव लड़ने की बजाय वे राजस्थान की 4 लोकसभा सीटों पर कांग्रेस को मजबूत करने का काम करेंगे।

सीएए के खिलाफ बड़े आंदोलन की तैयारी

गुवाहाटी सील, 30 संगठन एकजुट; इन्हें रोकने के लिए अस्थायी जेल बनाई जा रहीं

गुवाहाटी, 12 मार्च (एजेंसियां)। देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) सोमवार से लागू हो गया है। 2019 में जब इसका कानून संसद में पारित हुआ था, तब देश में कई जगह विरोध हुआ था। गुवाहाटी में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के बैनर तले लोग सड़कों पर उतरे थे और हिंसा भड़की थी। इसके बाद सीएए का मामला थम गया था।

बीते दिनों जब गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव से पहले सीएए लागू करने का बयान दिया, उसके बाद आसू ने विरोध की तैयारी शुरू कर दी थी। इस बार 30 जनजातीय संगठन और 16 दलों का विपक्षी मंच विरोध में उतरा है। एक दिन पहले आसू ने राज्य में 12 घंटे की भूख हड़ताल भी की थी। अब मंगलवार से राज्य में इनके प्रदर्शन शुरू हो जाएंगे। थाने में अस्थायी जेल बनाई जा रहीं असम पुलिस सूत्रों के मुताबिक विरोध रोकने के लिए गुवाहाटी में जगह-जगह बैरिकेडिंग कर दी गई है। कई थाना क्षेत्रों के खाली परिसरों में अस्थाई जेलें बनाई जा रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो इस बार आंदोलन उग्र हुआ तो ये राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर असर पड़ेगा।

पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा 9 सीटें जीती थी। असम में कांग्रेस की अध्यक्षता में बने 16 दलों के संयुक्त विपक्षी मंच ने सीएए के खिलाफ बड़े आंदोलन की धमकी दी है। मंच के सदस्यों ने गुरुवार को असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें केंद्र सरकार की ओर से असम के लोगों पर सीएए थोपने से रोकने का अनुरोध किया गया है।

सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, राजनीतिक दलों को बंद की घोषणा करने से पहले गुवाहाटी हाई कोर्ट का आदेश ध्यान में रखना चाहिए, अन्यथा उन दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जा सकता है। इस पर असम जातीय परिषद के प्रवक्ता जियाउर रहमान ने कहा, हाईकोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या की जा रही है। जब बात पहचान के संकट की हो तो लोग सड़क पर आएंगे।

ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के महासचिव शंकर ज्योति बरुआ ने बताया कि सीएए असम के सांस्कृतिक और जनसांख्यिकीय ताने-बाने के लिए खतरा है। यह असमिया जाति के अस्तित्व को खत्म करने की साजिश है। उन्होंने कहा कि हम इसके खिलाफ लोकतांत्रिक और शांतिपूर्णढंग से लगातार विरोध-प्रदर्शन करेंगे। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में अपील करेंगे। 30 संगठन हमारे साथ हैं। हमें उम्मीद है कि लोग आगे आएंगे। इसलिए सरकार भी अस्थाई जेल बनवा रही है। हमारे कार्यकर्ताओं को थाने में बुलाकर आंदोलन से दूर रहने के लिए बॉन्ड पेपर पर हस्ताक्षर करवाने की कोशिश हो रही है। सबके घरों में नोटिस भेजा गया है।

एमपी के 4 जिलों में एनआईए की रेड

भोपाल और बड़वानी में दो युवकों से पूछताछ की; खरगोन में भी कार्रवाई

भोपाल, 12 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की टीम खालिस्तानी और गैंगस्टर के बीच कनेक्शन को लेकर मध्यप्रदेश में सर्चिंग कर रही है। टीम ने मंगलवार को भोपाल, बुरहानपुर, खरगोन और बड़वानी जिले में छापा मारा।

भोपाल के खानूगांव के एक युवक का खालिस्तानी संगठन से जुड़े होने का इनपुट मिला था। उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मध्यप्रदेश के साथ ही पंजाब-हरियाणा और चंडीगढ़ में 30 जगहों पर कार्रवाई की है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि खानूगांव के युवक से भोपाल में सेफ हाउस में पूछताछ की जा रही है। इधर, मेंडोरी में भी एक घर पर दबिश की सूचना है, लेकिन टीम को यहां कुछ नहीं मिला। बता दें, एनआईए ने भोपाल के खानूगांव में करीब पांच महीने पहले भी रेड की थी, तब एक बुजुर्ग को हिरासत में लिया था। टीमें खरगोन जिले में दो थाना क्षेत्र भगवानपुरा और गोगांवा क्षेत्र में पहुंची हैं। भगवानपुरा के सतीपुरा में सर्चिंग व पूछताछ की जा रही है। दोनों जगह अवैध हथियारों का गढ़ है। खरगोन के एडिशनल एसपी एमएस बारिया ने बताया कि एनआईए ने स्थानीय पुलिस की मदद मांगी है।

बड़वानी में एक युवक से पूछताछ की एनआईए ने जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के खड़की गांव में दीपक पाटिल नाम के युवक से पूछताछ की। पूछताछ के बाद टीम वरला थाना क्षेत्र के उमर्टी पंहुची। बता दें कि उमर्टी अवैध हथियारों का गढ़ माना जाता है। इसी जिले के सेंधवा के रहने वाले अतुल नाम के युवक की तलाश एनआईए को है। अतुल की लोकेशन महाराष्ट्र के चोपड़ा थाना क्षेत्र में मिली तो टीम वहां भी गई।

गैंगस्टर काला जठेड़ी-लेडी डॉन की शादी

अनुराधा ने हाथों में मेहंदी रचाई, दिल्ली बैंक्वेट हॉल पहुंची; बार कोड से मेहमानों की एंट्री

रेवाड़ी, 12 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टर काला जठेड़ी और लेडी डॉन अनुराधा चौधरी आज (12 मार्च) को शादी के बंधन में बंध जाएंगे। दोनों की शादी दिल्ली के द्वारका इलाके के एक बैंक्वेट हॉल में होगी। ये शादी समारोह स्थल तिहाड़ जेल से करीब 12 किलोमीटर दूर है। अनुराधा चौधरी शादी के लिए दिल्ली पहुंच गई है। साथ ही पुलिस की बख्तरबंद गाड़ी में काला जठेड़ी भी विवाह स्थल पर पहुंच चुका है। 6 घंटे की कस्टडी पैरोल मिलने के बाद दूल्हा बनने जा रहा काला जठेड़ी इसी जेल से पुलिसकर्मियों (बारातियों) के साथ सुबह 10 बजे रवाना होकर शाम ठीक 4 बजे शादी की तमाम रस्मों को पूरा करने के बाद वापस जेल पहुंच जाएगा।

काला जठेड़ी और अनुराधा चौधरी के दुश्मनों की फेहरिस्त को देखते हुए पुलिस की तरफ से सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता की गई है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच की टीमों के अलावा 150 से ज्यादा पुलिसकर्मी मॉडर्न हथियारों से लैस होकर दोनों के बीच रहेंगे। इसके अलावा करीब एक हजार पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

मेहमान भी एजेंसियों की रडार पर दिल्ली और हरियाणा 2 राज्यों की पुलिस के अलावा सेंट्रल एजेंसियों की इस शादी पर पूरी नजर है। परिवार ने 150 मेहमानों की लिस्ट पुलिस को दी है। मेहमान भी एजेंसियों की रडार पर रहेंगे। मेहमानों को खास सिक्योरिटी कोड दिया जाएगा। जिसके जरिए ही बैक्वेंट हॉल में एंट्री होगी। बिना पास के पार्किंग में वाहनों को एंट्री भी नहीं दी जाएगी।

बैंक्वेट हॉल के हर स्टाफ का पहचान पत्र दिल्ली पुलिस ने लिया है। सबकी पहचान की गई है। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के लिहाज से बैक्वेंट हॉल में 2 मेटल डिटेक्टर लगाए हैं। इस मेटल डिटेक्टर से ही हर मेहमान को गुजर कर जाना होगा। शादी के दौरान संदीप को हथकड़ी लगी रहेगी। दरअसल, संदीप उर्फ काला जठेड़ी और अनुराधा चौधरी के काफी दुश्मन यहां एक्टिव है। विरोधी गैंग के लोग इस शादी समारोह में किसी तरह का कोई खलल न डाल दें, इसलिए दिल्ली पुलिस की तरफ से पहले ही सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है। पिछले 2 दिनों से दिल्ली पुलिस की टीमें द्वारका इलाके के तमाम गेस्ट हाउस, होटल, धर्मशाला में ठहरने वाले लोगों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच, स्वेट, द्वारका पुलिस स्टेशन के स्पेशलिस्ट पुलिसवालों की एक खास टीम बनाई गई है। इस टीम में शामिल वो लोग हैं जो लेटेस्ट ऑटोमैटिक वेपन से लैस, किसी भी हमले से निपटने में माहिर हैं।

कुछ दिन पहले अनुराधा चौधरी ने कहा था कि हमारी शादी साधारण होगी। संदीप के चाचा का निधन हो गया है, जिसकी वजह से ज्यादातर फंक्शन नहीं हो पाएंगे। शादी पूरी सादगी के साथ होगी।

संदीप उर्फ काला जठेड़ी और अनुराधा चौधरी की पहली मुलाकात मध्यप्रदेश के इंदौर में हुई थी। इसका खुलासा खुद अनुराधा चौधरी ने किया। उस वक्त दोनों कई मुकदमों में फरारी काट रहे थे। दोनों की ये मुलाकात पहले दोस्ती और फिर प्यार में बदल गई। इसके बाद फरारी के दौरान ही दोनों लिव-इन-रिलेशनशिप में 9 माह तक रहे। हालांकि जुलाई 2021 में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दोनों को यूपी के सहारनपुर से गिरफ्तार कर लिया था।

सीमा हैदर के खिलाफ शिकायत

पाकिस्तानी पति के वकील ने 3 को बनाया आरोपी 20 गंभीर धाराओं में केस दर्ज की मांग

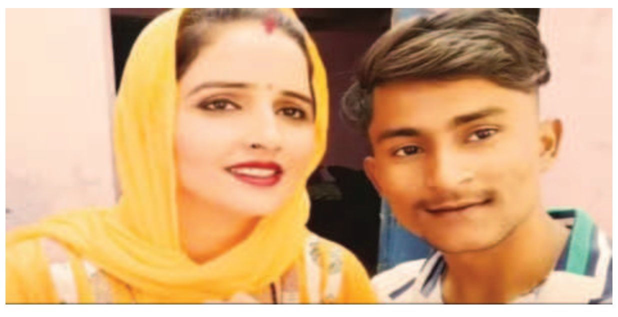

पानीपत, 12 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते गैर कानूनी तरीके से अपने चार नाबालिग बच्चों के साथ भारत में अपने प्रेमी सचिन के पास आई सीमा हैदर की मुश्किलें अब बढ़ सकती है। पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर के भारतीय वकील मोमिन मलिक ने सीमा हैदर, उसके प्रेमी सचिन और सचिन के पिता नेत्रपाल पर 20 गंभीर धाराओं में केस दर्ज करने के लिए शिकायत दी है। एडवोकेट ने धारा 153-ए, 195, 196, 197, 199, 201, 205, 209, 406, 420, 467, 468, 469, 471, 494, 495 ,496 ,120-बी, आईटी एक्ट व 11ए भारतीय विदेशी अधिनियम एक्ट के तहत शिकायत दी है।

कोर्ट की शर्तों को भी रखा ताक पर यूपी के गौतमबुद्ध नगर पुलिस को दी शिकायत में एडवोकेट मोमिन मलिक ने कहा कि पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर पत्नी गुलाम हैदर, जो गैर कानूनी तरीके से नेपाल के रास्ते भारत में गुलाम हैदर के चार नाबालिग बच्चों के साथ आई थी। वह सचिन पुत्र नेत्रपाल उर्फ नेत्र निवासी अम्बेडकर नगर, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश की मदद से आई है।

सीमा और सचिन को ग्रेटर नोएडा के थाना रबूपुरा पुलिस द्वारा 3 जुलाई 2023 को सेक्टर-59, बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद, हरियाणा से गिरफ्तार किया गया था। आरोपियों के खिलाफ 4 जुलाई को रखुपुरा पुलिस स्टेशन में धारा 120-बी, 14 विदेशी अधिनियम 1946 के तहत केस दर्ज किया गया था। जिन्हें कोर्ट ने 7 जुलाई 2023 को शर्तों के आधार पर जमानत दी थी, लेकिन वह कोर्ट की शर्तों का भी उल्लघंन कर रही है।

सीमा हैदर सोशल मीडिया के माध्यम से इस प्रकार के विवादित बयान दे रही है, जिससे देश में दो समुदाओं के बीच द्वेष पैदा हो रहा है। जिससे दो समाज में धार्मिक झगड़ा एवं फसाद कभी भी हो सकता है। सीमा हैदर का कोई कानूनी तलाक आज तक उसके पति गुलाम हैदर के साथ नहीं हुआ है। यहां तक की कोर्ट में जमानत के वक्त भी सीमा ने खुद को गुलाम हैदर की ही पत्नी होने के बारे में बताया था, जबकि विभिन्न माध्यमों से सीमा ने बयान जारी किया कि वह उसने 13 मार्च को सचिन से विवाह कर लिया है। अगर ऐसा है, तो उसने 7 जुलाई को उसने कोर्ट में गुलाम की पत्नी बताते हुए जमानत ले ली। जोकि धोखाधड़ी है। सीमा का कोई कानूनी तलाक नहीं हुआ है, वह सचिन के साथ अनैतिक तौर पर रह रही है। उसकी जमानत दिलवाने में सचिन के साथ-साथ सचिन के पिता नेत्रपाल का भी साथ रहा। वहीं, सीमा हैदर द्वारा मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर स्टेटमेंट दी गई कि 13 मार्च 2023 को उसने हिंदू रिति रिवाज से सचिन के साथ शादी कर ली है। अब वह इस साल अपनी पहली सालगिराह मनाएगी।

शिवसेना यूबीटी ने सीएए की टाइमिंग पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को सीएए (नागरिकता संशोधन कानून) लागू करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया। भाजपा समर्थक जहां सरकार के इस फैसले पर खुशी जता रहे हैं, वहीं विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ मुखर हो गया है। कांग्रेस ने चुनाव से ऐन पहले सीएए लागू करने को बंटवारे की राजनीति करार दिया। कांग्रेस ने कहा कि सीएए, भेदभाव को बढ़ावा देता है और यह भारतीय संविधान के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

सपा सांसद एसटी हसन ने भी भाजपा सरकार के सीएए लागू करने पर कहा कि 'यह सिर्फ लोगों को भ्रमित करने की रणनीति है। हमें इस पर कोई आपत्ति नहीं है कि लोगों को नागरिकता दी जाए, लेकिन इसे धर्म के आधार पर क्यों वर्गीकृत किया गया है? अहमदिया मुस्लिमों को इन देशों में प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। ऐसे में सरकार को सभी प्रताड़ित वर्गों को नागरिकता देनी चाहिए। सीएए सिर्फ एनआरसी का आधार है, जहां लोगों को ये घोषित करना पड़ेगा कि वे भारतीय हैं।'

सीएए लागू होने के बाद दिल्ली पुलिस समेत सभी राज्यों की पुलिस अलर्ट है। दिल्ली पुलिस की रैपिड एक्शन फोर्स ने मंगलवार को राजधानी के विभिन्न इलाकों में फ्लैग मार्च भी निकाला।

दो नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए पोल पैनल 14 मार्च को करेगा मीटिंग

नामों का ऐलान भी उसी दिन संभव

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयुक्तों के चयन पर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली पोल पैनल कमेटी 14 मार्च को बैठक करेगी। उन्होंने कहा कि कानून मंत्रालय ने 14 मार्च को दोपहर 12 बजे होने वाली बैठक के लिए सभी पैनल सदस्यों को संशोधित मैसेज भेजा है। बैठक पहले 15 मार्च को शाम 6 बजे होनी थी।

पैनल की अध्यक्षता प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी करते हैं। इसमें एक केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी इसके सदस्य हैं। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति करेंगे। नए चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति उसी दिन या अगले दिन तक किये जाने की संभावना है। शुक्रवार को अरुण गोयल के इस्तीफे और 14 फरवरी को अनूप चंद्र पांडे की रिटायर के बाद चुनाव आयुक्तों के दो पद खाली पड़े हैं। आयोग में फिलहाल सीईसी राजीव कुमार ही हैं।

वरुण और संघमित्रा का कटेगा टिकट?

बरेली, 12 मार्च (एजेंसियां)। बरेली लोकसभा सीट से भाजपा का प्रत्याशी तय न हो पाने की वजह से पार्टी से लेकर जनता तक असमंजस में है। बरेली का टिकट पहले ही तय हो गया होता, अगर मंडल की बदायूं और पीलीभीत सीटों का पेच न फंसा होता। बरेली मंडल में पांच लोकसभा क्षेत्र आते हैं। इनमें दो लोकसभा सीटों आंवला व शाहजहांपुर से भाजपा अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। बरेली, पीलीभीत व बदायूं के प्रत्याशी चयन में पेच फंसा है। सूत्र बताते हैं कि बदायूं व पीलीभीत के टिकट की वजह से बरेली सीट से प्रत्याशी की घोषणा नहीं हो सकी है।

दरअसल, बदायूं की सांसद संघमित्रा व पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी दोनों ही अपने कार्यकाल के दौरान पार्टी व सरकार पर छींटाकशी करते रहे। अब अगर इनके टिकट बदले तो नए सिरे से जातीय समीकरण तय करने में बरेली का टिकट भी प्रभावित हो सकता है। विधानसभा चुनाव से ऐन पहले भाजपा छोड़कर सपा में गए स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी डॉ. संघमित्रा मौर्य बदायूं से सांसद हैं। चुनाव के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य कुशीनगर जिले की फाजिलनगर विधानसभा क्षेत्र से सपा के उम्मीदवार थे। चुनाव में भाजपा के सुरेंद्र कुशवाहा ने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी।

वहां दोनों दलों के कार्यकर्ताओं में बवाल भी हुआ था। स्वामी प्रसाद की गाड़ी तोड़ दी गई थी। उस वक्त संघमित्रा मौर्य वहां लाठी लेकर भीड़ को दौड़ाती नजर आई थीं। उनके कई वीडियो वायरल हुए थे। इसमें वह भाजपाइयों को गुंडा बताती नजर आई थीं। कई और मौकों पर वह पार्टी लाइन से अलग हटकर विरोध जताती दिखीं।

हालांकि, विधानसभा चुनाव में स्वामी व सपा की हार के बाद उनके सुर नरम पड़े और वह पार्टी के कार्यक्रमों में आने लगीं। वह खुद को भाजपा का सच्चा सिपाही बताकर पीएम मोदी की तारीफ कर चुकी हैं पर उनका टिकट होने पर पार्टी में विरोध तय माना जा रहा है।

खाटू मेले में धूप-बारिश से बचाएगा 40 करोड़ का डोम

पहली बार दिव्यांगों-बुजुर्गों के लिए अलग लाइन, 105 कारीगर मंदिर में सजा रहे झांकियां

सीकर, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर में स्थित खाटूश्यामजी में बाबा श्याम का वार्षिक फाल्गुन मेला 11 मार्च से शुरू हो गया है। मुख्य मेला एकादशी पर 21 मार्च को भरेगा।

मंदिर कमेटी का अनुमान है कि 11 दिन चलने वाले मेले में 25 लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा श्याम के दर्शनों के लिए पहुंचेंगे। मेले में राजस्थान के अलावा हरियाणा, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात तेलंगाना सहित देशभर से श्रद्धालु धोक लगाने (माथा टेकने) आते हैं। दशमी और एकादशी के दिन सबसे ज्यादा भक्त बाबा के दरबार में पहुंचते हैं। बाबा श्याम की एक झलक पाने के लिए तेज धूप और कई बार बारिश के बावजूद 6 से 8 घंटे कतार में लगे रहते हैं।

इस बार बाबा के भक्तों को धूप और बारिश से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। लखदातार ग्राउंड में 40 करोड़ से 75 फीट का पक्का डोम बनाया है। वाटर कूलर लगाए हैं। 100 से ज्यादा टॉयलेट बनाए गए हैं।

खाटू में पहली बार श्रद्धालुओं को धूप-बारिश से बचाने के लिए लखदातार ग्राउंड में पक्का डोम बनाया गया है। मंदिर कमेटी के मैनेजर संतोष शर्मा का कहना है कि इस पर करीब 40 करोड़ से ज्यादा का खर्चा आया है।

यहां पर 75 फीट का जिगजैग बनाया है। जहां पर 14 लाइनें बनाई गई हैं। भीड़ नहीं होने पर पहले 4 लाइनों से ही दर्शन कराने के लिए आगे भेजा जाएगा। भीड़ बढ़ने पर अन्य लाइनों को शुरू किया जाएगा। यहां से 40 फीट चौड़ा पक्का रास्ता मंदिर तक बनाया गया है। जिससे बड़े आराम से बाबा श्याम के दर्शन हो सकेंगे। श्रद्धालुओं को गर्मी से बचाने के लिए पंखे और कूलर भी लगाए गए हैं। पूरे परिक्रमा स्थल को पक्का किया गया है। पुलिसकर्मियों के लिए भी पक्के आवास बनाए गए हैं। लखदातार ग्राउंड से लेकर मंदिर तक सीसीटीवी लगाए गए हैं। इन कैमरों से पूरे मेले पर निगरानी रखी जाएगी। जरूरत पड़ने पर

श्रद्धालुओं को धूप-बारिश से बचाने के लिए लखदातार ग्राउंड में पक्का डोम बनाया गया है।

पुलिसकर्मियों को तुरंत भेजा जा सकेगा। अलग से कंट्रोल रूम बनाया गया है।

मंदिर कमेटी की ओर से इस बार दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए दर्शनों की अलग से व्यवस्था की गई है। मंदिर से करीब 250 मीटर की दूरी पर लाला मांगेराम धर्मशाला के पास से ही एक अलग लाइन बनाई गई है। व्हील चेयर पर दिव्यांगों को इसी लाइन से मंदिर तक दर्शन कराने ले जा सकेंगे। बाबा श्याम के मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। दरबार और मंदिर को सजाने के लिए 105 बंगाली कारीगर जुटे हुए हैं। 14 मार्च तक सजावट पूरी कर ली जाएगी। मेले के दौरान बाबा श्याम का श्रृंगार प्रतिदिन दिल्ली के सतरंगी फूलों से किया जाएगा। मंदिर को भी सजाने का काम चल रहा है।

मंदिर में भगवान गणेश, राधा-कृष्ण, मां सरस्वती, वैष्णो देवी के अलावा कई झांकियां बनाई जा रही हैं। चार धाम, शीश महल, फूल बंगला, मां दुर्गा, गजराज, राजमहल, तिरुपति धाम की झाकियां तैयार हो चुकी हैं।

14 लाइनों में बाबा श्याम के दर्शनों के बाद बाहर निकलने का एग्जिट प्लान बनाया गया है। 4 लाइनें पुराने रास्ते से ही कबूतर चौक होकर निकलेंगी। 8 लाइनों में नए रास्ते से बाहर निकाला जाएगा।

दो लाइनों को गुवाड़ चौक होते हुए भक्तों को बाहर निकाला जाएगा। खाटू बाजार में जाम से बचने के लिए ई-रिक्शा पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी तरह 52 बीघा पार्किंग से वाहनों को मंढ़ा मोड़ से न निकालकर शाहपुरा से होकर निकाला जाएगा।

सुविचार

किसी दूसरे व्यक्ति को विपत्ति में देखकर हँसना आपकी अज्ञानता दर्शाता है

मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा विंग की यात्रा

सुरक्षित (टी-सेफ) सेवा शुरू की

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने ट्रैवल सेफ (टी-सेफ) सेवा शुरू की और इसे तेलंगाना के नागरिकों, विशेषकर अकेले यात्रा करने वाली महिलाओं को समर्पित किया। यह देश में पुलिस द्वारा अपनी तरह की पहली सवारी निगरानी सेवा है, जिसका उद्देश्य राज्य में महिलाओं, बच्चों और अन्य कमजोर समूहों के लिए यात्रा को सुरक्षित बनाना है। जिस दिन सरकार ने महिला शक्ति नीति की घोषणा की, उसी दिन लॉन्च किया गया, टी-सेफ महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक प्रमुख प्रवर्तक के रूप में कार्य करेगा।

सेवा का उपयोग केवल 100 या 112 डायल करके और आईवीआर विकल्प में नए शुरू किए गए नंबर "8" को चुनकर किया जा सकता है। डायल करने पर, नागरिक को एक स्वचालित लिंक भी भेजा जाता है जिसका उपयोग करके गूगल प्ले स्टोर या टी-सेफ वेब पेज पर उपलब्ध ट्रैवल सेफ एप्लिकेशन के माध्यम से भी सेवा का लाभ उठाया जा सकता है। सेवा का उपयोग करते समय, नागरिकों को ऐप पर या आवधिक अंतराल पर कॉल द्वारा स्वचालित अलर्ट मिलेंगे, जिनका यदि निर्धारित तरीके से जवाब नहीं दिया जाता है, तो त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया शुरू हो जाएगी। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि टी-सेफ एक एपीपी नहीं बल्कि एक सेवा है। सेवा का लाभ उठाने के लिए स्मार्ट फोन या ऐप डाउनलोड की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, भले ही महिला के पास बेसिक फोन हो, वह केवल 100 डायल करके और टी-सेफ टीम द्वारा सवारी की निगरानी शुरू करने के लिए आईवीआर में विकल्प 8 चुनकर टी-सेफ सेवा का लाभ उठा सकती है। इसलिए, यह देश में पहली बार है कि कोई सेवा स्वचालन के माध्यम से आपातकालीन पुलिस प्रतिक्रिया को सक्रिय रूप से सक्षम बनाती है, नागरिक को फिर से कोई बटन दबाने या 100 डायल करने की आवश्यकता नहीं होती है। आपातकालीन स्थिति में, यह तकनीक लाइव ट्रैकिंग लिंक भेजने में भी मदद करती है।

पुलिस गश्ती वाहन आपातकालीन प्रतिक्रिया वाहनों के वर्तमान बेड़े में 791 गश्ती कारें और 1085 ब्लू कोल्ट शामिल हैं। एपीपी पर सेवा का लाभ उठाते समय, नागरिक अपने प्रियजनों के साथ लाइव लोकेशन लिंक भी साझा कर सकते हैं। भविष्य के विकास के हिस्से के रूप में, महिला सुरक्षा विंग ने घोषणा की कि वे टी-सेफ को कैब एग्रीगेटर्स और अन्य निजी परिवहन सेवाओं के अन्य अनुप्रयोगों के साथ एकीकृत करेंगे। मुख्यमंत्री ने राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित बनाने की दिशा में लगातार काम करने के लिए तेलंगाना पुलिस को बधाई दी। लॉन्च कार्यक्रम में स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, कोमटिवेंकट रेड्डी वेंकट रेड्डी, सड़क और भवन, छायांकन मंत्री, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री, कोंडा सुरेखा, पर्यावरण एवं वन, बंदोबस्ती मंत्री, डी. अनसूया सीताक्का, पंचायत राज और ग्रामीण विकास (ग्रामीण जल आपूर्ति सहित), महिला एवं बाल कल्याण मंत्री, तुम्मला नागेश्वर राव, कृषि, विपणन, सहकारिता और हथकरघा और कपड़ा मंत्री, जुपल्ली कृष्ण राव, मद्य निषेध एवं उत्पाद शुल्क, पर्यटन एवं संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री, ए शांति कुमारी, मुख्य सचिव, रवि गुप्ता, पुलिस महानिदेशक (एचओपीएफ), तेलंगाना जितेंद्र, गृह विभाग के प्रमुख सचिव, शिखा गोयल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सीआईडी, प्रभारी महिला सुरक्षा विंग, हैदराबाद, साइबराबाद, राचकोंडा के पुलिस आयुक्त, एडीजी- इंटेलिजेंस, एडीजी-प्रशिक्षण, एडीजी-कानून एवं व्यवस्था, आईजी मल्टी जोन-I और II, आईजी-पी एंड एल, डीआईजी-महिला सुरक्षा विंग, सचिव सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मुख्यमंत्री, डीआइजी-आईएसडब्ल्य, सरकार के सचिव और डब्ल्यूडी एंड सीडब्ल्यू विभाग के आयुक्त भी लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए।

मंत्रिमंडल की उप समिति में प्रतीक प्रतिमा व गीत पर हुई चर्चा

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के प्रतीक, प्रतिमा और राज्य गीत को अंतिम रूप देने के लिए गठित कैबिनेट उप-समिति की आज सचिवालय में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू की अध्यक्षता में पहली बैठक हुई। बैठक में मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, सीतक्का और कोंडा सुरेखा कैबिनेट उप समिति के सदस्यों ने भाग लिया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने दोहराया कि प्रतीक को लोगों की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करना चाहिए और राज्य की संस्कृति और परंपराओं को आत्मसात करना चाहिए। प्रतीक चिन्ह में सामंतवाद, निरंकुशता और तानाशाही के प्रतीकों का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतिमा में राज्य की आम महिला की झलक दिखनी चाहिए। राज्य गीत के संबंध में उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध कवि एंडेसरी को समकालीन समय को प्रतिबिंबित करने के लिए "जया जया हे" गीत में कुछ संशोधन करने के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए और समझाया जाना चाहिए। 3

उन्होंने अधिकारियों को प्रतिष्ठित कलाकारों और बुद्धिजीवियों को शॉर्टलिस्ट करने और अवधारणा को समझाने का निर्देश दिया ताकि वे प्रतीक और मूर्ति के लिए डिजाइन तैयार कर सकें। मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने कहा कि राज्य के प्रतीक, गीत और प्रतिमा में वे तत्व शामिल होने चाहिए जो पूरे राज्य को दर्शाते हों।

मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकटरेड्डी चाहते थे कि प्रतीक में नागार्जुन सागर बांध और ऐसी अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित छवियों की प्रतिकृतियां होनी चाहिए। मंत्री कोंडा सुरेखा ने महसूस किया कि किसी भी समुदाय या संप्रदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाए बिना और बहुसंख्यक लोगों की राय को आगे बढ़ाते हुए राज्य के प्रतीक को फिर से डिजाइन किया जाना चाहिए। इसी प्रकार राज्य गीत में सभी जिलों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। मंत्री सीतक्का चाहतीं हैं कि मूर्ति को फिर से डिजाइन किया जाना चाहिए ताकि वह तेलंगाना की संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों को दर्शाने वाली महिला की छवि को प्रतिबिंबित कर सके। बैठक में सचिव राजनीतिक रघुनंदन राव, सचिव पर्यटन और संस्कृति शैलजा रामियार, आयुक्त सूचना एवं जनसंपर्क हनुमंत राव, निदेशक प्रोटोकॉल अरविंदर सिंह और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

सफेद राशन कार्ड धारकों की बल्ले-बल्ले

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में सीएम रेवंत और मंत्रियों ने कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, श्रीधर बाबू और पोन्नम प्रभाकर ने मीडिया को इस बैठक का ब्यौरा दिया। बैठक में लिये गये प्रमुख निर्णय इश प्रकार है : प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 3500 इंदिरम्मा घर, पार्टियों से परे गरीबों के लिए इंदिराम्मा घर, पहले चरण में 22,500 करोड़ रुपये की लागत से 4,50,000 घर, सफेद राशन कार्ड की स्वीकृति, 14 बीसी जातियों के लिए नए निगमों का गठन, महिला संघों द्वारा बनाए गए उत्पादों की ब्रांडिंग के लिए ओआरआर के आसपास 30 एकड़ जमीन, पिछली बीआरएस सरकार के दौरान सिंचाई अनियमितताओं की जांच के लिए न्यायमूर्ति पिनाकिनी चंद्र घोष की समिति, कैबिनेट ने 100 दिन के अंदर सिंचाई की जांच कराने का फैसला लिया। 16 जातियों के लिए अलग-अलग निगमों की स्थापना, मुदिराज, यादव कूर्म, लिंगायत, पद्मशाली, पेरका, बालिजा, रेड्डी, वैश्य, मडिगा, मडिगा उपजातियां, माला, माला उपजातियां, एकलव्य, बंजारा, आदिवासियों के लिए अलग-अलग निगमों की स्थापना, गीताकर्मियों की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय, 2008 में डीएससी अभ्यर्थियों को न्यूनतम वेतनमान की नौकरियां देने का निर्णय। अधिकारियों को गर्मी में पेयजल का ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है।

मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, श्रीधर बाबू और पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कैबिनेट ने महिला सशक्तिकरण के लिए 15 बिंदुओं वाले एक विशेष कार्यक्रम का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और सभी मंत्री एक टीम के रूप में काम कर रहे हैं। हम चुनाव के लिए फैसले नहीं ले रहे हैं। हम जनता के लिए फैसले ले रहे हैं। हमारी सरकार के सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर हमने जो कहा था वह कर रहे हैं। केटीआर और हरीश राव का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हे सावधानी से बोलना चाहिए। बीआरएस नेताओं को विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए। यदि बीआरएस नेता हर दिन सरकार की आलोचना करते हैं, तो हमें भी ऐसा करने पर मजबूर होना पडेगा। यदि वे नहीं बोलते हैं तो हम अनुशासित होंगे। मंत्री कोमट त रेड्डी ने कहा, पूर्व सीएम केसीआर ने लाख झूठ बोले हैं।

टीएसआरटीसी की लहरी बसों पर 10 प्रतिशत की छूट

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के पास दूर-दराज के स्थानों की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए कुछ अच्छी खबर है।

निगम ने सोमवार को यात्रियों की सुविधा के लिए लहरी एसी स्लीपर और एसी स्लीपर-कम-सीटर बसों में बर्थ पर 10 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। आरटीसी अधिकारियों ने कहा कि यात्रियों द्वारा नियमित टिकट किराए पर बुक की गई बर्थ पर 10 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई है।

यह छूट उन सभी रूटों पर लागू है जहां लहरी एसी स्लीपर और एसी स्लीपर-कम-सीटर बसें संचालित की जा रही थीं। यह छूट 30 अप्रैल तक वैध है।

लहरी एसी स्लीपर बसें हैदराबाद से चेन्नई, तिरूपति, विशाखापत्तनम और बेंगलुरु रूट पर चलती हैं। जबकि, लहरी एसी स्लीपर-कम-सीटर सेवाएं हैदराबाद से आदिलाबाद, आसिफाबाद, मंचिर्याल, निर्मल, गोदावरीखानी - बेंगलुरू, करीमनगर-बेंगलुरू, निजामाबाद-तिरुपति, निज़ामाबाद-बेंगलुरू और वारंगल-बेंगलुरू मार्गों पर संचालित होती हैं।

लोकसभा सचिवालय के पुस्तकालय पेशेवरों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान लोकसभा सचिवालय के पुस्तकालय पेशेवरों के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिसमें संसद पुस्तकालय में कार्यरत सहायक अनुसंधान अधिकारी और वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक ग्रेड के अधिकारी भाग ले रहे हैं।

डॉ. शशांक गोयल संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि क्षमता निर्माण कार्यक्रम, एक तरफ, पुस्तकालय पेशेवरों को नवीनतम विकास से अवगत कराएगा। दूसरी ओर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान का डोमेन उनके साथ उभरते प्रबंधन उपकरण और तकनीकों को साझा करेगा। उन्होंने कहा, पुस्तकालय विज्ञान और प्रबंधन उपकरणों से संबंधित इनपुट का अभिनव संलयन पुस्तकालय पेशेवरों को कार्यस्थल पर उनके प्रदर्शन और उत्पादकता में सुधार करने के लिए सशक्त बनाने में काफी सहायक होगा। क्षमता निर्माण कार्यक्रम आम तौर पर संसद पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं और विशेष रूप से संसद सदस्यों के लिए कई लाभकारी परिणाम लाएगा।

सेवाओं की बेहतर गुणवत्ता, संसाधनों का प्रभावी उपयोग और बेहतर क्षमता और प्रतिबद्धता तक पहुंच होगी। डॉ. शशांक गोयल ने कहा कि लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स संसद सदस्यों और अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए अपने कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से करने में बहुत उपयोगी होंगे। सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित लोकसभा सचिवालय, प्राइड के निदेशक डॉ. पीके मलिक ने कहा कि संसद पुस्तकालय दोनों सदनों के सांसदों, भारत के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के कार्यालयों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि संसद पुस्तकालय में काम करने वाले पुस्तकालय पेशेवरों को उनकी सेवाओं के समर्पित निर्वहन के लिए संसद सदस्यों और अन्य उपयोगकर्ताओं से सराहना मिली है। लाइब्रेरी पेशेवरों के काम में जबरदस्त बदलाव आ रहे हैं, जिसका मुख्य कारण पुस्तकालयों का प्रौद्योगिकी-प्रेमी बनना और पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को सर्वोत्तम संभव सूचना सेवाएं प्रदान करने के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के कार्यान्वयन पर उनका ध्यान केंद्रित करना है। इसलिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का उद्देश्य पुस्तकालय पेशेवरों के कौशल सेट को वर्तमान और अद्यतन बनाए रखना है। डॉ. कंदुकुरी उषा रानी, पाठ्यक्रम निदेशक और वरिष्ठ संकाय ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा की और प्रोफेसर मोहम्मद अब्बास अली, वरिष्ठ शैक्षणिक सलाहकार ने गणमान्य व्यक्तियों और पुस्तकालय पेशेवरों का स्वागत किया।

तीन साप्ताहिक उड़ानों के साथ हैदराबाद और अयोध्या सीधे जुडेंगे

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की अग्रणी एयरलाइनों में से एक, स्पाइसजेट ने 2 अप्रैल से हैदराबाद को अयोध्या से जोड़ने वाली सीधी उड़ान शुरू करने की योजना का खुलासा किया है। एयरलाइन सेवा के लिए बोइंग 737 विमान का उपयोग करते हुए मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को तीन साप्ताहिक उड़ानें संचालित करने के लिए तैयार है। उड़ान अनुसूची में एसजी616 शामिल है जो 13:25 पर अयोध्या से प्रस्थान करेगी और 15:25 पर हैदराबाद पहुंचेगी। इसके विपरीत, एसजी611 हैदराबाद से 10:45 बजे प्रस्थान करेगी और 12:45 पर अयोध्या पहुंचेगी। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए दोनों शहरों के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाना है। इसके अलावा, एयर इंडिया की सहायक कंपनी एलायंस एयर ने उसी मार्ग पर उड़ानों की व्यवहार्यता तलाशने में रुचि व्यक्त की है। एयरलाइन वर्तमान में संभावित मांग और परिचालन व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए परीक्षण उड़ानें संचालित कर रही है।

मंत्री सुरेखा ने दी रमजान की शुभकामनाएं

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रमज़ान के पवित्र महीने की शुरुआत के अवसर पर, वन, पर्यावरण और देवदया धर्मस्व मामलों की मंत्री श्रीमती कोंडा सुरेखा, मुस्लिम भाई, बहनों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि रमजान के महीने में उपवास, नमाज, तरावीह (कुरान का पाठ) जीवन में अनुशासन, आध्यात्मिक चिंतन और सकारात्मक दृष्टिकोण लाते हैं। मंत्री ने प्रार्थना की कि अल्लाह का आशीर्वाद सभी के जीवन में खुशहाली लाएगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस सरकार मुस्लिम अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए समर्पित होकर काम कर रही है। राज्य में गंगा जमुना तहजीब को और विकसित किया जाएगा।

हम राम के नाम पर बराबर वोट मांगेंगे : बंडी संजय

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और करीमनगर से सांसद बंडी संजय ने सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए कहा है कि वे लोकसभा चुनाव में राम के नाम पर वोट मांगेंगे।

उन्होंने कहा कि अगर हिम्मत है तो कांग्रेस बाबर का नाम लेकर वोट मांग कर दिखाये। अयोध्या के राम सिर्फ बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए भगवान बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी भगवान राम के उत्तराधिकारी हैं। उन्होंने कहा कि मोदी बीजेपी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार है।

कांग्रेस के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार कौन है? बंडी संजय ने एलबी स्टेडियम में आयोजित भाजपा की विशाल खुली बैठक को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि लोगों को परेशानी हो रही है क्योंकि जो ताकत बीजेपी को मिलनी चाहिए थी वह कांग्रेस को दे दी गई। उन्होंने कहा कि बीजेपी कांग्रेस और बीआरएस कैडर के खिलाफ नहीं है, बल्कि वे सिर्फ पार्टी नेताओं के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि छह गारंटी के क्रियान्वयन पर सरकार के पास कोई स्पष्टता नहीं है। सभी को गैस के लिए 500 रुपये प्रत्येक महिला को रुपये 2500 की मांग की गई। उन्होंने कहा कि सरकार विधानसभा क्षेत्र को सौ मकान भी देने की स्थिति में नहीं है।

उन्होंने कहा कि एमपी चुनाव में लोग कांग्रेस के इस प्रचार पर यकीन नहीं करेंगे कि बीआरएस और बीजेपी एक ही हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस के पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए कोई उम्मीदवार नहीं है। किसानों को आश्वासन का इंतजार है। उन्होंने कहा कि दो महीने बाद कांग्रेस सरकार ऐसी स्थिति लाएगी कि वेतन भी नहीं दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि ये बीजेपी कार्यकर्ता ही थे जिन्होंने अयोध्या में राम के लिए अपना बलिदान दिया। उन्होंने बताया कि अयोध्या के लिए सिर्फ बीजेपी कार्यकर्ता ही मरने-मारने को तैयार हैं।

मिसाइल की सफलता के पीछे हैदराबाद की महिला वैज्ञानिक!

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डीआरडीओ के मिशन दिव्यास्त्र मिसाइल लॉन्च की सफलता के पीछे हैदराबाद की एक महिला वैज्ञानिक की मौजूदगी प्रमुख रही। फिलहाल उनका नाम पूरे देश में लोकप्रिय है। मिशन दिव्यास्त्र परियोजना का नेतृत्व महिला वैज्ञानिक शीना रानी ने किया था। वह 1999 से अग्नि मिसाइल सिस्टम पर काम कर रही हैं।

शीना रानी डीआरडीओ में एडवांस्ड सिस्टम्स लेबोरेटरी में वैज्ञानिक हैं। भारत ने सोमवार को कई हथियारों से लैस अग्नि-5 मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने वैज्ञानिकों को बधाई दी।

साथ ही प्रधानमंत्री ने इस लॉन्च का नाम 'मिशन दिव्यास्त्र' रखने की भी घोषणा की। इस प्रयोग की सफलता से अब महिला वैज्ञानिक शीना रानी का नाम मशहूर है। उन्होंने इस परियोजना का नेतृत्व किया। एक महिला के नेतृत्व में हुए इस मिसाइल प्रक्षेपण की सफलता से उन्हें बधाइयों का तांता लग गया। और उनका हैदराबादी होना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। 1999 से वह अग्नि मिसाइल सिस्टम पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने डीआरडीओ टीम में एक गौरवपूर्ण भूमिका निभाई जिसने भारत की रक्षा में मदद की। वह मिसाइल तकनीशियन 'अग्नि पुत्री' टेसी थॉमस के नक्शेकदम पर चलीं, जिन्होंने अग्नि रेंज की मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। शीना रानी ने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तिरुवनंतपुरम से पढ़ाई की। कंप्यूटर विज्ञान में विशेष प्रशिक्षण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियर का भी अच्छा अनुभव प्राप्त किया। उन्होंने भारत की प्रमुख नागरिक रॉकेट प्रयोगशाला, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) में आठ वर्षों तक काम किया। 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षण के बाद वह डीआरडीओ में लेटरल एंट्री के रूप में शामिल हुईं। 1999 से वह अग्नि रेंज मिसाइलों के लॉन्च कंट्रोल सिस्टम पर काम कर रही हैं। उन्हें डीआरडीओ के पूर्व प्रमुख डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से भी प्रेरणा मिली।

उन्होंने कहा, एक और व्यक्ति जिसने उनके करियर को आकार देने में मदद की, वह डॉ. अविनाश चंदर थे, जो एक मिसाइल तकनीशियन थे, जो डीआरडीओ के प्रमुख थे। शीना रानी के पति भी एक वैज्ञानिक हैं। मिसाइलों पर डीआरडीओ के साथ काम किया। वह 2019 में इसरो द्वारा लॉन्च किए गए कौटिल्य उपग्रह के प्रभारी भी थे। ताजा प्रयोग की सफलता से भारत ने चीन को कड़ी चेतावनी दी है। इसके अलावा भारत अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, फ्रांस और चीन में शामिल हो गया है जिनके पास एमआईआरवी तकनीक है। भारत को उन छह देशों में से एक होने पर अधिक गर्व है जिनके पास एमआईआरवी सक्षम मिसाइलें हैं।

हैदराबाद-सिकंदराबाद से छह 'होली स्पेशल' ट्रेन

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। होली त्योहार के मौसम के दौरान अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष 'होली स्पेशल' ट्रेनें चलाएगा।

एससीआर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ट्रेन संख्या 07221 सिकंदराबाद-दरभंगा गुरुवार (21 मार्च) को शाम 7 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को सुबह 10 बजे पहुंचेगी, जबकि ट्रेन संख्या 07222 दरभंगा-सिकंदराबाद शनिवार (23 मार्च) को सुबह 11.30 बजे रवाना होगी और सोमवार को सुबह 4.50 बजे पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 07227 हैदराबाद-पटना शुक्रवार (22 मार्च) को शाम 4.10 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को सुबह 3 बजे पहुंचेगी और ट्रेन संख्या 07228 पटना-हैदराबाद रविवार (24 मार्च) को सुबह 5 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार दोपहर 1.30 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 07229 काचीगुडा-रक्सौल शुक्रवार (22 मार्च) को दोपहर 2.45 बजे प्रस्थान करेगी और रविवार को सुबह 5.55 बजे पहुंचेगी और ट्रेन संख्या 07230 रक्सौल-काचीगुडा मंगलवार (26 मार्च) को शाम 7.15 बजे प्रस्थान करेगी और गुरुवार सुबह 11 बजे पहुंचेगी।

यूपी को मिलीं 3 नई वंदे भारत, एक का एक्सटेंशन

लखनऊ से पटना और देहरादून गोरखपुर वाली अब प्रयागराज तक जाएगी

लखनऊ/झांसी/प्रयागराज/मेरठ, 12 मार्च (एजेंसियां)। यूपी को आज 4 वंदे भारत ट्रेन मिली है। इसमें 3 नई हैं, जबकि चौथी का एक्सटेंशन किया गया है। पीएम मोदी ने इसे गुजरात के अहमदाबाद से वर्चुअली हरी झंडी दिखाई। लखनऊ से पटना और लखनऊ से देहरादून रूट पर नई ट्रेन चलेंगी।

इसके अलावा लखनऊ-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस का एक्सटेंशन प्रयागराज तक किया जाएगा, जबकि खजुराहो से हजरत निजामुद्दीन के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस आगरा और झांसी होकर जाएगी। प्रधानमंत्री ने ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का भी शुभारंभ किया। यह कॉरिडोर यूपी के 15 जिलों से होकर गुजरेगा।

एक साथ 6 हजार परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण

पीएम ने मंगलवार को गुजरात से देशभर में एक साथ 85 हजार करोड़ की 6 हजार परियोजनाओं का शिलान्यास-लोकार्पण किया। इसके साथ ही विभिन्न स्टेशनों के बीच 10 नई सेमी. हाई स्पीड वंदे भारत ट्रेनों का शुभारंभ और 4 वंदे भारत एक्सप्रेस के रूट के विस्तार को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान लखनऊ से सीएम योगी, देहरादून से सीएम पुष्कर सिंह धामी वर्चुअली जुड़े।

माफिया मुख्तार अंसारी फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में दोषी

कोर्ट आज दोपहर 12 बजे सुनाएगी फैसला, 36 साल पहले फर्जी हस्ताक्षर से लिया था लाइसेंस

वाराणसी, 12 मार्च (एजेंसियां)। माफिया मुख्तार अंसारी फर्जी शस्त्र लाइसेंस मामले में दोषी पाया गया है। मंगलवार को वाराणसी की एमपी/एमएलए कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने मुख्तार को आर्म्स एक्ट के तहत दोषी करार दिया है। अदालत बुधवार को दोपहर 12 बजे मामले में सजा सुनाएगी। वहीं इस प्रकरण में भ्रष्टाचार के आरोप में मुख्तार अंसारी को दोषमुक्त कर दिया गया है।

मुख्तार की ओर से सीनियर वकील श्रीनाथ त्रिपाठी ने लिखित बहस के साथ सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की रूलिंग दाखिल की थी। दोनों पक्षों की बहस पूरी होने के बाद अभियोजन अधिकारी उदयराज शुक्ला और एडीजीसी विनय सिंह की ओर से भी रूलिंग दाखिल की गई। कोर्ट ने बहस के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है। बुधवार दोपहर सजा का ऐलान होगा।

अभियोजन के अनुसार 36 साल पहले फर्जीवाड़ा कर दोनाली बंदूक का लाइसेंस लेने के मामले में आरोपी मुख्तार अंसारी के खिलाफ विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) अवनीश गौतम की अदालत में सुनवाई हुई। बांदा जेल से मुख्तार अंसारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुआ।

अभियोजन अधिकारी उदय राज शुक्ल और एडीजीसी विनय कुमार सिंह ने दलील दी कि मुख्तार ने लंबे समय तक शस्त्र का उपयोग किया था। मुख्तार के खिलाफ कोर्ट में अब तक 10 गवाही हुई है।

अभियोजन ने पक्ष रखा कि तत्कालीन आयुध लिपिक और मुख्तार अंसारी की साजिश से असलहा लाइसेंस लेने में धोखाधड़ी की गई। तत्कालीन आयुध लिपिक की मौत हो चुकी है। अब सिर्फ मुख्तार इस मामले में आरोपी है।मुख्तार की ओर से बांदा जेल से लिखित बयान जेल अधीक्षक के जरिए कोर्ट में भेजा गया है। जिसमें मुख्तार ने कहा कि इस मामले में साजिश की जा रही है। वह निर्दोष है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण मुकदमा दर्ज कराकर आरोपी बनाया गया है।

पूर्व सीएस-डीजीपी दे चुके हैं बयान

पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के खिलाफ आरोप है कि 10 जून 1987 को दोनाली बंदूक के लाइसेंस के लिए गाजीपुर के जिला मजिस्ट्रेट के यहां प्रार्थना पत्र दिया था। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के फर्जी हस्ताक्षर से उसने शस्त्र लाइसेंस लिया था।

फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद सीबीसीआईडी ने 4 दिसंबर 1990 को गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने में मुख्तार अंसारी, तत्कालीन डिप्टी कलेक्टर समेत 5 नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

जांच के बाद तत्कालीन आयुध लिपिक गौरीशंकर श्रीवास्तव और मुख्तार अंसारी के खिलाफ 1997 में अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया। सुनवाई के दौरान गौरीशंकर श्रीवास्तव की मृत्यु हो जाने के कारण उसके खिलाफ केस 18 अगस्त 2021 को खत्म कर दिया गया। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव आलोक रंजन और पूर्व डीजीपी देवराज नागर समेत 10 गवाहों का बयान दर्ज कराया गया है।

माफिया मुख्तार अंसारी पर अब तक कुल 65 मामले दर्ज हो चुके हैं। जिनमें से 7 मामलों में मुख्तार को सजा हो चुकी है। आज सुनवाई के दौरान एमपी-एमएलए कोर्ट ने एक और मामले में दोषी पाया है। जिसमें कोर्ट कल फैसला सुनाएगा।

मुख्तार अंसारी को इन मामलों में मिली है सजा

15 दिसंबर 2023 को मुख्तार अंसारी को रूंगटा धमकी केस में वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट से सजा हुई थी।

28 अक्टूबर 2023 को कपिल देव सिंह की हत्या मामले में 10 वर्ष कैद और पांच लाख रुपए जुर्माने लगा था।

5 जून 2023 को अवधेश राय हत्याकांड में उम्र कैद।

29 अप्रैल 2023 को कृष्णा नंद राय हत्याकांड और नंदकिशोर रूंगटा अपहरण कांड में लगाए गए गैंगस्टर एक्ट में गाजीपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट से 10 वर्ष के सश्रम कारावास और पांच लाख रुपए अर्थ दंड लगा।

15 दिसंबर 2022 को 1996 में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मामले में गाजीपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट ने 10 वर्ष के कारावास और पांच लाख रुपए जुर्माना लगाया था।

21 सितंबर 2022 को सरकारी कर्मचारी को काम से रोकने व धमकाने के मामले में हाई कोर्ट ने सजा सुनाई। आलमबाग लखनऊ में दर्ज केस की धारा 353 में दो साल की कैद व 10 हजार रुपए अर्थदंड, धारा 504 में दो साल की कैद व दो हजार अर्थ दंड और धारा 506 में सात साल की कैद व 25 हजार रुपए अर्थ दंड लगा।

23 सितंबर 2022 को लखनऊ के हजरतगंज में दर्ज गैंगस्टर एक्ट में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दो साल की कैद ओर 10 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया था।

स्वामी प्रसाद बोले- इलेक्शन बॉन्ड मामले की जवाबदेही से बचने के लिए भाजपा ने जल्दी में लागू किया सीएए

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून 2021 में पास हो चुका था पर चुनाव के ठीक पहले उस समय लागू किया गया जब सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को इस पर जवाब देना चाहिए।

सपा के पूर्व एमएलसी व राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के संस्थापक स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा ने इलेक्टोरल बॉन्ड मामले से लोगों का ध्यान हटाने के लिए जल्दबाजी में नागरिकता संशोधन कानून लागू किया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश से भाजपा ने जो ईमानदारी का चोला पहन रखा था

वो उतर गया है। भाजपा को इस पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने इसे एक चुनावी घोटाला करार दिया। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि सीएए कानून 2021 में पास हो गया था पर इसे चुनाव के पहले अब लागू किया गया जब सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड मामले पर सख्त टिप्पणी की है। वो जवाबदेही से बच नहीं सकते उन्हें इसका जवाब देना होगा।

योगी सरकार के नए मंत्रियों को बांटे गए विभाग

राजभर पंचायती राज व अल्प संख्यक कल्याण मंत्री बने

लखनऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)। योगी सरकार में नवनियुक्त मंत्रियों के विभागों का मंगलवार को बंटवारा कर दिया गया। नए मंत्रियों में ओमप्रकाश राजभर को पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, हज व मुस्लिम वक्फ विभाग का जिम्मा सौंपा गया। वहीं दारा सिंह चौहान कारागार विभाग संभालेंगे। पहली बार मंत्री बने सुनील शर्मा को सूचना प्रौद्योगिकी व इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग का दायित्व सौंपा गया है। अनिल कुमार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री होंगे। वहीं योगी मंत्रिमंडल के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति अब नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड विभाग के मंत्री बनाये गए हैं। बता दें कि पांच मार्च को योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ था, जिसमें ओमप्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, सुनील शर्मा व अनिल कुमार को मंत्री बनाया गया है।

बिहार में डेढ़ दर्जन सीटों पर बसपा ताकतवर-संतोष कुमार

सासाराम से बसपा ने लोकसभा का अपना उम्मीदवार उतारा

कैमूर, 12 मार्च (एजेंसियां)। देश में कभी भी लोकसभा चुनाव का बिगुल बज सकता है। इसको लेकर सारी पार्टियां सीटों पर उम्मीदवार को लेकर मंथन कर रही है। इसी बीच बसपा ने सासाराम संसदीय क्षेत्र से संतोष कुमार को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। साथ ही दावा किया की उत्तर प्रदेश से बिहार के कई जिले सटे हैं। इस कारण बसपा से ही दूसरे पार्टियों की लड़ाई है। लगभग बिहार के डेढ़ दर्जन संसदीय क्षेत्र पर बसपा भारी है। बसपा से ही अन्य पार्टियों की लड़ाई होगी। दूसरी पार्टियों के द्वारा जब भी बिहार में मौका मिला किसी ने कुछ भी काम करके नहीं दिखाया जनता सभी पार्टियों से त्रस्त है और इस बार बसपा को जीताने का काम करेगी। बसपा उम्मीदवार जीतने के बाद पलटने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमारे एक दो विधायक या सांसद जीत कर आते हैं, तो वह जीतने के बाद दल बदल लेते हैं। लेकिन उनको भी जनता अगले चुनाव में पटकनी दे देती है। जिस दिन हम बहुमत में जीत कर आएंगे। हमारा संख्या 10 और 20 का होगा न तो कोई विधायक पलटेगा और न ही कोई सांसद।

सासाराम संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी संतोष कुमार ने बताया कि हमारे संसदीय क्षेत्र में विकास की काफी कमी है। इस बार चुनाव में जीतने के बाद सांसद वर्तमान द्वारा किसी भी प्रकार का विकास का कार्य नहीं कराया गया है। जनता इनसे त्रस्त है और जब कांग्रेस पार्टी के लोग यहां पर जीत हासिल किए थे तो उनके द्वारा भी विकास के क्षेत्र में काम नहीं कराया, जिस कारण इस बार जनता मुझे प्यार और आशीर्वाद देगी।

बसपा के केंद्रीय प्रभारी डॉक्टर लालजी मेघाकर ने बताया सासाराम संसदीय क्षेत्र से संतोष कुमार को बसपा उम्मीदवार घोषित कर रही है।

पहाड़ ब्लास्ट करते समय हादसा, 4 की मौत

मलबे में दबकर 7 मजदूर घायल, ब्लास्ट करने के लिए छेद किए जा रहे थे, तभी धंसा पहाड़

महोबा, 12 मार्च (एजेंसियां)। महोबा में खनन के लिए पहाड़ में ब्लास्ट करने के दौरान 4 लोगों की मौत हो गई। जबकि मलबे में फंसे 7 मजदूरों को पुलिस-प्रशासन की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। हादसा कबरई थाना क्षेत्र के पहरा गांव के पास हुआ है। बताया जाता है कि डीआरएस नाम के इस पहाड़ पर 500 फीट की गहराई पर विस्फोटक लगाने का काम हो रहा था। तभी अचानक पहाड़ के एक हिस्से में दरार आ गई और वो भरभरा कर गिर गया। हादसे के वक्त 10-11 लोग काम कर रहे थे। सभी मजदूर मलबे में दब गए। हादसे की सूचना अन्य लोगों ने पुलिस को दी। आनन फानन में 4 थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा और मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

उधर, हादसे की जानकारी पाकर मृतकों और घायल मजदूरों के परिवार वाले रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। वे लोग लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा करने लगे।

जिला अस्पताल में भर्ती नीरज ने बताया, "डीआरएस पहाड़ में दोपहर करीब ढाई बजे 500 मीटर की गहराई पर काम चल रहा था। 2 जेसीबी और एक पोकलेन

मशीन की मदद से पहाड़ को तोड़ने के लिए विस्फोटक लगाने के लिए छेद किए जा रहे थे। उसी दौरान पहाड़ के एक हिस्से में दरार आ गई और वो हिस्सा भरभरा कर गिर गया। उसके नीचे मशीनें और काम कर रहे 10-11 लोग दब गए।"

नीरज ने बताया, ''मेरे ऊपर भी कुछ मलबा गिरा, लेकिन मैं किसी तरह बाहर आ गया। जबकि बाकी लोग दब गए। बाहर मौजूद लोगों ने मलबे में दबे लोगों को निकालने का काम शुरू किया। साथ ही पुलिस को भी सूचना देकर बुलाया। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले गांव के कुछ लोग आ गए और मलबा हटाना शुरू किया। उसके बाद पुलिस भी आ गई।''

डीएम बोले- एक की हालत गंभीर, बाकी लोगों को भी निकाला

डीएम मृदुल चौधरी ने बताया, पहाड़ के सरकारी पट्टे पर काम चल रहा था तभी अचानक हादसा हो गया। जिसमें काम कर रहे 3 लोगों की मलबे में दबकर मौत हो गई, जबकि एक की हालत गंभीर है। मलबे में दबे 6 अन्य लोगों को भी निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, उनकी हालत खतरे से बाहर है। मौके पर एसपी अपर्णा गुप्ता समेत 4 थानों का फोर्स मौजूद है। मृतकों के परिवार के लोगों को समझाया गया है। उनको हर संभव मदद का भरोसा दिया गया है। घायलों का उचित उपचार कराया जा रहा है।

पश्चिमी यूपी के मुकीम काला के खात्मे की कहानी

चित्रकूट जेल में पूर्वांचल के गैंगस्टर ने ताबड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या की

सहारनपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिमी यूपी के कुख्यात मुकीम काला ने हाथों से इमारतें बनाई। पेट में खींची भूख की सलवटों ने हाथों में हथियार थमा दिए। खाकी और बेगुनाहों की हत्या से रंगे हाथों से मुकीम को अपनी जान की भीख मांगनी पड़ी। लेकिन लास्ट समय में उसे जान की भीख भी नहीं मिली। हरियाणा में साइकिल चोरी से शुरू हुआ जरायम की दुनिया का सफर चित्रकूट जेल खत्म हो गया। कुख्यात मुकीम काला ने जिस स्पीड से जरायम की दुनिया में अपना नाम कमाया था। उसी स्पीड में काला के काल का भी अंत हुआ। मात्र 11 साल में कुल 61 मुकदमे दर्ज हुए। जिनमें करीब 16 हत्याएं और 22 से ज्यादा डकैती और लूट के मुकदमे दर्ज हुए। खाकी तो उसे फूटी आंख भी सुहाती नहीं थी।

पुलिस जब भी उसके सामने आई, तभी खाकी लाल कर दी। उसके तीन पुलिसकर्मियों के खून से रंगे थे। मुकीम ने 50 करोड़ रुपए जरायम की दुनिया से लूटकर इकट्ठा किए। मगर उसका पता अभी तक किसी को नहीं है। सपा में उगने वाले अपराध का यह सूरज भाजपा सरकार में डूब गया।

14 मई 2021, मुकीम काला की शूट आउट में हत्या हुई। कैराना के गांव जहानपुरा के रहने वाले मुकीम ने सबसे पहले साइकिल चोरी की घटना की। उसके बाद 2011 में सबसे पहले पानीपत में साइकिल चोरी की। पिता मुस्तकीम पिस्टल और तमंचे बनाने का काम करता था। 2 जून 2011 को मुकीम ने शामली में कग्गा के साथ मिलकर 86 लाख रुपए की लूट की।

पहली बार मुकीम पुलिस और एसटीएफ के रडार पर आया। 5 जुलाई 2011 को मुकीम ने कग्गा

और मेहताब काला के साथ मिलकर शामली में यूपी पुलिस के सिपाही सचिन की हत्या कर दी थी। इसके बाद मुकीम मोस्ट वांटेड बन गया। मुकीम ने तीन पुलिसकर्मियों की हत्या की थी।

14 अक्टूबर 2011 को उसने धौला कुआं थाना बेहट, सहारनपुर में सिपाही बलवीर की हत्या कर दी। एक होमगार्ड को भी गोली मारकर घायल कर दिया। मुकीम वेस्ट यूपी की पुलिस के लिए चुनौती बन गया। 28 अक्टूबर 2011 की हरियाणा के यमुनानगर में पेट्रोल पंप लूटकर सहारनपुर के सदर इलाके में जा पहुंचा।

सीओ सदर ने पुलिस के साथ मुकीम की घेराबंदी की, तो वह पुलिस पर भारी पड़ गया। सीओ सदर के गनर राहुल ढाका की हत्या कर सिपाही की कार्बाइन लूट ली थी। 15 फरवरी 2015 को सहारनपुर में तनिष्क शोरूम में 10 करोड़ की डकैती डाली थी। पुलिस की लिए वह चुनौती बनाता जा रहा था।

मुकीम एक ओर पुलिस के लिए चुनौती बन रहा था। दूसरी ओर उसके क्राइम की फेहरिस्त लंबी होती जा रही थी। 2011 में सीओ के गनर राहुल ढाका की हत्या कर मुकीम फरार हो गया था। गनर की हत्या से कागज पर कार्रवाई करने वाली पुलिस भी जाग गई। उसने भी कागजी घोड़े दौड़ाने की बजाय, मुकीम को पकड़ने का प्लान तैयार।

जली हुई 5 लाशों के बीच हुआ सिंदूरदान

मऊ, 12 मार्च (एजेंसियां)। गाजीपुर बस हादसे में 6 लोगों की मौत से शादी का माहौल मातम में बदल गया। लेकिन इसी दुख की घड़ी में एक पिता को अपनी बेटी का कन्यादान करना पड़ा। एक तरफ लाशें बिछीं थीं तो दूसरी तरफ मंदिर में शादी की रस्में पूरी की जा रही थी। ये भयावह मंजर देख दुल्हन बनी बेटी ने कहा पापा मैं शादी नहीं करूंगी। इस पर पिता ने कहा कि बेटी तुम आज ही ससुराल चली जाओ नहीं तो ये समाज तुम्हें ताने दे-देकर मार डालेगा। सब इस पूरी घटना के लिए तुम्हें ही दोषी बनाएंगे। तुम्हारी जिंदगी ताने सुन-सुन कर जीते जी नर्क बन जाएगी।

11 मार्च सोमवार को मऊ के रानीपुर थाना इलाके के खिरिया गांव से बारात को महाहर धाम पहुंचना था, वहीं शादी होनी थी।

रिलायंस ज्वेलर्स लूट कांड में अब तक सुराग नहीं

12 दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली, पटना के बेऊर जेल में बंद दो गैंगस्टर से कई राउंड पूछताछ

समस्तीपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। समस्तीपुर शहर के मोहनपुर रोड स्थित रिलायंस ज्वेलर्स शोरूम में हुई 8 करोड़ के जेवरात लूट के 12 दिन गुजर चुके हैं। जिला पुलिस के साथ ही राज्य एसटीएफ की टीम अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर खाक छान रही है लेकिन उसे अब तक सफलता नहीं मिली है। जबकि जिला पुलिस के साथ ही घटना के दूसरे दिन यानी 1 मार्च को समस्तीपुर पहुंचे दरभंगा परिक्षेत्र के डीआईजी बाबूराम ने भी गिरोह की पहचान कर लेने का दावा किया था। लेकिन इस मामले में अब तक किसी भी बदमाशों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। हालांकि, इस दौरान कई लोगों को पुलिस उठाकर पूछताछ कर चुकी है। लेकिन पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है। जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल भी उठने लगा है। एएसपी संजय पांडेय का दावा है कि इस लूटकांड में बहुत जल्द ही उन्हें सफलता मिलने वाली है। गिरोह की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। जिला पुलिस और राज्य एसटीएफ की टीम बदमाशों के करीब पहुंचने के लिए समस्तीपुर मंडल कारा के साथ ही पटना के बेऊर जेल में बंद जिले के कुख्यात अपराधी के साथ मोकामा के एक गैंगेस्टर से पूछताछ की जा चुकी है। बताया गया है कि उसका सरगना इन दोनों रहकर कई लूट की घटनाओं को अंजाम दिया है खासकर स्वर्ण व्यवसायी उसके निशाने पर रहे हैं।

मंदिर बनाने वाले के पूरे परिवार पर तेजाब फेंका

एक की मौत, बिहार के गोपालगंज में घटना से तनाव

गोपालगंज, 12 मार्च (एजेंसियां)। गोपालगंज में मंदिर बनाने के विवाद में एक परिवार पर तेजाब से हमला कर दिया गया। तेजाब से झुलसे रितेश पूरी और मनीष पूरी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। घटना के बाद दोनों पक्ष में तनाव व्याप्त है। मृतक की पहचान 42 वर्षीय कप्तान साह के रूप में की गई है। वहीं, पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस की टीम कैंप की हुई है।

बताया जाता है कि मृतक कप्तान साह मछागर गांव में बजरंग बली का मंदिर बनवा रहे थे। इसका विरोध पड़ोसी और वार्ड सदस्य निर्भय पुरी कर रहे थे। इससे पूर्व में भी दीपावली के दिन भी मंदिर बनवाने को लेकर विवाद हुआ था। बताया जाता है की सोमवार की रात पड़ोसियों ने तेजाब से हमला कर दिया, जिसमें कप्तान साह की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं, तेजाब के हमले में दूसरे पक्ष से मनीष पूरी और रितेश पूरी गंभीर रूप से जख्मी हो गए।

आभूषण कारोबारी हत्या मामला

मुजफ्फरपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। जैतपुर ओपी के गीजास में आभूषण कारोबारी की शनिवार को गोली मारकर हुई हत्या कर दी गई थी। मामले में मिले सुराग के आधार पर पुलिस ने दो संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है। जिनसे हत्या के संबंध में पुलिस की विशेष टीम पूछताछ करने में जुट गई है। इस मामले में हुई पुलिस के अनुसंधान के आधार पर आभूषण कारोबारी के हत्या के पीछे की वजह भूमि विवाद और चुनावी रंजिश बताई जा रही है। पुलिस को कई अहम साक्ष्य मिले है। जिसके आधार पर जैतपुर ओपी और सरैया पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में इस मामले में दो संदिग्ध लोगों को उठाया गया है।

उदयनिधि की मुश्किलें बढ़ीं

भोजपुर न्यायालय ने कहा- इस तारीख को उपस्थित हों, वरना होगी कार्रवाई

पटना, 12 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन की मुश्किल अब बढ़ने वाली है। सनातन धर्म का अपमान करने के मामले में भोजपुर के न्यायालय ने संज्ञान लिया है। इस संबंध में न्यायालय ने का कहना है कि आरोपी 1 अप्रैल 2024 को भोजपुर कोर्ट में उपस्थित हो वरना न्यायालय आगे की कार्यवाई करेगी। उदय निधि स्टालिन के विरुद्ध आईपीसी 298 के तहत संज्ञान लिया गया है। इस संबंध में अधिवक्ता धरनीधर पांडेय ने बताया कि बीते वर्ष सितंबर 2023 में उदय निधि स्टालिन ने तमिलनाडु में एक कार्यक्रम में यह बयान दिया था कि सनातन धर्म को मच्छर, डेंगू, मलेरिया या कोरोना

की तरह खत्म करना होगा। उदय निधि स्टालिन ने आगे कहा कि सनातन धर्म का विरोध करने के बजाय इसे खत्म करना होगा, क्योंकि यह लोगों को जातियों में बांटता है और भेदभाव को बढ़ावा देता है। उसके इस बयान के बाद अधिवक्ता धरनीधर पांडेय ने उदयनिधि के खिलाफ जिला मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के यहां परिवाद दायर किया था, जिसमें उन्होंने कहा कि मैं सनातन धर्म का अनुयायी हूं और उदय निधि स्टालिन के द्वारा दिए गए घृणास्पद भाषण से मैं व्यथित हूं। उदय निधि स्टालिन का भाषण समाज में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया है। उनका यह भाषण हिंदू धर्म के अनुयायियों का अपमान किया है।

शिकायतकर्ता के मुख्य गवाह अधिवक्ता आदित्य कुमार का कहना है कि इस देश में किसी धर्म और जाति को लेकर टिप्पणी करना कानून और समाज दोनों के खिलाफ है। उदयनिधि स्टालिन के द्वारा सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणी करने के बाद भोजपुर न्यायालय में परिवाद दायर किया गया था। अब न्यायालय ने इस मामले पर संज्ञान लिया है। इस संबंध में अधिवक्ता धरनीधर पांडेय ने बताया कि उनके इस शिकायत पर दफा 120(B),153(A),153(B),295(A) तथा 298 की धारा लगाईं गई है। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल 2024 को उन्हें स्वयं या फिर अपने अधिवक्ता के माध्यम से उन्हें उपस्थित होकर जमानत लेना होगा।

यूं ही नहीं हुई है हरियाणा में बड़ी 'सियासी सर्जरी' गुजरात की तर्ज पर सजाई गई राजनीतिक चौसर!

चंडीगढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में हुई बड़ी 'सियासी सर्जरी' से भारतीय जनता पार्टी ने एक साथ कई निशाने साध लिए हैं। नायब सिंह सैनी को सीएम फेस बना कर पिछड़ों को साधने की कोशिश की है। जिससे हरियाणा में सियासी समीकरण एकदम से बदल गए हैं, जिसके बाद वहां मुकाबला जाट बनाम जाट हो जाएगा। गुजरात की तर्ज पर सजाई गई सियासी चौसर से भाजपा नेतृत्व को न सिर्फ लोकसभा, बल्कि उसके बाद होने वाले विधानसभा चुनावों की भी तस्वीर नजर आने लगी है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से उठाए गए इस सियासी कदम का पार्टी को बड़ा माइलेज मिलने वाला है। दरअसल हरियाणा में उठाए गए सियासी कदम की आहट राजनीतिक गलियारों में पहले से ही हो रही थी। वहीं इस बड़ी सियासी उठापटक में जजपा के लिए बड़ी चुनौतियां सामने आ गई हैं। हालांकि कांग्रेस इसे एक सोची समझी सियासी रणनीति बता रही है। वहीं राजनीतिक जानकारों का यह भी मानना है कि भाजपा और जजपा का समझौता टूटना दोनों पार्टियों के लिए सुखद है। दोनों दलों का वोट बैंक अलग है। वहीं अब चुनाव से ठीक पहले जजपा सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी और ज्यादा संभावना है कि जाट वोट में सेंध लगाएगी, जिसका खामियाजा कांग्रेस को झेलना पड़ सकता है।

हरियाणा में जजपा की ओर से सीटें मांगे जाने के बाद यहां की सियासत गर्म हो गई। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस

सियासी उठापटक में भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकारों ने दूर की सियासत को नजर में रखते हुए बड़े फैसले लेने की योजना बनाई है। इसके चलते सबसे पहले कैबिनेट का इस्तीफा देकर दोबारा मंत्रिमंडल की शपथ लेने की तैयारी की गई । हरियाणा की पूरी सियासी उठापटक को अगर देखा जाए उसके कई मायने मुख्य रूप से सामने आए हैं। पहले यह कि भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनावों और विधानसभा चुनावों के नजरिए से बड़ा सियासी दांव खेला है। धीमान कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी ने एंटी इनकंबेंसी जैसी जो भी परिस्थितियां बन रही थीं, उन्हें एक तरह से तोड़ने का यह बड़ा सियासी दांव चला है। उनका मानना है कि अगर पूरी कैबिनेट, जिसमें मुख्यमंत्री के चेहरे तक को बदला जाता है, तो भारतीय जनता पार्टी को बड़े स्तर पर सियासी फायदा होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

जिस तरह से गुजरात में विधानसभा चुनावों से ठीक पहले मुख्यमंत्री से लेकर पूरी कैबिनेट को बदल दिया था। कुछ उसी तर्ज पर हरियाणा में भी राजनीति की चौसर बिछाई गई है। बस इस सियासी चौसर में बड़ी चाल के तौर पर जजपा को बाहर कर दिया गया है। इस पूरी सियासी उठापटक में भारतीय जनता पार्टी जहां खुद को राजनीतिक तौर पर चार कदम आगे मानकर चल रही है। वहीं जजपा के लिए यह घटनाक्रम किसी बड़ी चुनौती से कम भी नहीं है।

सियासी जानकार बताते हैं कि दुष्यंत चौटालाा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह पहले अपने विधायकों को बचाएं और उससे निकलने वाले संदेश को न सिर्फ लोकसभा, बल्कि उसके कुछ महीने बाद होने वाले विधानसभा चुनावों में भी जाने से रोकें। लोकसभा और विधानसभा चुनावों से ठीक पहले जजपा की पूरी सियासी गणित को भारतीय जनता पार्टी ने फिलहाल बिगाड़ दिया है। जजपा को अलग कर भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में जातिगत समीकरणों के लिहाज से भी अपनी सभी चालें दुरुस्त की हैं। कहा यही जा रहा है कि हरियाणा की सियासत में जाटों के बड़े वोट बैंक की आपस में ही सेंधमारी होगी, जिसका फायदा भारतीय जनता पार्टी को गैर जाट बिरादरी के वोट बैंक के तौर पर मिलना तय माना जा रहा है।

भारतीय जनता पार्टी ने जिस तरीके से जजपा को अलग किया है, उससे पार्टी को फायदा होता हुआ नजर आ रहा है। बीते कुछ समय में जिस तरह से जजपा के विधायक क्षेत्र से लेकर विधानसभा तक में अपनी पार्टी के विरोध में माहौल बना रहे थे, उसी का फायदा भारतीय जनता पार्टी को इस बड़ी सियासी सर्जरी को करने में मिला है। इस वक्त जो सियासी चर्चा है, वह यही है कि जजपा के कई विधायक अपनी पार्टी के साथ नहीं हैं। ऐसे में जब लोकसभा के चुनाव सिर पर हैं, तो किसी भी पार्टी के लिए विधायकों का टूटना या उनका विरोध में आना सियासी दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती हो जाता है।

गठबंधन टूटने पर कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कैबिनेट के इस्तीफा देने का पूरा नाटक तैयार किया गया है। वह कहते हैं कि उन्होंने तीन महीने पहले ही बता दिया था कि भाजपा-जजपा में समझौता तोड़ने की अघोषित सहमति बन गई है। इस बार भाजपा के इशारे पर जजपा और इनेलो कांग्रेस की वोट में सेंध मारने के लिए फिर से जनता के बीच जाएंगे।

चंडीगढ़ से चुनाव लड़ने के सवाल पर बोले अनुराग ठाकुर, पार्टी तय करेगी चुनाव क्षेत्र

चंडीगढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर चंडीगढ़ संसदीय सीट से चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा की यह अधिकार राष्ट्रीय नेतृत्व का है। मंगलवार को खेलो इंडिया की टैलेंट हंट कीर्ति स्कीम की लॉन्चिंग के मौके पर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स सेक्टर-7 आएं खेल मंत्री से जब सवाल किया गया तो वह सांसद किरण खेर और बीजेपी चंडीगढ़ के प्रधान जितेंदर मल्होत्रा के साथ ठहाके लगाए बिना नहीं रह सके।

खुद उनके साथ चंडीगढ़ की सांसद किरण खैर ने सवाल पूछने वाली मीडिया से चुटकी

लेते हुए कहा कि मेरे सामने सवाल पूछे जा रहे हैं। फिर अनुराग ने कहा कि अच्छा हो गया आप ने सवाल किया। किरण खेर ने अनुराग की पीठ थपथापते हुए कहा कि वाह-वाह क्या बात है। यह मेरा छोटा भाई है अगर लड़ेगा तो मोस्ट वेलकम। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह तय करना राष्ट्रीय नेतृत्व का अधिकार है जिस को वह टिकट जहां से देंगे वो वहां से चुनाव लड़ेंगे1 हमारी पार्टी में कोई अपने आप तय नहीं करता कि कहां से चुनाव लड़ना है 1 खेल मंत्री ने कहा कि मैं हमीरपुर हिमाचल से हूँ। मैं चार बार संसद सदस्य बना। मोदीजी ने मुझे केंद्र में मंत्री बनाया। हिमाचल में मौका दिया।

हर बार में वहा में भारी लीड से जीता। पिछली बार 4 लाख से अधिक वोट से जिताया। मुझे वहा खूब मान सम्मान मिला ऐसी जगह को भला कौन छोड़ना चाहेगा। अब पार्टी तय करेगी कि कहां से लड़ाएगी। हिमाचल को पूजता हूँ जहां मुझे इतना प्यार मिला। मैं बहुत खुश हूँ हमीरपुर में।

सीएए लागू होने पर सीएम ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार को घेरा, कहा- यह अधिकार छीनने का 'खेला' है

कोलकाता, 12 मार्च (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने सोमवार को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया। भाजपा समर्थक जहां सरकार के इस फैसले पर खुशी जता रहे हैं, वहीं विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ मुखर हो गया है। कांग्रेस ने चुनाव से पहले सीएए लागू करने को बंटवारे की राजनीति करार दिया। वहीं, अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस पर संदेह जताया है कि यह

कानून वैध भी या नहीं।

कई लोगों ने आत्महत्या की थी

ममता बनर्जी ने कहा, 'केंद्र सरकार ने कल सीएए लागू किया। मुझे संदेह है कि इनके द्वारा लाया गया कानून वैध भी या नहीं। इसे लेकर केंद्र सरकार की स्पष्टता नहीं है। साल 2019 में असम में एनआरसी के नाम पर 19 लाख में से 13 लाख बंगाली हिंदूओं को सूची से हटा दिया गया था। इसकी वजह से कई लोगों ने आत्महत्या कर ली थी।'

आपके सभी अधिकार छीन लिए जाएंगे

उन्होंने आगे कहा, 'मैं पूछती हूं, अगर वे लोग दर्खास्त करेंगे तो क्या उन्हें नागरिकता मिलेगी? उनके बच्चे का भविष्य क्या होगा? उनकी संपत्ति का क्या होगा? इससे आपके सभी अधिकार छीन लिए जाएंगे, आपको अवैध घोषित कर दिया जाएगा। आपके पास कोई अधिकार नहीं बचेगा। यह अधिकार छीनने का खेला है। आपको डिटेंशन कैंप में ले जाया जाएगा। केंद्र सरकार सुन ले मैं बंगाल से किसी को भी जाने नहीं दूंगी।'

सीएए के नियम लागू होने के बाद एआईएमआईएम ने केंद्र सरकार को घेरा

टीएमसी सांसद ने किया फैसले का समर्थन

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। चार साल के लंबे इंतजार के बाद देश में नागरिकता संशोधन अधियम (सीएए) के नियम लागू हो गए हैं। इस नियम के लागू होते ही पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी। सीएए के नियम लागू होने के बाद एआईएमआईएम प्रवक्ता वारिस पठान ने प्रतिक्रिया दी है। इस नियम को लागू करने में लगे चार साल के इंतजार पर उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया है और सीएए को असंवैधानिक बताया है।

एआईएमआईएम ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

वारिस पठान ने कहा, आप क्रोनोलॉजी समझिए। नियम को लागू करने के समय को देखिए। तारीख तय हो गई है, लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और सरकार ने अचानक सीएए के नियम लागू करने के बारे में सोचा। वह पिछले पांच वर्षों से क्या कर रहे थे? इसे पहले लागू क्यों नहीं किया गया?

उन्होंने आगे कहा, इसलिए हम कहते हैं कि चुनाव से पहले सरकार ध्रुवीकरण की कोशिश कर रही है। वे विकास के क्षेत्र में विफल रहे हैं। उनके पास सवालों के जवाब नहीं है। इसलिए वे ये ले आए। हमने पहले भी इसका विरोध किया था और आज भी कहते हैं कि यह कानून असंवैधानिक है। हमें इस पर आपत्ति है।

कांग्रेस ने बताया असंवैधानिक

असम में कांग्रेस विधायक अब्दुर राशिद मंडल ने सीएए का विरोध करते हुए इसे असंवैधानिक बताया है। उन्होंने कहा, इस अधिनियम का संसद के अंदर और बाहर सभी पार्टियों द्वारा विरोध किया जा रहा है। यह पूरी तरह से भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक कानून है, क्योंकि सरकार यहां जाति के आधार पर नागरिकता दे रही है, जो कि भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत स्वीकार्य नहीं है। असम के साथ पूरे देश में इसका विरोध हो रहा है।

सीएए के नियम लागू होने पर तामिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि वह इसे राज्य में लागू नहीं होने देंगे।

टीएमसी नेता ने सीएए का किया समर्थन

लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने पर बैरकपुर से तृणमूल सांसद अर्जुन सिंह ने कहा, यह समय ही बताएगा कि लोकसभा चुनाव में लड़ेंगे या नहीं। उन्होंने आगे कहा, मैं खुश हूं कि सीएए के नियमों को लागू कर दिया गया है।

भारत को आत्मनिर्भर बनाने में रेलवे का बड़ा योगदान : रेल मंत्री

अहमदाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अहमदाबाद में विश्वस्तरीय ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान केंद्रीय रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव भी वर्चुअली मौजूद थे। उद्घाटन के बाद उन्होंने मीडिया से बात की। रेलवे मंत्री ने बताया कि रेलवे परिचालन के सभी तत्वों का इसी केंद्र से नियंत्रित किया जाएगा।

रेलवे के सामने आने वाली चुनौतियों पर अश्विनी वैष्णव ने कहा, भारत को आत्मनिर्भर बनाने में रेलवे बड़ी ताकत बनेगी। अगले पांच वर्षों में रेलवे का विश्व स्तर पर बदलाव होगा। रेलवे में रखरखाव बहुत जरूरी है। हमने रोलिंग ब्लॉक प्रणाली शुरू की है। प्रत्येक शुक्रवार को रेलवे कर्मचारी अगले 26 सप्ताह की रखरखाव कार्यों की योजना तय करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट अयोग्यता के खिलाफ हिमाचल के छह विधायकों की याचिका पर 18 को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के लिए 'अयोग्य' ठहराने के फैसले के खिलाफ दायर छह बागी कांग्रेस विधायकों की याचिका पर उच्चतम न्यायालय 18 मार्च को सुनवाई करेगा। इन विधायकों ने हिमाचल प्रदेश में हाल के राज्यसभा चुनाव में 'क्रॉस वोटिंग' करते हुए भाजपा के उम्मीदवार को वोट दिया था। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने

पार्टी व्हिप की 'अवहेलना' करने के लिए कांग्रेस की याचिका पर छह विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया था। पार्टी व्हिप के मुताबिक उन्हें सदन में उपस्थित रहने और बजट के लिए मतदान करने की आवश्यकता थी।

शीर्ष अदालत के समक्ष अपनी याचिका में बागी विधायकों ने पठानिया के साथ-साथ राज्य के संसदीय कार्य मंत्री हर्ष वर्धन चौहान को भी पक्षकार बनाया है। कांग्रेसी के बागी विधायकों ने 27 फरवरी को राज्यसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन के पक्ष में मतदान किया था, बाद में बजट पर मतदान के दौरान भी अनुपस्थित रहे थे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक सिंघवी क्रॉस वोटिंग के कारण राज्यसभा चुनाव हार गए थे। अयोग्य ठहराए गए विधायकों में राजिंदर राणा, सुधीर शर्मा, इंदर दत्त लखनपाल, देविंदर कुमार भुट्टू, रवि ठाकुर और चेतन्य शर्मा शामिल हैं। इन विधायकों की अयोग्यता के बाद सदन की प्रभावी सदस्य संख्या 68 से घटकर 62 हो गई है, जबकि कांग्रेस विधायकों की संख्या 40 से घटकर 34 हो गई है।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले पंजाब के पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह

चंडीगढ़, 12 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच मुलाकात के दौरान पंजाब के राजनीतिक हालात और आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी के कार्यक्रमों पर चर्चा हुई है। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, पंजाब से जुड़े मुद्दों पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जी के साथ सार्थक बैठक हुई। बता दें कि भाजपा पंजाब में अपने राजनीतिक जनाधार को बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य में अकाली दल की फिर से एनडीए गठबंधन में वापसी को लेकर बातचीत जारी है। दूसरी तरफ पार्टी अपने कई दिग्गज नेताओं को लोकसभा चुनाव में उतारने की तैयारी भी कर रही है।

जैसलमेर में सेना का फाइटर प्लेन क्रैश घर की दीवार से टकराया विमान

जैसलमेर, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर में भारत शक्ति अभ्यास में शामिल होने जा रहा सेना का फाइटर प्लेन एक घर की दीवार से टकरा जाने के कारण क्रैश हो गया है। मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे शहर से 2किमी दूर भील समाज के हॉस्टल में विमान जा घुसा। घटना के समय उस कमरे में कोई नहीं था।जानकारी के मुताबिक प्लेन क्रैश से पहले ही पायलट पैरासूट के सहायता से बाहर निकल गया था। बताया जा रहा है की पायलट घायल है ,इलाज जारी है। मौके पर पुलिस प्रशासन पहुंच गया है और जांच जारी है।

अरुणाचल प्रदेश के बॉर्डर इलाकों में एक और हाइवे को मंजूरी, 6,621 करोड़ रुपये का है प्रोजेक्ट

ईटानगर, 12 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को बताया कि केंद्र ने अरुणाचल प्रदेश में महत्वकांक्षी फ्रंटियर हाइवे को मंजूरी दी है। यह प्रोजेक्ट 6,621 करोड़ रुपये का है। इस प्रोजेक्ट के तहत नेशनल हाइवे 913 (फ्रंटियर हाइवे) के तहत आठ पैकेज का निर्माण किया जाएगा। इस फ्रंटियर हाइवे की कुल लंबाई 265.49 किलोमीटर होगी और इसकी मदद से सीमावर्ती इलाकों में पहुंचना बेहद आसान हो जाएगा। सामरिक रूप से भी यह हाइवे बेहद अहम होगा।

सीमावर्ती इलाकों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि फ्रंटियर हाइवे के पैकेज एक, तीन और पांच के तहत हुरी-तालिहा सेक्शन का निर्माण किया जाएगा। वहीं दो पैकेज बिले-मिगिंग सेक्शन को कवर करेंगे। पैकेज दो और चार खारसांग-मियाओ-गांधीग्राम-विजयनगर सेक्शन और पैकेज एक बोमडिला-नाफ्रा-लाडा सेक्शन पर फोकस किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस हाइवे के निर्माण से सीमाई इलाकों में कनेक्टिविटी बेहतर होगी और राज्य का सामाजिक-आर्थिक विकास भी होगा। इससे सीमाई इलाकों में पलायन भी रुकेगा।

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

गडकरी ने बताया कि इस हाइवे के निर्माण से अरुणाचल प्रदेश के बॉर्डर इलाकों में जहां सड़कों का बुनियादी ढांचा तैयार होगा और कनेक्टिविटी बढ़ेगी। साथ ही विभिन्न रिवर बेसिन तक भी पहुंच बढ़ेगी और कई हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स को विकसित करने का रास्ता साफ होगा। इस हाइवे के निर्माण से अरुणाचल प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य के सीएम पेमा खांडू ने भी हाइवे को मंजूरी मिलने पर खुशी जताई और कहा कि यह राज्य में कनेक्टिविटी बेहतर करने में मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही इससे सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और नौकरी के अवसर पैदा होंगे। सीएम ने हाइवे को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को धन्यवाद भी दिया।

सीएए के विरोध में स्टालिन बोले- संविधान की मूल संरचना के खिलाफ, 'राज्य में नहीं होने देंगे लागू'

चेन्नई, 12 मार्च (एजेंसियां)। देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के नियम लागू होने पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इसका विरोध किया। उन्होंने सीएए तो विभाजनकारी और बेकार बताते हुए खारिज कर दिया। सीएम स्टालिन ने कहा कि वह इसे राज्य में लागू नहीं होने देंगे। लोकसभा चुनाव से पहले जल्दबाजी में सीएए के नियमों को लागू करने पर तमिलनाडु के सीएम ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सीएए और उसके नियम संविधान की मूल संरचना के खिलाफ है। सीएम स्टालिन ने कहा, इससे किसी को कुछ लाभ नहीं मिलने वाला है। उन्होंने आगे कहा, यह केवल भारत के लोगों को विभाजित करेगा। सरकार का रुख है कि यह कानून पूरी तरह से अनुचित है। यह ऐसा है, जिसे निरस्त कर देना चाहिए। उन्होंने आधिकारिक सूचना में बताया, तमिलनाडु सरकार किसी भी तरह से सीएए को यहां लागू करने का मौका नहीं देगी। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुख के अध्यक्ष स्टालिन ने बताया कि सीएए धर्मनिरपेक्ष, अल्पसंख्यक और श्रीलंका से तमिलनाडु आए शरणार्थियों के खिलाफ है।

पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के बेटे के रिसॉर्ट पर पड़ा छापा, दो करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी का खुलासा

ग्वालियर, 12 मार्च (एजेंसियां)। भोपाल से एक टीम कल 11 मार्च को सुबह ग्वालियर पहुंची थी। उसका मिशन पूरी तरह से गोपनीय रखा गया था। भोपाल से पहुंची टीम में ग्वालियर जीएसटी अफसरों को भी बुलाया और उन्हें बगैर टास्क बताए अपनी गाड़ियों में बिठाकर सीधे नेशनल हाइवे पर स्थित अंचल के सबसे भव्य, विशाल और बड़े इम्पीरियल गोल्फ रिसॉर्ट्स पर पहुंचे। टीम के लोग ग्राहक बनकर अंदर घुसे, क्योंकि रिसॉर्ट्स के बाहर कड़ी निजी सुरक्षा व्यवस्था रहती है। अंदर पहुंचते ही उन्होंने पुलिस अफसरों को भी सूचना दे दी तो सिरोल थाने की फोर्स भी वहां पहुंच गई। यहां शुरू हुई कार्रवाई देर रात तक जारी रही, जबकि एक टीम अभी भी रिसॉर्ट्स के अंदर बताई गई है।

डेढ़ से दो करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी

बताया गया है कि यह रिसॉर्ट्स

शहर के प्रमुख बिल्डर रोहित वाधवा और अंशुमन मिश्रा का है। अंशुमन मिश्रा मध्यप्रदेश के कद्दावर भाजपा नेता और शिवराज सिंह चौहान के मंत्रिमंडल में गृहमंत्री रहे डॉ नरोत्तम मिश्रा के बेटे है। बताया गया कि जीएसटी टीम ने जांच के दौरान दोनों डायरेक्टर्स को भी बुला लिया था। हालांकि अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों की मानें तो जीएसटी टीम पहले से ही काफी होमवर्क करके गई थी, इसलिए उसने प्राथमिक जांच पड़ताल के बाद ही लगभग डेढ़ से दो करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी पकड़ ली है।

झांसी बाईपास पर स्थित रिसॉर्ट्स

इम्पीरियल गोल्फ रिसॉर्ट्स ग्वालियर से निकलने वाले दिल्ली नेशनल हाइवे पर नैनागिर गांव के पास झांसी बाईपास पर स्थित है। सिरोल थाना क्षेत्र में स्थित यह रिसॉर्ट्स कई एकड़ भूभाग में फैला हुआ है। इसमें अनेक मैरीज हॉल के अलावा भव्य रेस्तरां और आलीशान कमरे है। यहां धनवान लोगों की शादियों के अलावा भाजपा संगठन के भी अनेक आयोजन होते रहते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 13 मार्च- 2024

मोदी सरकार का बड़ा दाव विरोधी चारो खाने चित्त !

मनोज कुमार अग्रवाल

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मोदी सरकार ने सीएए कानून को लागू कर बड़ा मास्टरस्ट्रोक खेल दिया है। देर शाम गृह मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन के बाद अब यह पूरे देश में लागू हो गया है। मोदी सरकार की इस एक चाल से विपक्ष चारो खाने चित्त मालूम पड़ता है।

आपको बता दें कि नागरिकता संशोधन कानून 11 दिसंबर 2019 में संसद से पास हुआ था। इस दौरान देशभर में सीएए के खिलाफ व्यापक आंदोलन और विरोध प्रदर्शन हुए थे। 10 जनवरी 2020 को राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद ये कानून बन गया। ये कानून पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और क्रिस्चन धर्मों के प्रवासियों के लिए नागरिकता देने के लिए है। कानून लागू होने के बाद इन देशों से आए गैरमुस्लिम शरणार्थियों को आसानी से भारत की नागरिकता मिल सकेगी।सोमवार शाम इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी होते ही विपक्ष के खेमे में खलबली मच गई वही तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी बिफर पड़ी और इस कानून को लेकर नाराजगी जाहिर कीपश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि पहले मुझे नियमों को देखने दीजिए. मुझे पता है कि रमजान से पहले आज की तारीख क्यों चुनी गई. मैं लोगों से शांत रहने और किसी भी अफवाह से बचने की अपील करती हूं. वहीं, सीएए दिखाकर किसी की नागरिकता रद्द की जाती है तो इसको बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं कांग्रेस की ओर से जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की कानून लागू करने की टाइमिंग पर आपत्ति जताई। उन्होने कहा है कि संसद द्वारा पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम के नियमों को अधिसूचित करने में मोदी सरकार को चार साल और तीन महीने लग गए. प्रधानमंत्री दावा करते हैं कि उनकी सरकार बिल्कुल प्रोफेशनल ढंग से और समयबद्ध तरीके से काम करती है। एआइ एमआई एम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, ₹ सीएए विभाजनकारी है और गोडसे की सोच पर आधारित है, जो मुसलमानों को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहता था। सताए गए किसी भी व्यक्ति को शरण दें, लेकिन नागरिकता धर्म या राष्ट्रीयता पर आधारित नहीं होनी चाहिए। सीएए कानून को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि सोमवार को नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019 के तहत नियमों को अधिसूचित कर दिया। इन नियमों को नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 कहा जाएगा। ये नियम सीएए-2019 के तहत पात्र लोगों को भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन करने की अनुमति देंगे। आवेदन पूरी तरह से ऑनलाइन मोड में जमा किए जाएंगे, जिसके लिए एक वेब पोर्टल बनाया गया है। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी सीएए कानून के खिलाफ हैं। उन्होंने इसे पश्चिम बंगाल में लागू न करने की बात कही है। ममता बनर्जी ने कहा था कि यह बीजेपी की राजनीति का हिस्सा है।लेकिन ममता बनर्जी की इस पहल से संवैधानिक संकट उत्पन्न हो सकता है क्योंकि केंद्र सरकार के किसी कानून को मानने से इंकार करने का राज्य को अधिकार नहीं है। सीएए को लेकर सरकार ने पूरी योजना बना ली थी। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद वेब पोर्टल को भी चालू कर दिया जाएगा। पोर्टल बनकर तैयार है। नियम जारी होने के बाद जो पात्र हैं, उन्हें भारत की नागरिकता दी जाएगी। नागरिकता संशोधन अधिनियम लोकसभा चुनाव से पहले ही लागू हो गया है। जैसा कि पहले ही साफ किया जा चुका है कि नागरिकता के लिए अप्लाई करने वाले आवेदकों से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। हालांकि आवेदकों को बिना यात्रा दस्तावेजों के भारत में प्रवेश करने का साल बताना होगा।भारत की नागरिकता के लिए आवेदन करने की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार किया जा रहा है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए शरणार्थी नागरिकता के लिए आवेदन कर पाएंगे। अभी तक जो जानकारी मिली है उसके अनुसार जो लोग 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आए हैं, वो ही इसके लिए अप्लाई कर पाएंगे। नागरिकता अप्लाई करने वालों में हिंदू, ईसाई, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी धर्म के लोग शामिल होंगे। नागरिकता संशोधन अधिनियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। याचिकाकर्ताओं ने कानून के खिलाफ याचिका दायर कर कहा कि ये कानून पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से सिर्फ हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाइयों को ही भारत की नागरिकता देता है, इसमें म्यांमार में सताए रोहिंग्या, चीन के तिब्बती बौद्ध और श्रीलंका के तमिलों को जगह नहीं दी गई, जोकि अन्याय है।18 दिसंबर 2019 को ही नागरिकता संशोधन कानून पर रोक वाली याचिका खारिज कर चुकी है। तब अदालत ने केंद्र सरकार को इस बाबत नोटिस भी जारी किया था और सरकार से जवाब दाखिल करने के लिए कहा था। जानकारी के अनुसार कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 250 से ज्यादा याचिकाएं दाखिल की गई थीं।नागरिकता संशोधन कानून को लेकर देशभर में विरोध हुए, सुप्रीम कोर्ट तक मामला पहुंचा, लेकिन केंद्र सरकार का रुख एक दम साफ है। सुप्रीम कोर्ट में दाखित हलफनामे में सरकार ने कहा था कि इस कानून में 'उचित वर्गीकरण' का आधार धर्म नहीं है, बल्कि पड़ोसी देशों में 'धार्मिक भेदभाव' है। केंद्र सरकार ने कहा कि ये कानून दुनियाभर के मुद्दों का समाधान नहीं है और न ही सरकार दुनियाभर में होने वाले उत्पीड़न का समाधान कर सकती है। जब कानून को लेकर संसद में बहस चल रही थी जब भी गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि कानून नागरिकता देने के लिए, किसी की नागरिकता लेने के लिए नहीं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में पश्चिम बंगाल में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि बीजेपी सरकार नागरिकता संशोधन कानून के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, 'ममता दीदी अक्सर सीएए के बारे में हमारे शरणार्थी भाइयों को गुमराह करती हैं। मैं स्पष्ट कर दूं कि सीएए देश का कानून है और इसे कोई नहीं रोक सकता। सभी को नागरिकता मिलेगी, यह हमारी पार्टी की प्रतिबद्धता है।' सीएए के विरोध का कारण सीएए को अक्सर प्रस्तावित राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) से जोड़ा जाता है। आलोचकों को डर है कि संयुक्त होने पर ये मुसलमानों के बहिष्कार का कारण बन सकता है. जिससे ऐसी स्थिति पैदा होगी जहां नागरिकता धर्म के आधार पर निर्धारित कर सकते हैं।कुछ समुदायों, खासतौर पर मुसलमानों के बीच ये डर है कि सीएए और एनआरसी कानून उनके हाशिए पर जाने, बहिष्कार और यहां तक कि निर्वासन का कारण भी बन सकते हैं। सीएए और एनआरसी का मामला सामने आया तब से इस मुद्दे पर जमकर राजनीति हो रही है और राजनीतिक रूप से ध्रुवीकृत हो गया है।अलग-अलग राजनीतिक दल अलग-अलग रुख अपना रहे हैं। इस विभाजनकारी माहौल में इस ध्रुवीकरण ने मामले पर रचनात्मक बातचीत में बाधा डालने का काम किया।

बहरहाल इतना साफ है कि एक ओर जहां मोदी सरकार 2019 के चुनाव के अपने घोषणापत्र के वादे को पूरा करने की कोशिश कर अपने अजेंडा को लागू कर रही है वहीं विपक्ष को इस सबको पचाने के लिए कडवा घूंट पीना पड़ रहा है। अगले कुछ दिनों में न सिर्फ राजनीति में भारी आक्रोश देखने को मिल सकता है वहीं भाजपा का यह पैतरा विपक्ष के लिए भारी साबित हो सकता है।

सेला टनल से तिलमिलाया चीन

चीन ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अरुणाचल दौरे पर जबरदस्त रूप से तिलमिलाया है,क्योंकि मोदी ने 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी सेला टनल का उद्घाटन जो कर दिया। चीन ने फिर हुंकार भरी कि अरुणाचल प्रदेश हमारा हिस्सा है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन भी बिलबिलाए कि भारत के कदम से एलएसी पर तनाव बढ़ेगा। वांग तो अरुणाचल प्रदेश को जांगनान तक बताते हुए कहा कि यह चीनी क्षेत्र है। हमारी सरकार ने कभी भी गैर-कानूनी तरीके से बसाए गए अरुणाचल प्रदेश को मान्यता नहीं दी। हम आज भी इसका विरोध करते हैं। यह चीन का हिस्सा है और भारत मनमाने ढंग से यहां कुछ भी नहीं कर सकता है। चीनी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा भारत जो कर रहा है उससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ सकता है। हम पीएम मोदी के पूर्वी क्षेत्र में किए गए इस दौरे पर भारत से अपना विरोध जता चुके हैं। बता दें कि चीन अरुणाचल प्रदेश को साउथ तिब्बत कहता है और इसका नाम जांगनान बताता है। दूसरी ओर चीन के बयान पर भारत के विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया है। प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा- पीएम मोदी समय-समय पर राज्यों का दौरा करते रहते हैं। ऐसे दौरों या विकास योजनाओं का विरोध चीन किस हैसियत से कर रहा है। अरुणाचल हमेशा से भारत का हिस्सा था, है और रहेगा। उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी ने 9 मार्च को अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के बैसाखी में सेला टनल का उद्घाटन किया था। यह 13 हजार फीट की ऊंचाई पर बनी दुनिया की सबसे लंबी डबल लेन टनल है। चीन सीमा से लगी इस टनल की लंबाई 1.5 किलोमीटर है। टनल चीन बॉर्डर से लगे तवांग जिले को हर मौसम में रोड कनेक्टिविटी देगी। एलएसी के करीब होने के कारण यह टनल सेना के मूवमेंट को खराब मौसम में और भी बेहतर बनाएगी। इस टनल के बनने से चीन बॉर्डर तक की दूरी 10 किलोमीटर कम हो गई है। यह टनल असम के तेजपुर और अरुणाचल के तवांग को सीधे जोड़ेगी। दोनों जगह सेना के चार कोर मुख्यालय हैं, जिनकी दूरी भी एक घंटे कम हो जाएगी। इस पूरे टनल का डिजाइन और इन्फ्रास्ट्रक्चर भारतीय सेना की स्पेशल विंग बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन ने तैयार किया है। इसलिए, जंग की स्थिति में इस टनल में कौन-कौन सी चीजें होनी चाहिए, ये बीआरओ को अच्छी तरह से पता है। यही वजह है कि इस टनल के बनने से भारतीय सेना की ताकत और मनोबल बढ़ा है, जिससे चीन की टेंशन बढ़ गई है। सेला टनल रणनीतिक रूप से अहम 'सेला पास' के नजदीक बनी है। ये इलाका चीनी सेना को एलएसी से साफ नजर आता है। 1962 की भारत-चीन जंग में चीनी सेना इसी सेला पास से घुसकर तवांग तक पहुंची थी। इतना ही नहीं, तवांग सेक्टर में ही 9 दिसंबर 2022 को चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की थी, जिसके बाद भारतीय सेना से उनकी झड़प हुई थी। अरुणाचल प्रदेश के अलावा चीन अक्साई चिन और लद्दाख को भी अपना हिस्सा बताता है। पिछले साल 28 अगस्त को चीन ने अपना एक ऑफिशियल मैप जारी किया था। इसमें उसने अरुणाचल प्रदेश, अक्साई चीन, ताइवान और विवादित दक्षिण चीन सागर को अपना इलाका बताया था। चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे। चीन ने पिछले 5 साल में तीसरी बार ऐसा किया था। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था- हमारे सामने चीन की इस तरह की हरकतों की रिपोर्ट्स पहले भी आई हैं। हम इन नए नामों को सिरे से खारिज करते हैं।

देश का राष्ट्रवादी चिंतन देश की बौद्धिक संपदा

संजीव ठाकुर

राष्ट्रवाद सार्वभौमिक सत्य है। राष्ट्र के निर्माण में राष्ट्रवाद की भूमिका हमेशा अति महत्वपूर्ण रही है। देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी भी है कि उसकी राष्ट्र के प्रति गहरी निष्ठा,समर्पण हो, पर इसका कतई आशय नहीं है की सत्ता लोलुप राजनीतिक पार्टियां राष्ट्रवाद को धर्म संप्रदाय से जोड़कर सत्ता हथियाने का अवसर या अस्त्र बनाने का प्रयास करें, निसंदेह इस बात से राष्ट्रीय भावना विखंडित,आहत होती है। ऐतिहासिक तौर पर लगातार सत्ता पर बने रहने के लालच से कोई भी राजा सम्राट अथवा बादशाह चिंता नहीं रहा है। वर्तमान परिदृश्य में राजनीतिक पार्टी के नेता भी सत्ता लोलुपता से परे नहीं है, इस संदर्भ में कई बार राष्ट्रवाद को धर्म से जोड़कर भावनात्मक तरीके से इसे सत्ता प्राप्ति का अस्त्र तथा अवसर बनाकर उपयोग किया जाता रहा है। सत्ता सदैव परिवर्तनशील होती रहनी चाहिए, यह एक स्वस्थ लोकतंत्र की परंपरा को और मजबूत बनाती है। लगातार सत्ता किसी भी सत्ताधीश को निरंकुश बनाकर अधिनायकवाद के बीज को रोपित करती है देश में अवसरवादी राजनीतिक दलों की उपस्थिति जातिवादी समीकरण के अतिवादी दृष्टिकोण, अब परिपक्व लोकतांत्रिक संस्थाओं का परिचालन एवं आमजन की सीमित तर्क बुद्धि एवं और दूरदर्शिता के कारण कई बार जनता के दूरगामी लाभ के स्थान पर तात्कालिक लाभ की प्रक्रिया से अवसरवादी अभिमत तथा तुष्टीकरण की नीति से जनता के लाभ के अवसर को दूर ले जाते हैं। राजनीतिक पार्टियों की अवसरवादी तथा पद लोलुपता की अभिवृत्ति जनता को तुरंत लाभ देने की सर दूरदर्शन नीति लोकतंत्र को बहुत बड़े खतरे की ओर ले जाती है एवं इससे राष्ट्रीय विकास की क्षमता में बहुत ज्यादा स्खलन होने की संभावना होती है। जनता के हितों उनकी भावनाओं से खिलवाड़ कर शोषण करना अंततः राष्ट्रीय चरित्र तथा अनुशासन के स्थान पर आर्थिक तथा सामाजिक सुरक्षा चरित्र को जन्म देती है। अवतारवाद राजनीति का एक अंग हो सकता है किंतु सदैव आशीर्वाद तथा पद लोलुपता राजनीति को गर्त में ले जाने सदस्य है यह अलग मुद्दा है कि जन भावना बहुमत की भावना तथा सामाजिक प्रथाएं एवं तात्कालिक हित किसी भी लोकतंत्र के लिए आवश्यक अंग हो सकते हैं लोकतंत्र में विशेष परिस्थितियों में जनता का समर्थन प्राप्त करना एवं उनके हितों की रक्षा के लिए नए उपायों की अवधारणा उचित हो सकते और आवश्यक भी, किंतु राजनीति में पद लोलुपता अवसरवादी ता एवं जातिवाद को विखंडित करने की नियत किसी भी दृष्टि से लोकतंत्र के हित में नहीं दिखाई देती हैं। भारतीय परंपरा में भी शाम दाम दंड भेद सुशासन का प्रमुख उपकरण मान लिया गया है पर इसके दूरगामी परिणाम तुष्टीकरण के साथ-साथ अनुशासन की महत्ता को कमतर करने का कार्य करते हैं। यह सुनिश्चित है कि बिना विकसित लोकतांत्रिक उपकरणों के लोकप्रियता को मापना एक दुष्कर कार्य हो जाता है कई बार कम संख्या परंतु मजबूत संगठन वाले समूह के हित के लिए अनुचित साधन बनकर रह जाते हैं, और यही कारक बहुमत के शासन के लोकतांत्रिक आदर्श के विपरीत चले जाते हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों सिद्धांतों को अवसरवादी का पत्ता एवं दलबदल क्षति पहुंचाने के बहुत बड़े कारण हैं। अवसरवाद तथा सत्ता की चाहत लोकतांत्रिक मूल्यों के दूरगामी दुष्परिणामों का बड़ा संकेत हो चुका है।

आखिर क्यों जरूरी है सीएए कानून ?

मुनीष त्रिपाठी

मोदी सरकार ने बहुप्रतिक्षित नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसी के साथ देश में अब सीएए लागू हो गया है । हम यहाँ यह समझने की कोशिश करेंगे आखिर यह क्यों जरूरी है । साल 2020 में देशभर में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे । इन प्रदर्शनों में कई ऐसे लोग भी थे जिन्हें कानून की कम या गलत जानकारी थी। इसलिए आइए समझते हैं कि सीएए लागू होने से क्या बदलेगा । आगामी लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है । इसी के साथ देश में अब सीएए लागू हो गया है । सीएए के अमल में आ जाने के बाद अब बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है । साल 2020 में देशभर में सीएए के खिलाफ प्रदर्शन हुए थे, इसलिए आइए समझते हैं कि सीएए लागू होने से क्या बदलेगा ? तकनीकी तौर पर सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट यानी सीएए से सिटीजनशिप एक्ट ऑफ 1955 में संशोधन किया गया है ।

इससे होगा ये कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए उन लोगों को नागरिकता मिल जाएगी जो दिसम्बर 31,2014 से पहले किसी न किसी तरह की प्रताड़ना से तंग होकर भारत आए थे। इससे इन मुस्लिम देशों के अल्पसंख्यक समुदायों को फायदा होगा जिनमें हिन्दू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं। भाजपा पार्टी के एजेंडा में सीएए का काफी पहले से जिक्र होता आया है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में साल 2016 में इसे लोकसभा में पेश किया गया। यहां से पास होने के बाद इसे राज्यसभा में भेजा गया, लेकिन वहां इसे बहुमत से पास नहीं कराया जा सका। अटकने के बाद इसे संसदीय समिति के पास भेजा गया था। 2019 में जब लोकसभा चुनाव हुए तो दोबारा बहुमत जीतने के बाद मोदी सरकार बनी। सरकार बनते ही इसे दोबारा लोकसभा में पास किया गया। दो दिन बाद 9 दिसंबर,2019 को राज्यसभा में भी इस पर मुहर लग गई। दोनों सदनों में पास होने के बाद सीएए को 10 जनवरी,2020 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई । हालांकि, इसके लागू में होने में काफी देरी हो गई । इसकी प्रमुख वजह रही देशभर में होने वाले विरोध प्रदर्शन । सरकार ने अपने बयान में कहा है कि सीएए के जरिए मिलने वाली नागिरकता वन-टाइम बेसिस पर ही होगी ।

यानी कि 31 दिसम्बर,2014 के बाद गैर-कानूनी तरीके से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नागरिकता नहीं दी जाएगी। इस कानून के अमल में आने के बाद भारत के किसी भी नागरिक चाहें वो किसी भी धर्म का हो, की नागरिकता को कोई प्रभाव नहीं होगा । सीएए की आवश्यकता इसलिए थी क्योंकि हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन और ईसाई अल्पसंख्यक जो दशकों से भारत में आए और देश में बस गए, वे पूर्व-संशोधित नागरिकता कानून के तहत भारतीय नागरिकता हासिल नहीं कर सकते थे ।

इसके चलते वो भारतीय नागरिकता के कई लाभों से वंचित थे । संशोधन के बाद उन्हें अब अनिश्चित जीवन नहीं जीना पडेग़ा। भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के आने के कई कारण थे- उत्पीड़न, भेदभाव, शारीरिक असुरक्षा, जबरन धर्म परिवर्तन का खतरा, इत्यादि । आधिकारिक आंकड़े मुस्लिम बहुल पड़ोसी देशों से बड़े पैमाने पर अल्पसंख्यकों के पलायन की गवाही देते हैं।

1947 में पाकिस्तान में अल्पसंख्यक, ज्यादातर हिंदू और सिख, आबादी का लगभग 23% थे; आज वो लगभग 5% हैं। हिंदू लगभग 1.65% ही रह गए हैं। इसी तरह 1971 में जब बांग्लादेश बना, तब हिंदू आबादी का 19% थे. 2016 में वे केवल 8% ही थे। जबकि भारत में अल्पसंख्यकों की संख्या दोगुना हुई है. 1947 में भारत में मुसलमानों की संख्या 9.2 करोड़ थी. आज उनकी अनुमानित संख्या लगभग 20 करोड़ है जो लगभग 14% से अधिक है। बांग्लादेश के प्रसिद्ध लेखक सलाम आजाद ने अपनी पुस्तक. बांग्लादेश से आखिर क्यो भाग रहे है हिन्दू में बांग्लादेश देश के हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों और पलायन पर तथ्यात्मक विवेचन किया है। उन्होंने जो आंकड़े दिए है वे बांग्लादेश के हिंदुओं की हकीकत बयां करते है ।

उन्होंने लिखा कि बांग्लादेश के मुस्लिम कट्टरपंथी संगठनो के बेतहाशा अत्याचारों के चलते 475 हिन्दू, बौद्ध प्रतिदिन बांग्लादेश छोड़ने के लिये बाध्य होते है अर्थात एक साल में लगभग 1,73,000 हिन्दू, बौद्ध बांग्लादेश से पलायन कर जाते है ।आजाद ने अपने शोध से ये आंकड़े 1974 से 1991 के बीच अवधि के लिये जारी किये है । 1991 के बाद के वर्षो में भी बांग्लादेश के हिंदुओ , बौद्ध अनुयायियों के हालात ठीक नहीं हुए है। 6 दिसम्बर 1992 में अयोध्या में विवादित ढांचा गिर जाने के बाद बांग्ला देश में हिंदुओं के 28,000 घरों, 2200 व्यापारिक प्रतिष्ठानो और 3600 मंदिरों को ध्वस्त कर दिया गया था।

इन सबके बावजूद तत्कालीन खालिदा जिया सरकार ने हिंदुओं पर अत्याचार और पलायन को रोकने के लिये कोई कदम नहीं उठाए थे । ये भी सही है कि खालिदा जिया सरकार में शेख हसीना सरकार के मुकाबले अल्पसंख्यकों पर कुछ ज्यादा ही अत्याचार होते है। 2001 के बांग्लादेश के आम संसदीय चुनावों में भी हिंदुओं पर जमकर हमले हुए थे जिसके कारण हजारों हिन्दू अपनी जानमाल की रक्षा के लिए पश्चिम बंगाल के कई जिलों में शरण लेनी पड़ी थी। 2014 में भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर भयावह अत्याचार हुए थे । मौजूदा समय में बांग्लादेश की कुल आबादी में लगभग सवा करोड़ हिन्दू है, यदि हिंदुओं का पलायन इसी तरह न हुआ होता तो आज बांग्लादेश में लगभग सवा तीन करोड़ हिन्दू नागरिक होते। बांग्लादेश सरकार के 2014 के जनसांख्यकीय आंकड़ो के अनुसार 1941 में पूर्वी पाकिस्तान अब बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी लगभग 28 प्रतिशत थी, 1951 में यह घटकर 22 प्रतिशत हुई ।

1961 में 18.5 प्रतिशत, 1974 में 13.5 प्रतिशत, 1981 में 12.13 प्रतिशत,1991 में 11.6 प्रतिशत, 2001 में 9.6 प्रतिशत और 2011 में यह घटकर मात्र 8.2 प्रतिशत रह गई । आंकड़े बताते है कि बांग्लादेश की आबादी में हिंदुओं और बौद्ध लोगों की लगातार जनसंख्या घट रही है । लेखक सलाम आजाद लिखते है कि बांग्लादेश के हिंदुओं के लिये तीन ही रास्ते बचे है - या तो वे आत्महत्या कर ले या धर्मांतरण कर ले या फिर देश छोड़ कर पलायन कर जाएं ।

हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है धूम्रपान

योगेश कुमार गोयल

धूम्रपान के आदी मित्रों और परिजनों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष मार्च महीने के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 13 मार्च को मनाया जा रहा है। यह दिवस पहली बार 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है, जो इस साल 'तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा' विषय के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल यह गहन चिंतन का विषय है कि पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। ऐसे बच्चों के मनोमस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। चूंकि बच्चों का मन कोमल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझने की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है और बच्चों पर तो इसका प्रभाव बहुत घातक होता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण हर साल 70 लाख से भी ज्यादा मौतें हो रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरूष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरूष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरूषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। तीन दशक पूर्व प्रकाशित अपनी पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। धूम्रपान कितना खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सिगरेटों के खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए। अपनी पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' में मैंने विस्तार से यह बताया है कि सिगरेट के धुएं में पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि चार हजार से भी ज्यादा घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जो मानव शरीर को विभिन्न प्रकार से नुकसान पहुंचाते हैं। गर्भवती महिलाओं द्वारा धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रतिदिन बीस सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य के मुकाबले बीस फीसदी बढ़ जाती है ।

जबकि बीस से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा पैंतीस फीसदी तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका तीस फीसदी बढ़ जाती है। बहरहाल, धूम्रपान छोड़ने के फायदों के बारे में विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि धूम्रपान छोड़ने के सिर्फ बीस मिनट के अंदर उच्च रक्तचाप में गिरावट आती है तथा बारह घंटे के बाद रक्त में कार्बन मोनोक्साइड के विषैले कणों का स्तर सामान्य हो जाता है।

बदलते रंग वाले चेहरे

डॉ टी महादेव राव

आजकल लोगों के रंग ढंग ही निराले हैं। पता नहीं कब किसका कौन सा रंग देखने को मिल जाए? इन्हीं रंग बिरंगी बेढंगी बातों के बीच वासन्ती रंगों का पर्व होली आ धमका। रंग बिरंगे लोग और उनकी फितरत भी रंगीन। मैंने सोचा इस बार लोगों को चौंकाने, रंग लगाने चुपके से उनके घर पहुंचूं। लगे हाथ बता दूं जिनसे मिलने जा रहा हूं मेरे सहपाठी रह चुके हैं। सबसे पहले हमारे क्षेत्र के श्रृंगारी कवि भाई पंचरंग जी के घर जा पहुंचा। दरवाज़े हल्के से खुले हुए थे। मैं भड़ाम से दरवाजा खोल दिया। सामने देखा पंचरंग जी किसी युवती को दबोचे हुए थे, वह बड़े प्यार से हंसते खिलखिलाते हुए छुड़ाने की कोशिश कर रही थी। आहट सुनकर अपने लाल पीले चेहरे के साथ वह भाग गई अंदर और कवि पंचरंग सफेद पड़ते चेहरे के साथ मेरे सामने थे। बोले घंटी बजाते, मैं दरवाजा खोलता। गली में भागते सांड जैसे घुस आए। नाराजगी कम और राज खुलने का रोष अधिक था। मैं उनकी बातों को नजर अंदाज करते हुए शरारती लहजे में पूछा हो क्या रहा था कवि जी? तब तक इस प्रश्न का उत्तर वे सोच चुके थे। बोले होना क्या था? होली खेल रहे थे! मै ने गोली की तरह सवाल दागा लेकिन दोनों के हाथों में तो रंग कहीं नहीं था। वे मुस्कुराए और बोले हम आभासी होली खेल रहे थे। देखते नहीं महंगाई कितनी बढ़ गई है। मेरी नजर तिपाई पर रखे गुलालों से भरी थाली पर पड़ी। मैने कहा ₹इस आभासी होली का आभास अगर भाभी जी को हो गया तो इस महंगाई के युग में आपके खून से होली खेलने का प्रयास करेगी। खैर। होली की शुभकामनाएं। उन्होंने भी मुझे बधाई दी। हमने एक दूसरे को रंग लगाया, गले लगे और मिठाई खिलाई।

मैंने धीरे से कान में कहा दरवाजा बंद कर लिया करो। वरना लोग कहेंगे कामातुराणाम न भयम न लज्जा। हवाइयां उड़ते चेहरा लिए वे स्तब्ध खड़े रहे। बाहर निकला कि पड़ोस से आती श्रीमती पंचरंग यानी भाभी जी मिल गई। उन्हें होली की शुभकामनाए दी और कहा सिर्फ खूंटे से बांधने से नहीं चलेगा, बैल पर लगातार नजर रखनी चाहिए भाभी! वे भौचक सी मुझे देखते हुए घर में घुस गईं। फिर मैं हमारे मोहल्ले के सज्जन संत सदानंद के घर पहुंचा। बाहर कुर्सियों में लोग विराजमान हो गपिया रहे थे। सदानंद जी का कहीं पता न था। मैं जा रहा था कि एक बंदे ने टोका सीधा मुंह उठाए कहां चल दिए। संत जी पूजा में हैं, सबर करो, आजाएंगे। मैंने कहा जरूरी काम है पूजा जैसी ही। और अंदर चला गया। देखा दीवार की तरफ मुंह किए संत जी व्यस्त थे। मैंने देखा पानी सा पारदर्शी पदार्थ गिलास में डाले वे गटक रहे थे। रम पी रहे हैं संत जी। मेरी आवाज से चौंके, पलटे और जाकर दरवाजे की सिटकनी चढ़ा आए। भाई आप भी मदिरापान करते हैं संत जी। न! कभी जब होली आती है, तभी। मुझे भांग सूट नहीं करता न।

बुधवार और चतुर्थी व्रत का योग

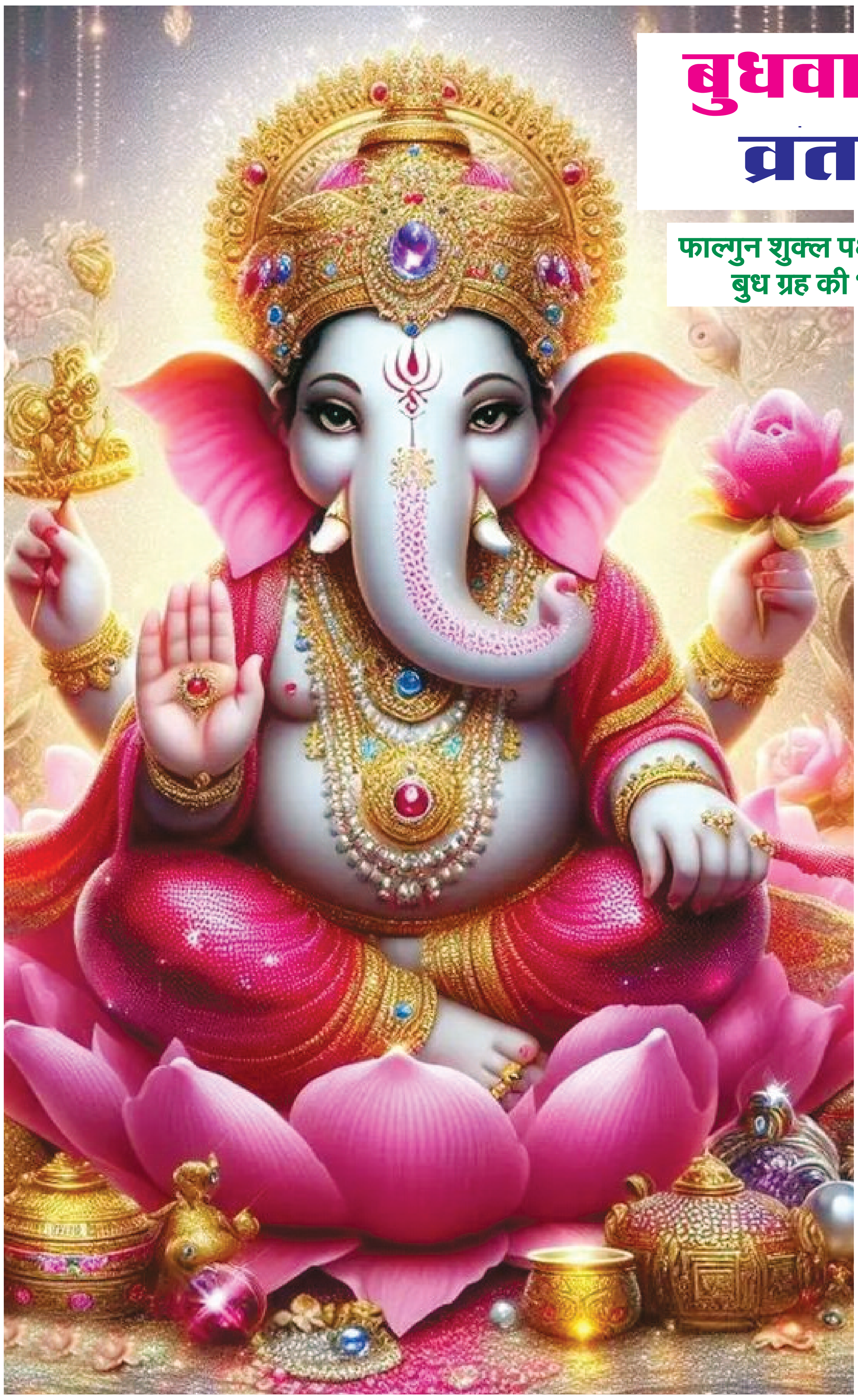

फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर गणेश जी के साथ ही बुध ग्रह की भी करें पूजा, हरे मूंग का करें दान

बुधवार, 13 मार्च को फाल्गुन शुक्ल पक्ष की चतुर्थी का व्रत किया जाएगा। ये व्रत गणेश जी की कृपा पाने के लिए करते हैं। माना जाता है कि जो लोग चतुर्थी व्रत करते हैं, उनके घर-परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। इसी मान्यता की वजह से खासतौर पर महिलाएं चतुर्थी व्रत करती हैं। जानिए बुधवार और चतुर्थी के योग में कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, चतुर्थी पर व्रत करने के साथ ही किसी गणेश मंदिर जाएं और भगवान गणेश को दूर्वा के साथ ही शमी के पत्ते भी जरूर चढ़ाएं। पूजा में शमी पत्ते, चावल, फूल, सिंदूर चढ़ाएं। शमी के पत्ते चढ़ाते समय इस मंत्र का जाप करें...

मंत्र- त्वत्प्रियाणि सुपुष्पाणि कोमलानि शुभानि वै।
शमी दलानि हेरम्ब गृहाण गणनायक।।

ये है दूर्वा से जुड़ी खास बातें

गणेश जी को दूर्वा का जोड़ा बनाकर गणेश जी को चढ़ाना चाहिए।

22 दूर्वा को एक साथ जोड़ने पर दूर्वा के 11 जोड़े तैयार हो जाते हैं। ये 11 जोड़े पूजा में चढ़ाएं।

पूजा के लिए किसी मंदिर के गार्डन में उगी हुई या किसी साफ जगह पर उगी हुई दूर्वा लेनी चाहिए। पूजा में इस्तेमाल करने से पहले दूर्वा को साफ पानी से इसे धो लेना चाहिए। दूर्वा चढ़ाते समय गणेश जी के 11 नाम मंत्रों का भी जप करना चाहिए।

ॐ गं गणपतेय नमः, ॐ गणाधिपाय नमः, ॐ उमापुत्राय नमः, ॐ विघ्ननाशनाय नमः, ॐ विनायकाय नमः, ॐ ईशपुत्राय नमः, ॐ सर्वसिद्धिप्रदाय नमः, ॐएकदन्ताय नमः, ॐ इभवक्त्राय नमः, ॐ मूषकवाहनाय नमः, ॐ कुमारगुरवे नमः

बुध ग्रह के लिए चतुर्थी पर करें ये शुभ काम

ज्योतिष में बुधवार का कारक ग्रह बुध को माना जाता है। जिन लोगों की कुंडली में बुध ग्रह से जुड़े दोष हैं, उन्हें बुद्धि से संबंधित कामों में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। बुध ग्रह के दोषों का असर कम करने के लिए हर बुधवार बुध ग्रह की विशेष पूजा करनी चाहिए।

बुध ग्रह को हरे मूंग चढ़ाएं। बुध के मंत्र ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः का जप कम से कम एक सौ आठ बार करें। पूजा के बाद जरूरतमंद लोगों को हरे मूंग का दान करना चाहिए।

14 मार्च से सूर्य मीन राशि में, शुरू होगा खरमास

13 अप्रैल तक मांगलिक कामों के लिए नहीं रहेंगे शुभ मुहूर्त

गुरुवार, 14 मार्च सूर्य का मीन राशि में प्रवेश होगा। इसके बाद ये ग्रह 13 अप्रैल की रात तक इसी राशि में रहेगा। सूर्य के मीन राशि में आने से खरमास शुरू हो जाएगा। खरमास में विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन, जनेऊ जैसे मांगलिक संस्कार के मुहूर्त नहीं रहते हैं।

सूर्य जब गुरु ग्रह की धनु या मीन राशि में रहता है तो उस समय को खरमास कहा जाता है। खरमास पूजा-पाठ के नजरिए से बहुत शुभ है, लेकिन इस महीने में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन, नए काम की शुरुआत जैसे मांगलिक कामों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं रहते हैं। इस महीने में पूजा-पाठ के साथ ही शास्त्रों का पाठ, सत्संग, मंत्र जप करने की परंपरा है।

मान्यता - भगवान सूर्य करेंगे गुरु बृहस्पति की सेवा

गुरु ग्रह यानी देवगुरु बृहस्पति धनु और मीन राशि के स्वामी हैं। सूर्य सभी 12 राशियों में भ्रमण करता है और एक राशि में करीब एक माह ठहरता है। इस तरह सूर्य एक साल में सभी 12 राशियों का एक चक्कर पूरा कर लेता है।

सूर्य जब धनु और मीन राशि में आता है, तब खरमास शुरू होता है। इसके बाद सूर्य जब तक इन दो राशियों में रहता है, तब तक खरमास रहता है। ज्योतिष की मान्यता है कि खरमास में भगवान सूर्य अपने गुरु बृहस्पति के घर में रहते हैं और उनकी सेवा करते हैं।

खरमास में क्यों नहीं रहते हैं शुभ मुहूर्त

किसी भी शुभ काम की शुरुआत में पंचदेवों का पूजन किया जाता है। इन पंचदेवों में गणेश जी, शिव जी, विष्णु जी, देवी दुर्गा और सूर्य देव शामिल हैं।

इन पांचों देवताओं की पूजा के बाद ही शुभ काम आगे बढ़ते हैं। खरमास में सूर्य देव अपने गुरु की सेवा में रहते हैं, इस कारण वे हमारे शुभ काम में उपस्थित नहीं हो पाते हैं। सूर्य की अनुपस्थिति में किए गए शुभ काम सफल नहीं होते हैं। इसी मान्यता की वजह से खरमास में विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन जैसे कामों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं।

खरमास में कर सकते हैं ये शुभ काम

इस महीने में अपने इष्टदेव के मंत्र का जप करें।
शिवलिंग, बाल गोपाल, महालक्ष्मी और विष्णु जी का अभिषेक करें।
रोज सुबह सूर्य अर्घ्य अर्पित करें।
किसी मंदिर में पूजन सामग्री दान करें।
गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें।
इस महीने में तीर्थ दर्शन और पवित्र नदियों में स्नान करने की भी परंपरा है।

अंतिम शिखर—मृत्यु—परमात्मा के चरण को छू पाएगा, अन्यथा नहीं

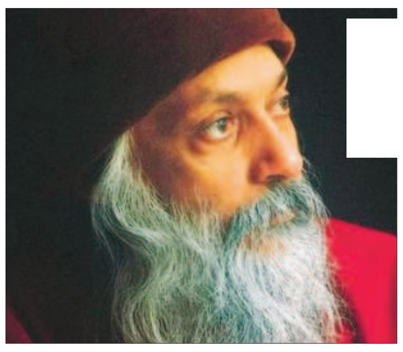

बीमार तो अपना चादर ओढ़ कर पड़े रहेंगे; कि सुगम ही है तो फिर जाना कहां? और कलियुग है, तो हरि-नाम जपते रहना और शाकाहार करते रहना, सब ठीक हो जाएगा। जिंदगी भर करो मांसाहार, जिंदगी भर कभी हरि-नाम न लेना, मरते वक्त हरि-नाम ले लेना! और यही साधु-संत तुम्हें कहानियां सुनाते हैं कि एक पापी मर रहा था और उसने अपने बेटे को पुकारा, लेकिन ऊपर का परमात्मा धोखे में पड़ गया। बेटे का नाम भगवान का नाम था—जैसा कि पुराने दिनों में सभी नाम भगवान के नाम होते थे। किसी का नाम ईश्वर, किसी का नाम भगवान, किसी का राम, किसी का कृष्ण, किसी का अब्दुल्ला, किसी का रहीम, किसी का कुछ, लेकिन ये सब नाम परमात्मा के हैं। ये उसी के गुण हैं। तो बुलाया तो अपने बेटे को, ऊपर के राम ने समझा कि मुझे बुला रहा है—और पापी तत्क्षण बैकुंठ चला गया! शायद उसी हिसाब से लोग सोचते हैंः मरते वक्त याद कर लेंगे। जब बड़े-बड़े पापी बैकुंठ चले गए हैं—सिर्फ अपने बेटे को बुला रहे थे और ऊपर का परमात्मा धोखे में आ गया कि मुझे बुला रहे हैं—तो हम तो ऊपर के ही परमात्मा को बुला रहे हैं, हमारा बैकुंठ तो निश्चित है।

काश, इतना आसान होता! जिंदगी जीनी होगी प्रेम में, जिंदगी जीनी होगी प्रेम के आधार पर, जिंदगी का पूरा मंदिर बनाना होगा प्रेम से, प्रेम की ईंटों से चुनना होगा जीवन का मंदिर, तभी इसका अंतिम शिखर—मृत्यु—परमात्मा के चरण को छू पाएगा, अन्यथा नहीं। मरते वक्त राम का नाम लेने से कुछ भी न होगा। राम का नाम लेने की जरूरत ही अगर मरते वक्त पड़े, तो समझना कि जिंदगी बेकार गई। क्योंकि जिसने जिंदगी प्रेम से जी है, वह राम का नाम नहीं लेगा मरते वक्त—राममय होगा, नाम क्या लेगा! राम ही राम होगा—बाहर, भीतर, सब ओर। राम के ही सागर में होगा। नाम किसका लेना है! नाम तो परायों का लिया जाता है, औरों का लिया जाता है।

विनोबा ने ऐसा तो नहीं लिखा कि हे जयप्रकाश, मरते वक्त जयप्रकाश-जयप्रकाश रटते रहना। लिखा हैः राम-हरि जपते रहना। तो राम-हरि यानी कुछ और, दूर, पराए। जो जानता है, वह क्या अपना ही नाम जपेगा? वही मैं हूं, वही तुम हो, वही सब में व्याप्त है, वही सर्वव्यापी है।लेकिन जानो तो सरल, बहुत सुगम; क्योंकि स्वभाव, स्वरूप, तुम्हारी निजता। लेकिन जब तक नहीं जाना, बहुत कठिन, अति कठिन। रहिमन मैन तुरंग चढ़ि, चलिबो पावक माहिं। **(क्रमशः)**

पूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए इस चीज का करना पड़ता है त्याग

एक राजा को पढ़ने-लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्रिपरिषद के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए रोज आने लगा। राजा को शिक्षा ग्रहण करते हुए कई महीने बीत गए, मगर उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ।

गुरु खूब मेहनत करते थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान था। गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था, क्योंकि वह एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिए। गुरु जी ने शांत स्वर में जवाब

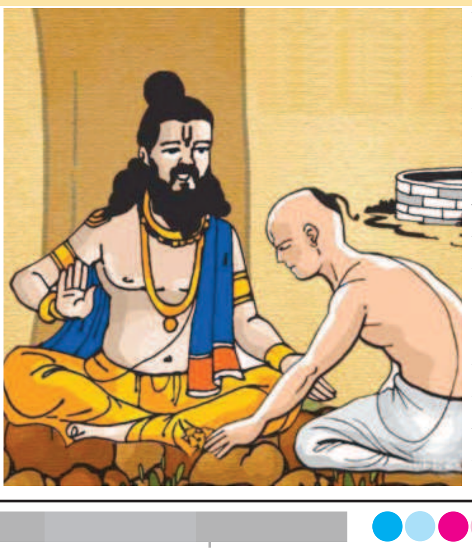

दिया, "राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कराण इसे समझ नहीं पा रहे हैं। आप मुझसे पद और प्रतिष्ठा में बहुत बड़े हैं परन्तु यहां पर आपका और मेरा रिश्ता एक गुरु-शिष्य का है।"

गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वयं ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बिठाते हैं। यही एक कारण है जिससे आपको ज्ञान नहीं मिल रहा है। कल से अगर आप मुझे ऊंचे आसन पर बिठाएं और स्वयं नीचे बैठें तो आप अवश्य शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे। राजा की समझ में बात आ गई। उसने तुरन्त अपनी गलती को स्वीकारा और गुरुवर से उच्च शिक्षा प्राप्त की।

तुम्हारा यह शरीर जन्म से ही दूसरों से द्रोह करने में तत्पर

तुमने अपने भुजबल से काल और यमराज को भी जीत लिया था। वही तुम आज अनाथ की तरह पड़े हो। तुम्हारी प्रभुता जगत भर में प्रसिद्ध है। तुम्हारे पुत्रों और कुटुम्बियों के बल का हाय! वर्णन ही नहीं हो सकता। श्री रामचंद्रजी के विमुख होने से तुम्हारी ऐसी दुर्दशा हुई कि आज कुल में कोई रोने वाला भी न रह गया। हे नाथ! विधाता की सारी सृष्टि तुम्हारे वश में थी। लोकपाल सदा भयभीत होकर तुमको मस्तक नवाते थे, किन्तु हाय! अब तुम्हारे सिर और भुजाओं को गीदड़ खा रहे हैं। राम विमुख के लिए ऐसा होना अनुचित भी नहीं है अर्थात उचित ही है। हे पति! काल के पूर्ण वश में होने से तुमने (किसी का) कहना नहीं माना और चराचर के नाथ परमात्मा को मनुष्य करके जाना। दैत्य रूपी वन को जलाने के लिए अग्निस्वरूप साक्षात श्री हरि को तुमने मनुष्य करके जाना। शिव और ब्रह्मा आदि देवता जिनको नमस्कार करते हैं, उन करुणामय भगवान को हे प्रियतम! तुमने नहीं भजा। तुम्हारा यह शरीर जन्म से ही दूसरों से द्रोह करने में तत्पर तथा पाप समूहमय रहा! इतने पर भी जिन निर्विकार ब्रह्म श्री रामजी ने तुमको अपना धाम दिया, उनको मैं नमस्कार करती हूं। अहह! नाथ! श्री रघुनाथजी के समान कृपा का समुद्र दूसरा कोई नहीं है, जिन भगवान ने तुमको वह गति दी, जो योगी समाज को भी दुर्लभ है। मंदोदरी के वचन कानों में सुनकर देवता, मुनि और सिद्ध सभी ने सुख माना। ब्रह्मा, महादेव, नारद और सनकादि तथा और भी जो परमार्थवादी (परमात्मा के तत्त्व को जानने और कहने वाले) श्रेष्ठ मुनि थे। वे सभी श्री रघुनाथजी को नेत्र भरकर निरखकर प्रेममग्न हो गए और अत्यंत सुखी हुए। अपने घर की सब स्त्रियों को रोती हुई देखकर विभीषणजी के मन में बड़ा भारी दुःख हुआ और वे उनके पास गए। उन्होंने भाई की दशा देखकर दुःख किया। तब प्रभु श्री रामजी ने छोटे भाई को आज्ञा दी कि जाकर विभीषण

को धैर्य बंधाओ। लक्ष्मणजी ने उन्हें बहुत प्रकार से समझाया। तब विभीषण प्रभु के पास लौट आए। प्रभु ने उनको कृपापूर्ण दृष्टि से देखा और कहा- सब शोक त्यागकर रावण की अंत्येष्टि क्रिया करो। प्रभु की आज्ञा मानकर और हृदय में देश और काल का विचार करके विभीषणजी ने विधिपूर्वक सब क्रिया की। मंदोदरी आदि सब स्त्रियां उसे रावण को तिलांजलि देकर मन में श्री रघुनाथजी के गुण समूहों का वर्णन करती हुई महल को गईं।

सब क्रिया-कर्म करने के बाद विभीषण ने आकर पुनः सिर नवाया।

तब कृपा के समुद्र श्री रामजी ने छोटे भाई लक्ष्मणजी को बुलाया। श्री रघुनाथजी ने कहा कि तुम, वानरराज सुग्रीव, अंगद, नल, नील जाम्बवान और मारुति सब नीतिनिपुण लोग मिलकर विभीषण के साथ जाओ और उन्हें राजतिलक कर दो। पिताजी के वचनों के कारण मैं नगर में नहीं आ सकता। पर अपने ही समान वानर और छोटे भाई को भेजता हूं। प्रभु के वचन सुनकर वानर तुरंत चले और उन्होंने जाकर राजतिलक की सारी व्यवस्था की। आदर के साथ विभीषण को सिंहासन पर बैठाकर राजतिलक किया और स्तुति की। सभी ने हाथ जोड़कर उनको सिर नवाए। तदनन्तर विभीषणजी सहित सब प्रभु के पास आए। तब श्री रघुवीर ने वानरों को बुला लिया और प्रिय वचन कहकर सबको सुखी किया। भगवान ने अमृत के समान यह वाणी कहकर सबको सुखी किया कि तुम्हारे ही बल से यह प्रबल शत्रु मारा गया और विभीषण ने राज्य पाया। इसके कारण तुम्हारा यश तीनों लोकों में नित्य नया बना रहेगा। जो लोग मेरे सहित तुम्हारी शुभ कीर्ति को परम प्रेम के साथ गाएंगे, वे बिना ही परिश्रम इस अपार संसार का पार पा जाएंगे। प्रभु के वचन कानों से सुनकर वानर समूह तृप्त नहीं होते। वे सब बार-बार सिर नवाते हैं और चरणकमलों को पकड़ते हैं। फिर प्रभु ने हनुमानजी को बुला लिया। भगवान ने कहा- तुम लंका जाओ। जानकी को सब समाचार सुनाओ और उसका कुशल समाचार लेकर तुम चले आओ। **(जारी)**

पार्टियों में जाने से कैंप में जगह मिलती है, मैं ये नहीं कर सकती : तापसी पन्नू

तापसी पन्नू हमेशा से ही इंडस्ट्री में चल रहे कैंप कल्चर, आउटसाइडर्स डिबेट और नेपोटिज्म पर अपने विचार खुलकर रखती आई हैं। हाल ही में तापसी ने जूम को दिए एक इंटरव्यू में बताया है कि उन्हें बड़ी फिल्मों में सिर्फ इसलिए जगह नहीं मिलती, क्योंकि वो किसी कैंप का हिस्सा नहीं हैं। उनका कहना है कि देर रात होने वाली पार्टीज में जाने से उन कैंप में जगह मिल सकती है, लेकिन वो ऐसी किसी पार्टी का हिस्सा बनना पसंद नहीं करती हैं। तापसी ने कहा है, यहां कई बॉलीवुड कैंप हैं। नेपोटिज्म, जिस पर हम बात करते हैं, वहीं प्रॉब्लम है कि लोगों को आसानी से उन कैंप्स में जगह नहीं मिलती। अगर कोई बड़ी बजट फिल्म बन रही है, तो मुझे यकीन है कि कोई मेरी बेइज्जती कर ये नहीं कहेगा कि मैं उस रोल के लिए फिट नहीं हूं, लेकिन हां मुझे उस फिल्म में हिस्सा नहीं दिया जाएगा, क्योंकि मेरे नाम को वहां तक पहुंचने नहीं दिया जाएगा और कैंप के लोगों के नाम का सुझाव दिया जाएगा।

10 बजे के बाद होने वाली पार्टीज में शामिल हुए तो मिलेगा काम- तापसी

आगे उन्होंने कहा, कड़वी सच्चाई यही है कि बड़ी फिल्में एक्सेस मिलने से ही मिलती हैं और मेरे पास उस जगह तक पहुंचने का एक्सेस नहीं है। फिल्मी पार्टीज ही एकमात्र जरिया है, जिससे उन कैंप का हिस्सा बना जा सकता है। आप उन लोगों के साथ सोशल होते हैं, फिर उनसे दोस्ती होती है और फिर वो आपको काम देते हैं। ये ठीक है, लेकिन ऐसा करने के लिए आपको 10 बजे के बाद होने वाली पार्टीज में जाना होता है, लेकिन मेरे लिए ये बहुत थका देने वाली प्रोसेस है। मैं ऐसा नहीं कर सकती। मैं ये करने की बजाए, ज्यादा मेहनत और अच्छा काम करके फिल्में हासिल करती हूं।

3 फिल्मों में नजर आएंगी तापसी पन्नू

बताते चलें कि थप्पड़, पिंक, हसीना दिलरुबा जैसी बेहतरीन फिल्मों के बाद अब जल्द ही तापसी, 3 फिल्मों में नजर आने वाली हैं। उनकी पहली फिल्म हसीना दिलरुबा की सीक्वल फिल्म फिर आई हसीना दिलरुबा है। इसके बाद वो प्रतीक गांधी के साथ वो लड़की है कहां और खेल-खेल में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार और वाणी कपूर अहम किरदारों में हैं।

डेट कर रहे हैं इब्राहिम-पलक! मुंबई में डेट नाइट के दौरान स्पॉट हुए

रूमर्ड कपल इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी शनिवार को डेट नाइट के दौरान स्पॉट हुए। दोनों के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हैं। बीती रात इब्राहिम और पलक साथ में मुंबई के लायला, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स पहुंचे। दोनों एक ही कार से यहां पहुंचे। पहले पलक कार से उतरकर अंदर चली गईं और फिर इब्राहिम ने उनको फॉलो किया। हालांकि, बाद में जब दोनों वापस लौटे तो उनके साथ उनके कई दोस्त भी साथ नजर आए। यह पहली बार नहीं है जब इब्राहिम और पलक साथ नजर आए हैं। दोनों इससे पहले भी कई बार साथ नजर आ चुके हैं। दोनों ने साथ में न्यू ईयर पार्टी भी सेलिब्रेट की थी। इस दौरान जब पैपराजी ने उन्हें कैप्चर करने की कोशिश की थी तो इब्राहिम ने अपना फेस छुपा लिया था। पलक और इब्राहिम के डेटिंग की चर्चा दिसंबर 2022 में शुरू हुई थी जब दोनों मुंबई में पहली

बार साथ नजर आए थे। कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जाता है कि दोनों काफी वक्त से रिलेशनशिप में हैं। जहां इब्राहिम, बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान और उनकी एक्स वाइफ अमृता सिंह के बेटे हैं। वहीं पलक, फेमस टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी हैं।

'सरजमीं' से बॉलीवुड डेब्यू करेंगे इब्राहिम

वर्कफ्रंट की बात करें तो इब्राहिम, करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो इब्राहिम, करण जौहर के ही बैनर तले बन रही अपकमिंग फिल्म 'सरजमीं' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन उनके साथ नजर आएंगे। वहीं पलक, सलमान खान स्टारर 'किसी का भाई किसी की जान' समेत कुछ फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

मिस वर्ल्ड का खिताब ना जीत पाने पर सिनी शेट्टी की आंखों से छलके आंसू

मां के गले लग इमोशनल हुईं, वीडियो हुआ वायरल

मिस वर्ल्ड-2023 का खिताब चेक रिपब्लिक की क्रिस्टीना पिजकोवा ने जीत लिया है। वहीं, मिस लेबनान यास्मीनाजेतून फर्स्ट रनर अप रहीं। भारत की सिनी शेट्टी टॉप-8 तक पहुंची थीं। ऐसे में खिताब ना जीत पाने पर सिनी को अपनी मां के गले लग इमोशनल होते देखा गया। उनकी आंखों से छलकते आंसू साफ बयां कर रहे हैं कि उन्हें हार का कितना गम है। ऐसे मुश्किल समय में सिनी की हिम्मत बांधने के लिए उनके परिवार ने उन्हें बखूबी संभाला। सोशल मीडिया पर सिनी का ये वीडियो तेजी से वायरल होता नजर आ रहा है।

वीडियो में वे रोते हुए अपनी मां और करीबियों के गले लगती दिखती हैं। सिनी को चेहरे पर मुस्कान लिए, अपने आंसू पोंछते हुए स्पॉट किया गया। इसके अलावा उनके परिवार के कुछ सदस्य भी उनके आंसू पोंछते हुए नजर आते हैं।सिनी शेट्टी के इस इमोशनल वीडियो पर यूजर्स भी अपने रिएक्शन दे रहे हैं। जहां एक यूजर ने लिखा- सिनी ने टॉप 8 में अपनी जगह बनाई। भारत को उनपर बहुत गर्व है। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा- मिस वर्ल्ड तक पहुंचना भी किसी अचीवमेंट से कम नहीं है। एक और यूजर ने सिनी के डांस की भी तारीफ की। भारत की सिनी शेट्टी ने टॉप 8 तक जगह बनाई थी। टॉप-8 के राउंड के बाद Q&A सेशन हुआ था। ज्यूरी ने सिनी से पूछा- सोशल मीडिया के जरिए महिला सशक्तिकरण पर काम कैसे किया जा सकता है?

जवाब में सिनी ने कहा- आज हमारी लाइफ में सोशल मीडिया का बहुत बड़ा रोल हो गया है। सोशल मीडिया के पास बहुत बड़ा पावर है, इस पर बातचीत और अवेयरनेस के जरिए समाज में बदलाव ला सकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि आज के युवा इस माध्यम के जरिए दुनिया में बदलाव ला सकते हैं। इसके जरिए महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। मिस वर्ल्ड प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर मैं विश्वास दिलाती हूं कि सोशल मीडिया के बेहतर प्रयोग से हम समाज में बदलाव ला सकते हैं।

नेपोटिज्म पर बोले अरबाज खान : कनेक्शन से ब्रेक मिल सकता है, लेकिन यह सफलता की गारंटी नहीं

अरबाज खान ने एक इंटरव्यू में नेपोटिज्म पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि अगर आपके पिता किसी प्रोफेशन में हैं, तो इससे आपके लिए कुछ दरवाजे खुल जाते हैं। लेकिन इससे आपको सफलता नहीं मिलती है। अरबाज ने कहा- बॉलीवुड कनेक्शन वाले परिवारों से आने वाले लोगों को भी स्ट्रगल करना पड़ता है। अगर आपके पिता एक डॉक्टर या वकील हैं, तो बाकी लोगों की तुलना में उस फिल्ड में आपकी पहुंच ज्यादा होगी। इसी तरह, अगर आपके पिता इंडस्ट्री का हिस्सा हैं तो किसी से मिलना जरूर आसान हो जाता है। क्योंकि हमारे पिता बॉलीवुड में राइटर रहे हैं। लेकिन इससे आपको काम मिलने की गारंटी नहीं होती है।

टाइमआउट विद अंकित के साथ इंटरव्यू के दौरान अरबाज ने कहा कि कोई भी बॉलीवुड कनेक्शन आपको सक्सेस बनाने की गारंटी नहीं दे सकता है। हां, इससे आपको ब्रेक जरूर मिल सकता है। लेकिन 25 साल के करियर की सफलता की गारंटी नहीं दे सकता।

उन्होंने कहा- मैं और मेरा भाई सोहेल खान बॉलीवुड के सुपरस्टार्स या हमारे भाई सलमान की तरह सक्सेस नहीं हैं। लेकिन हम आज भी यहां हैं, और काम कर रहे हैं। यहां कोई भी किसी पर फेवर नहीं करता है। अरबाज खान कहते हैं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हैं या बॉलीवुड के किसी बड़े आदमी के साथ आपका क्या रिश्ता है, अगर दर्शक आपको देखना नहीं चाहते हैं तो आपको कोई भी काम नहीं देगा।

अरबाज ने कहा कि ये कहना गलत होगा कि कोई एक्टर सक्सेस है, तो उसके कनेक्शन या नेपोटिज्म की वजह से है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अरबाज ने कहा कि एक सुपरस्टार भी बुरे वक्त से गुजरता है। कई बार उनकी 10 फिल्में फ्लॉप हो जाती हैं और उन्हें समझ नहीं आता कि क्या करें। अरबाज ने उन मशहूर हस्तियों के बारे में बात की, जिन्हें अपने माता-पिता के फिल्म इंडस्ट्री में स्टार होने के बावजूद सफलता या स्टारडम नहीं मिला। जब उनसे पूछा गया कि खान परिवार की अगली पीढ़ी- अरहान और निर्वाण खान को अपने करियर के साथ क्या करना चाहिए और क्या वे अपने पिता और चाचा के नक्शेकदम पर चलेंगे, तो अरबाज ने कहा- वे दोनों अभी खुद को तैयार कर रहे हैं। अरहान अरबाज और पहली पत्नी मलाइका अरोड़ा के बेटे हैं, जबकि निर्वाण सोहेल और पत्नी सीमा सजदेह के बेटे हैं।

अंकिता लोखंडे ने 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' के लिए रणदीप हुड्डा की प्रशंसा की

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' से अंकिता लोखंडे ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं। अंकिता 'बिग बॉस 17' की विजेता तो नहीं बन पाईं, लेकिन अब उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। इन ऑफर्स में टेलीविजन प्रोजेक्ट्स के अलावा फिल्में भी शामिल हैं। अंकिता रणदीप हुड्डा की फिल्म 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' में नजर आने वाली हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि रणदीप नहीं चाहते थे कि अंकिता इस फिल्म का हिस्सा बने। आइए जानते हैं क्यों।

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने हाल ही में खुलासा किया कि उनके सह-कलाकार रणदीप हुड्डा शुरू में नहीं चाहते थे कि वह उनकी आगामी फिल्म 'स्वातंत्र्यवीर सावरकर' का हिस्सा बनें क्योंकि उन्हें लगता था कि वह पत्नी यमुनाबाई सावरकर की भूमिका निभाने के लिए बहुत यंग हैं। फिल्म में विनायक दामोदर सावरकर बायोपिक में रणदीप भारतीय राजनेता, कार्यकर्ता और लेखक विनायक दामोदर सावरकर की भूमिका में नजर आएंगे।

हाल ही में, एक इंटरव्यू में अंकिता लोखंडे ने रणदीप हुड्डा की प्रशंसा की है। इसके साथ ही अभिनेत्री ने कहा, रणदीप हुड्डा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि मैं आपको फिल्म में चाहता हूं, जिस पर अभिनेत्री ने जवाब दिया, क्यों?। इस पर उन्होंने ऐसा कहा, 'आप इस किरदार यमुनाबाई सावरकर के लिए बहुत सुंदर हैं।'

अंकिता ने आगे कहा, प्लीज ऐसा मत कहो।'' अंकिता ने खुलासा करते हुए बताया, ''रणदीप ने बहुत शोध किया था, वह इस बारे में इतना निश्चित थे कि वह फिल्म में क्या चाहते हैं। वह यमुनाबाई के बारे में सब कुछ जानते थे। वह एक सफल पुरुष वीर सावरकर के पीछे की सफल महिला थीं।" बता दें कि सलमान खान के बिग बॉस 17 के बाद यह अंकिता लोखंडे का पहला प्रोजेक्ट है। बता दें कि सलमान खान के रिएलिटी शो में अभिनेत्री पति विक्की जैन के साथ नजर आई थीं। इस शो में उन्होंने टॉप 4 में अपनी जगह बनाई थी। बिग बॉस 17 में उनकी जर्नी को काफी सराहा गया था।

रवीना टंडन की फिल्म 'पटना शुक्ला' वकील बनकर दिलाएंगी न्याय

रवीना टंडन स्टारर फिल्म 'पटना शुक्ला' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर रिलीज होगी। फिल्म में रवीना पहली बार वकील की भूमिका में नजर आएंगी। 'पटना शुक्ला' का ट्रेलर सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। सलमान ने ट्रेलर शेयर करते हुए लिखा- रवीना का पटना शुक्ला के रुप में स्वागत करिए।

ट्रेलर में रवीना वकील की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में उनका नाम तनवी है। वो घर में आए मेहमानों को पकौड़े तलकर खिलाती हैं, तभी मेहमानों को ये पता चलता है कि वो वकील भी हैं। लेकिन वकालत में खुद को अभी तक साबित नहीं कर पाईं हैं। अब तनवी को नया केस मिला है। उनके पास एक लड़की अपना केस लेकर आती हैं और कहती है कि वो एग्जाम में फेल हो गई है और अपनी एग्जॉम कॉपी रिचेक करवाना चाहती है। वो कहती है कि वो बीएससी थर्ड ईयर की स्टूडेंट है। एग्जाम तो बहुत अच्छा हुआ लेकिन रिलर्ट फेल आया। रवीना इस लड़की का केस लेती है। इस फिल्म में वो अन्याय से दबी आवाज को न्याय दिलाने का काम करेंगी। तनवी रोल नंबर स्कैम केस लड़ती नजर आएंगी। ये कहानी एक आम महिला की है, जो अपनी आसाधरण लड़ाई बड़े ही धैर्य के साथ लड़ती है। रवीना दमदार डायलॉग बोलती हुई नजर आ रही हैं। ये डायलॉग है - दुनिया के अंधेरे में सूरज मैं अपना हूं, मैं पटना हूं। इस फिल्म में दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक भी नजर आएंगे। इस फिल्म में अनुष्का कौशिक, जतिन गोस्वामी, चंदन रॉय सान्याल और मानव विज बतौर एक्टर्स नजर आएंगे। फिल्म 29 मार्च को हॉटस्टार पर रिलीज होगी। रवीना को आखिरी बार वेब सीरीज 'कर्मा कॉलिंग' में देखा गया था और उनकी पाइपलाइन में बिनॉय गांधी की घुड़चढ़ी और मल्टी-स्टारर फिल्म 'वेलकम टु द जंगल' जैसे प्रोजेक्ट भी हैं।

शाहरुख खान को मिला बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड : 'जवान' ने जीता बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड, बेस्ट एक्ट्रेस रहीं कियारा आडवाणी

बेस्ट एक्ट्रेस - कियारा आडवाणी

बीती रात मुंबई में एक अवॉर्ड शो का आयोजन हुआ। यहां बॉलीवुड के कई सितारों को स्पॉट किया गया। शाहरुख खान ब्लैक फॉर्मल में आते दिखाई दिए। उन्होंने 24 साल बाद एक बार फिर जी सिने अवॉर्ड में परफॉर्म किया। शाहरुख खान ने स्टेज पर 'मोहब्बतें' की याद दिलाई। एक्टर ने 'झूमे तो पठान', 'चलेया' जैसे गानों पर भी परफॉर्म किया। वेटरन एक्टर्स जितेंद्र और शक्ति कपूर भी इस शो में आए। शक्ति कपूर अपना फेवरेट डांस स्टेप करते दिखे।

सनी देओल अपने दोनों बेटों के साथ आए। बॉबी देओल ने सॉन्ग 'दुनिया हसीनों का मेला' में कदम थिरकाए। कियारा आडवाणी, अनन्या पांडे, विद्या बालन, रानी मुखर्जी, सई मांजरेकर, मौनी रॉय सहित अन्य सेलेब्स भी नजर आए। रणदीप हुड्डा, शाहिद कपूर, अनिल कपूर, कृति सेनन, फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा भी दिखे। खुराना ब्रदर्स यानी कि आयुष्मान खुराना

बेस्ट डैब्यू एक्ट्रेस- अलीजेह अग्निहोत्री

और अपारशक्ति खुराना ने जी सिने अवॉर्ड शो को होस्ट किया।

जी सिने अवॉर्ड 2024 विनर

बेस्ट फिल्म - जवान
बेस्ट एक्टर - शाहरुख खान
बेस्ट एक्ट्रेस - कियारा आडवाणी
बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर- 'एनिमल' के लिए अनिल कपूर
बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस- डिंपल कपाड़िया, 'पठान' के लिए
बेस्ट डेब्यू एक्टर- 'दोनों' के लिए राजवीर देओल
बेस्ट डैब्यू एक्ट्रेस- अलीजेह अग्निहोत्री (फर्रे) और मेधा शंकर (12वीं फेल)
बेस्ट विलेन - 'एनिमल' से बॉबी देओल
बेस्ट कॉमिक रोल- 'ड्रीम गर्ल' के लिए आयुष्मान खुराना
परफॉर्मर ऑफ द ईयर- 'खो गए हम कहां' के लिए अनन्या पांडे

बेस्ट फिल्म - जवान
बेस्ट एक्टर - शाहरुख खान

अपनी पीठ को ऐसे बनाएं आकर्षक

बैकलैस व डीप नैक के फैशन के दौर में सबसे जरूरी है आपकी पीठ का साफ व सैक्सी होना। अगर आपकी पीठ की त्वचा साफ है तो बेशक आपकी रंगत सांवली ही क्यों न हो, आप बैकलैस में आकर्षक नजर आएंगी।

हम अक्सर अपने चेहरे के निखार के लिए तो प्रयासरत रहते हैं और नित नए सौंदर्य प्रसाधनों का भी प्रयोग चेहरे पर करते हैं, पर पीठ को प्रायः अनदेखा ही करते हैं। चेहरे की तरह शरीर की सम्पूर्ण त्वचा को देखभाल की आवश्यकता होती है। आइए जानें कैसे आप अपनी पीठ की देखभाल कर उसे आकर्षक बना सकती हैं-

* पीठ की सही तरह से क्लींजिंग करें। अगर आपके हाथ पीठ पर सही तरह से नहीं पहुंचते तो बाथब्रश का इस्तेमाल करें। सप्ताह में दो तीन बार माइश्चराजर भी लगाएं ताकि वहां की त्वचा की नमी बनी रहे। हर 15 दिन पश्चात ब्यूटी पार्लर जाकर पीठ की मसाज कराएं। घर पर भी आप किसी की सहायता ले मसाज कर सकती हैं।

* अगर आप धूप में बाहर जा रही हैं और लोअर नैक पहना हुआ है तो बाहर जाने के कम से कम 20-25 मिनट पूर्व कोई सन ब्लॉक लगाएं। अगर आपको सन एलर्जी है तो टाइटेनियम डाईआक्साइड युक्त सन ब्लैक का इस्तेमाल करें।

* पीठ की मृत त्वचा को हटाने के लिए सप्ताह में एक बार पीठ की त्वचा पर स्क्रब का प्रयोग करें जिससे मृत सैल हटें व त्वचा सांस ले सके।

* अगर आपकी पीठ की त्वचा पर बाल हैं तो आप ब्लीच या वैक्स करें। इसके लिए आप लेजर हेयर रिमूवर भी करा सकती हैं, पर यह थोड़ी महंगी तकनीक है।

* स्लिम व छरहरी दिखना अच्छी बात है, पर अगर आप इसके लिए वसा रहित भोजन ले रही हैं तो इसका प्रभाव आपकी त्वचा पर साफ नजर आएगा। आपकी त्वचा रूखी व चमकहीन नजर आएगी, इसलिए आवश्यक मात्रा में वसा का सेवन अवश्य करें।

* अगर आपकी त्वचा एक्ने की शिकार है तो सोडियम युक्त भारी भोजन का सेवन न करें। अधिक तैलीय खाद्य पदार्थ भी न खाएं। प्रोफैशनल ट्रीटमैंट की सहायता से आप एक्ने से छुटकारा पा सकती हैं।

गुस्सा और इगो से रिश्ते में खत्म हो रहा है प्यार, तो अपनाएं ये टिप्स

रिश्ते में गुस्सा और अहंकार आ जाता है तो संबंध बिगड़ने लगते हैं। अहंकार के कारण रिश्ते में बार-बार तकरार होने लगती है और गुस्सा व ईगो उनके बीच की लड़ाई को कम नहीं होने देता है। ऐसे में रिश्ते में दूरी आना स्वाभाविक है। लोग अपने पार्टनर से प्यार तो करते हैं लेकिन अगर ईगो और गुस्से के कारण लड़ाई अक्सर होने लगे तो प्यार भी कम होने लगता है। आए दिन के झगड़े उन्हें एक दूसरे से दूर करने लगते हैं और रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाता है। आइए जानते हैं अगर रिश्ते में अहंकार और ईगो आ जाए तो कैसे प्यार को बरकरार रखा जाए और रिश्ते को सुधारा जाए।

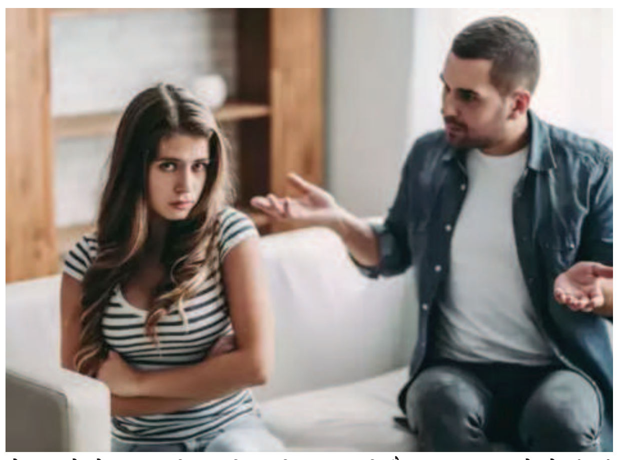

बातों को दिल से न लगाएं

अगर रिश्ते में प्यार और अहसास को बनाए रखना चाहते हैं तो पार्टनर की गुस्से या ईगो में कही गई बात को दिल से न लगाएं। छोटी-छोटी बातों को दिल से लगाने से नाराजगी बढ़ती जाती है और रिश्ते में कड़वाहट आने लगती है। गुस्सा और ईगो में कही गई बातों को इग्नोर करें।

ईर्ष्या महसूस करने से बचें

जब पार्टनर दोस्तों के साथ बाहर जाए तो गलत तरह के विचार न आने दें। ईर्ष्या या जलन की भावना से रिश्ता आसानी से बर्बाद हो सकता है। अहंकार की एक बड़ी वजह जलन भी हो सकती है। इसलिए रिश्ते में ईर्ष्या और जलन को न आने दें।

बातचीत करें

कपल के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो जाए तो बातचीत बंद न करें। जब दो लोगों के बीच संवाद नहीं होता तो उनके बीच दूरी बढ़ने लगती है। ज्यादातर कपल गुस्से और ईगो में अपने साथी से बातचीत करना बंद करते हैं। यह उनके बीच दूरियों की सबसे बड़ी वजह बन जाती है। संवाद के जरिए परेशानियों को दूर करें।

खुद पर ध्यान दें

जिससे आप प्यार करते हैं, उसपर बहुत अधिक ध्यान देते हैं। ऐसे में आपकी अपेक्षाएं भी बढ़ जाती हैं। आप उम्मीद करते हैं कि जितना आप उनके लिए करते हैं, वह भी उतना ही वक्त आपको दें और आपके साथ रहें। लेकिन जब वह आपकी उम्मीदों पर खरा नहीं उतरते तो नाराजगी आ जाती है। इस पर गुस्सा और ईगो बात और बिगाड़ देता है। बेहतर होगा कि खुद से प्यार करना और खुद पर ध्यान देना भी सीखें। जब आप खुद पर ध्यान देंगे तो पार्टनर का ध्यान भी आप पर जाएगा। यहां खुद पर ध्यान देना का एक अर्थ यह भी है कि पार्टनर के गुस्से और ईगो पर नाराजगी जताना एक बात है लेकिन खुद आप गुस्से और ईगो में रिश्ते खराब तो नहीं कर रहे, इस पर भी ध्यान दें।

हाथ रहेंगे 'मुलायम और खूबसूरत'

क्रब त्वचा की डैड स्किन को हटा कर त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करते हैं। यहां बता रहे हैं कि हाथों के लिए आप घर पर बने स्क्रब का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

अधिकतर लोग चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन अक्सर हाथों की देखभाल को नजरअंदाज कर देते हैं। हाथों पर जमी गंदगी हमारी खूबसूरती को कम कर देती है।

ऐसे में त्वचा को एक्सफोलिएट करने के लिए आप होममेड स्क्रब का इस्तेमाल करें, जो डैड स्किन सैल्स को हटाने तथा त्वचा की गंदगी को दूर करने में मदद करेगा। इससे आपकी त्वचा मुलायम और कोमल बनी रहेगी।

कॉफी और कच्चा दूध

एक कटोरी में 1 से 2 चम्मच कॉफी पाऊडर लें। इसमें थोड़ा-सा दूध मिलाएं। इन दोनों को मिलाकर अच्छे से हाथों को स्क्रब करें। इसके बाद इसे 10 से 12 मिनट के लिए हाथों पर लगा रहने दें। ये आपकी हाथों की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करेगा।

चीनी और एलोवेरा

एक कटोरी में 1 से 2 चम्मच चीनी लें। इसमें एलोवेरा जैल डालें। इन दोनों को अच्छे से मिलाकर हाथों पर लगाएं। इससे गोल- गोल करके मसाज करें। इसे 5 से 10 मिनट के लिए लगा रहने दें। यह स्क्रब डैड स्किन को अच्छे से हटा देगा।

ओट्स और दही

एक कटोरी में 2 से 3 चम्मच पिसे हुए ओट्स लें। ओट्स में 1 बड़ा चम्मच दही डालें और अच्छे से मिला लें। इस स्क्रब से हाथों की कुछ देर तक मसाज करें। इसके बाद इसे 15 से 20 मिनट के लिए ऐसे ही लगा रहने दें। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें।

शहद और चीनी

एक कटोरी में चीनी और शहद लें। इसमें नींबू का रस डाल कर इन सारी चीजों को एक साथ मिला लें। अब इससे हाथों की मसाज करें। इसे कुछ देर के लिए लगा रहने दें। इसके बाद त्वचा को सादे पानी से धो लें। यह त्वचा को मुलायम बनाने में मदद करेगा।

ओट्स और दूध

एक बड़ी कटोरी में 1 चम्मच ओट्स लें। इसमें दूध और शहद डाल कर इन सारी चीजों को अच्छे से मिला लें। इससे त्वचा की कुछ देर तक मसाज करें। ये स्क्रब डैड सैल्स को हटाने का काम करेगा। यह आपकी त्वचा को ग्लोइंग और मुलायम बनाने में मदद करेगा।

नोट : आप हफ्ते में 1 से 2 बार इन स्क्रब्स का इस्तेमाल कर सकती हैं।

मेकअप के भारी खर्चों से बचाएंगे ये 'सिम्पल टिप्स'

मेकअप आजकल का ट्रेंड बन गया है। बाजार में कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं, जो मेकअप करने के काम आते हैं। चाहे कोई पार्टी हो या शादी, हर कोई बैस्ट और स्टाइलिश लुक के साथ दिखना चाहता है। इसके लिए आप पार्लर का रुख करती हैं, जहां बेहिसाब खर्च भी कर देती हैं।

बहरहाल, अगर आप भी पार्लर के चक्कर लगाकर थक चुकी हैं, तो हम आपको सिंपल मेकअप टिप्स के बारे में बताएंगे, जिनकी मदद से आप किसी भी इवेंट के लिए खुद को बहुत आसानी से तैयार कर सकती हैं।

कोहल आई मेकअप लुक

आपने इंटरनैट पर तो अनेक मेकअप लुक्स देखे होंगे, लेकिन कोहल आई मेकअप लुक बेहद क्लासिक नजर आता है। इस बात का ध्यान रखें कि ऐसे मेकअप के लिए सबसे पहले ब्राऊन आईशैडो को लिड एरिया में अच्छी तरह लगा कर ब्लैंड करना होगा।अब आपको ब्लैक कलर की काजल पैंसिल से वाटर लाइन और आईलाइनर के स्थान पर इसका इस्तेमाल करना होगा।

ग्लॉसी मेकअप

ग्लॉसी मेकअप आपके चेहरे को फ्रैश लुक देने में मददगार साबित होता है। खासकर फंक्शन में इस तरह के मेकअप लुक का चुनाव किया जाता है। ग्लॉसी मेकअप लुक के लिए पीच कलर का इस्तेमाल करना होगा। लुक को फ्रैश बनाने के लिए आप ग्लॉस का इस्तेमाल करें। इस तरह का मेकअप फ्लोरल ऑऊटफिट के साथ बेहतर लगेगा।

खास तरह का मेकअप

'हलका' मेकअप खास है क्योंकि यह रात और दिन दोनों समय के लिए बैस्ट रहता है। इसे आप हर तरह के ट्रैडिशनल ऑऊटफिट के साथ ट्राई कर सकती हैं। 'हलके 'मेकअप के लिए सबसे पहले आंखों के लिड एरिया में त्वचा की रंगत से मिलता-जुलता कलर लगाएं। फिर ब्लैंड करते हुए पिंक कलर जैसी लुक पैदा करें। अब आप शैम्पेन गोल्ड कलर को इनर कॉर्नर से लेकर हाफ लिड एरिया तक लगाएं। इसके बाद ब्रश की मदद से इसे अच्छी तरह फैला लें। आप अपनी स्किन के हिसाब से वार्म पिंक कलर को अपने लिप्स के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।

कुछ अन्य टिप्स

* मेकअप करने से पहले चेहरे को हल्के फेसवॉश या गुनगने पानी से धो लें।* मेकअप करने से पहले ऑयल फ्री मॉइश्चराइजर से चेहरे की मसाज करें।

* पहले माथे, नाक, ठुड्डी और गालों पर फाऊंडेशन के डॉट्स लगाकर उंगलियों से धीरे- धीरे थपथपाते हुए फाऊंडेशन को ब्लैंड करें। आप चाहें तो गीले स्पन्ज से भी फाऊंडेशन को अच्छी तरह ब्लैंड कर सकती हैं।

* फाऊंडेशन लगाने के बाद दाग-धब्बे नजर आएं तो कंसीलर से उन्हें कवर कर लें।

स्त्रियों में 'कमर दर्द' के कारण

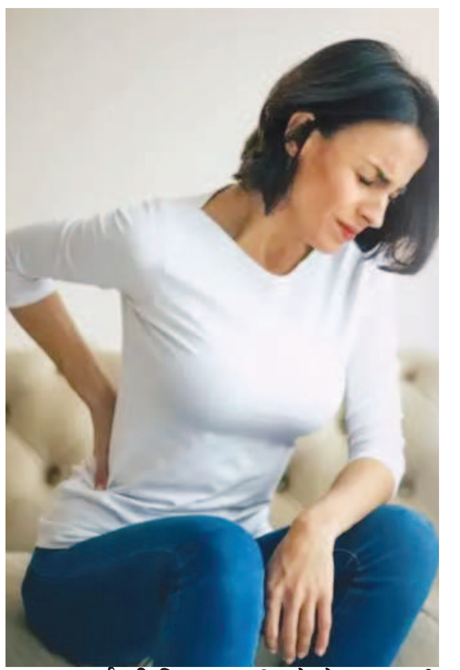

कमर दर्द की शिकायत स्त्रियों में आम सुनी जाती है। । शायद ही कोई ऐसी औरत होगी जिसे अपने जीवन में कभी न कभी इस कष्ट का सामना न करना पड़ा हो। देखने में यह भी आया है कि मर्दों की तुलना में औरतों में यह समस्या ज्यादा होती है क्योंकि पहला - उनकी मांसपेशियां इतनी मजबूत नहीं होतीं, दूसरा गर्भ का बोझ सहने के लिए भी मांसपेशियों पर खिचाव पड़ता है और तीसरा कई स्त्रियों का काम कुछ इस प्रकार का होता है कि उनकी मांसपेशियां अधिक कमजोर हो जाती हैं।

कई कारणों से हो सकता है दर्द

भिन्न-भिन्न मरीजों में कमर दर्द के भिन्न-भिन्न कारण देखने में आते हैं। कई बार एक मरीज में एक से ज्यादा कारण भी कमर दर्द पैदा कर सकते हैं। किसी भी स्त्री में कमर दर्द पैदा करने वाली अवस्थाएं कभी तो लेडी डाक्टर से संबंध रखती हैं, कभी मैडीकल विशेषज्ञ से, कभी हड्डियों के माहिर से और कभी मनोरोग विशेषज्ञ से, परन्तु यहां यह जानना भी असंगत नहीं कि इस बीमारी के मरीज के लिए यह जानना और समझना बहुत कठिन होता है कि इस तकलीफ के लिए किस विशेषज्ञ की सेवाएं हासिल करने के लिए प्रयत्नशील होना चाहिए, इसलिए इलाज में देरी होती है।

औरतों में कमर दर्द पैदा करने वाले कई कारण ऐसे हैं, जो बच्चेदानी अथवा इसके निकटवर्ती हिस्से से संबंध रखते हैं। मिसाल के तौर पर भार पड़ने की शिकायत से अथवा बच्चेदानी के पीछे गिरने से कमर दर्द की शिकायत आम हो जाती है। यहां यह बात स्मरणीय है कि भार पड़ने की वजह से पैदा हुई कमर दर्द मरीज के लेटने से झटपट ठीक हो जाती है।

इसी तरह बच्चेदानी के मुंह पर होने वाली सूजन कई बार कमर दर्द का कारण बन जाती है। पेट में किसी भी बड़ी रसौली के कारण मांसपेशियां खिंच जाती हैं और इस तरह कमर दर्द का कारण बनती हैं। कई प्रकार की बीमारियां, जो मांसपेशियों को प्रभावित करती हैं, कमर दर्द का कारण बन जाती हैं। इसमें प्रमुख हैं रीह दर्द, मांसपेशियों की सूजन, डिस्क स्लिप, रीढ़ की हड्डी के बीच किन्हीं दो मनकों में से खिसक जाने के कारण पैदा हुई दर्द। कई प्रकार की चोट या खिंचाव भी ऐसे दर्द का कारण बन सकते हैं जैसे कि मोटापा, उठने-बैठने का गलत तरीका, निकला हुआ पेट, ऊंची एड़ी वाली जूतियां। स्पष्ट है कि औरतों में कमर दर्द एक नहीं, अनेक कारणों से हो सकता है।

उपचार

मरीज डाक्टर के पास पहुंचता है तो इस तकलीफ का मूल कारण खोजने की कोशिश की जाती है। ऐसा करने के लिए मरीज से पूरी जानकारी ली जाती है और साथ ही प्रभावित हिस्से के एक्स-रे भी जरूरत अनुसार करवाए जाते हैं। कई बार कुछ और टैस्ट (एम. आर. आई. आदि) भी करवाए जाते हैं। मूल कारण पता लगने पर उसका उपचार किया जा सकता है।

जिन मरीजों में कोई ऐसा ठोस कारण कमर दर्द के लिए नहीं होता, उन्हें कुछ दर्दनाशक दवाइयों के इस्तेमाल की और यह सलाह भी दी जाती है कि वे समतल सतह वाली किसी चीज पर सोने की आदत डालें, जरूरत अनुसार बताई गई कसरत करें तथा अपने उठने-बैठने के तरीके में जरूरी सुधार करें। साथ ही अपने हौसले बुलंद रखें।

बच्चेदानी की 'रसौलियां'

बच्चेदानी में अनेक प्रकार की रसौलियां हो सकती हैं। इस लेख में खास किस्म की रसौली का वर्णन किया जा रहा है, जिसे अंग्रेजी में Fibromy-oma या Fibroid कहते हैं। ये रसौलियां ज्यादातर 30-40 साल की स्त्रियों में देखी जा सकती हैं। एक महिला में इनकी संख्या 1 से लेकर अनेक हो सकती है।

एक ही मरीज में विभिन्न आकारों की रसौलियां देखने में आती हैं। इनका संबंध एक खास हार्मोन की मात्रा अधिक होने से माना जाता है। बच्चेदानी की व खास किस्म की रसौलियां ज्यादातर उन महिलाओं में देखी जाती हैं, जिनके या तो कोई संतान न हो या कम संतान हो।

जिन महिलाओ की बच्चेदानी में ऐसी रसौलियां हों, यदि उनमें गर्भ ठहर जाए जो गर्भकाल में इन रसौलियों में कुछ ऐसी तबदीलियां हो सकती हैं, जिनसे मरीज को काफी ज्यादा दर्द हो सकता है। प्रसव के बाद ये रसौलियां सिकुड़ कर छोटी हो जाती हैं। इन रसौलियों के कारण कई बार गर्भपात भी हो सकता है। यदि कोई बड़ी रसौली हो तो कई बार बच्चे की पैदाइश के समय मुश्किल भी हो सकती है।

बच्चेदानी में होने वाली तरह-तरह की रसौलियां

लक्षणः इन रसौलियों के बच्चेदानी में होने से कई बार औरत को माहवारी समय पर नहीं आती या फिर माहवारी के दौरान खून काफी ज्यादा गिरता है। माहवारी के दिनों में मरीज को पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है।

बच्चेदानी की ये रसौलियां कई बार मरीज में कब्ज, पेशाब का बार-बार आना, पेशाब के रुकने अथवा पेशाब में रेशा हो जाने की शिकायतें भी पैदा कर सकती हैं। खून की नाड़ियों पर दबाव डाल कर रसौलियां शरीर के । किसी हिस्से में दर्द पैदा कर सकती हैं। कई बार इन रसौलियों में कुछ ऐसी तबदीलियां आ जाती हैं, जिनसे इनमें रेशा पड़ने की शिकायत हो सकती है।

उपचार : जिन स्त्रियों की उम्र 40 वर्ष से कम हो, कोई संतान न हो या कम बच्चे हों या रसौलियां कम हों, उनमें रसौलियों को निकाल देना ही काफी होता है। परंतु यदि महिला की उम्र 40 वर्ष से अधिक हो या अनेक रसौलियां हों, उनमें बच्चेदानी को निकाल देना ही बेहतर होता है।

दूर करें 'फेस ऑयल' से जुड़े भ्रम

फेस ऑयल को भी स्किन टाइप के अनुसार इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। बढ़ता प्रदूषण और लाइफस्टाइल सही नहीं होने पर स्किन मुरझाई सी नजर आने लगती है और इसका कारण है डैड सैल्स का जमा होना। ऐसे में रूटीन से हटकर स्किन की एक्स्ट्रा केयर करना बहुत जरूरी है। आजकल फेस ऑयल का इस्तेमाल ट्रैंड में है, जिसे लोग स्किन को मॉइश्चराइज करने से लेकर हाइड्रेट करने तक के लिए लगाते हैं।

फेस ऑयल की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इससे स्किन को बेहतर पोषण दिया जा सकता है। यह स्किन से डार्क स्पॉट्स व अन्य समस्याओं को खत्म करने का काम करता है।

वैसे फेस ऑयल को लेकर भी लोगों में कई भ्रम फैले हुए हैं। इस लेख में हम उन भ्रमों के बारे में बता रहे हैं, जिन पर भरोसा करने से पहले आपको कई बार सोचना चाहिए।

भ्रम : रोम छिद्र को कर देता है बंद

तथ्य : फेस ऑयल को लेकर यह भ्रम फैला हुआ है कि ये चेहरे के रोम छिद्रों को क्लॉग यानी बंद कर देता है, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

फेस ऑयल एक ही सूरत में रोम छिद्रों को नुक्सान पहुंचाता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार फेस ऑयल को स्किन के टाइप के हिसाब से न लगाने पर ऐसा हो सकता है। चाहे फेस ऑयल हो या कोई भी प्रोडक्ट, हमेशा उसे स्किन टाइप को ध्यान में रखकर ही इस्तेमाल करना चाहिए।

भ्रम : ऑयली स्किन के लिए फेस ऑयल ठीक नहीं तथ्य : यह एक आम भ्रम है, जिस पर हर कोई आसानी से यकीन कर लेता है। चाहे स्किन ऑयली हो या नहीं, स्किन को ऑयल के जरिए पोषण प्रदान करना हमेशा जरूरी होता है।

हालांकि, ऑयली स्किन के लिए ऐसे प्रोडक्ट को चूज करते समय सतर्क रहना आवश्यक है। आपकी स्किन का टाइप ऑयली है, तो आपको मार्कीट में इसके लिए भी फेस ऑयल मिल जाएगा।

भ्रम : फेस ऑयल लगाने के बाद मॉइश्चराइजर नहीं लगाना चाहिए

तथ्य : अधिकतर लोगों को लगता है कि वे चेहरे पर ऑयल लगाने के बाद मॉइश्चराइजर की कोई जरूरत नहीं होती। स्किन पर कोई भी प्रोडक्ट लगाने के बाद हमेशा उसे मॉइश्चराइजर से लॉक करना चाहिए। फेस ऑयल से स्किन को हाइड्रेट रखा जा सकता है, लेकिन मॉइश्चराइजर से उसे हाइड्रेशन ही नहीं, पोषण भी मिलता है। फेस ऑयल के बाद मॉइश्चराइजर लगाने का रूटीन जरूर फॉलो करें।

बैंकों के खिलाफ आ रहीं सबसे ज्यादा शिकायतें

मोबाइल और ई बैंकिंग निशाने पर

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार, देश में बैंकों के खिलाफ शिकायतें तेजी से बढ़ रही हैं। रिजर्व बैंक ओमबड्समैन स्कीम के तहत दर्ज शिकायतों की संख्या 7 लाख के आंकड़े को पार कर गई है। वित्त वर्ष 2022-23 में यह आंकड़ा 68 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है। ये शिकायतें मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग, लोन एवं एडवांस, एटीएम एवं डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पेंशन पेमेंट, पैसा ट्रांसफर और पैरा बैंकिंग जैसे मसलों पर आधारित थीं। इसमें सबसे ज्यादा लगभग 1.96 लाख शिकायतें बैंकों के खिलाफ आई हैं।

आरबीआई ओमबड्समैन स्कीम पर जारी हुई रिपोर्ट

आरबीआई ओमबड्समैन स्कीम (लोकपाल योजना) पर सोमवार को जारी एक रिपोर्ट से इन आंकड़ों का खुलासा हुआ। रिजर्व बैंक की इंटीग्रेटेड ओमबड्समैन स्कीम, 2021 के तहत यह पहली रिपोर्ट आई है। इसमें सभी 22 ऑफिस, प्रोसेसिंग सेंटर और कॉन्टेक्ट सेंटर से मिली जानकारी शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई-आईओएस, 2021 के तहत मिली शिकायतों का नंबर तेजी से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2022-23 में ओआरबीआईओ और सीआरपीसी में कुल 7,03,544 शिकायतें मिली हैं। इसमें 68.24 फीसदी की वृद्धि आई है। यह नंबर जन जागरूकता पहल के चलते ऊपर गया है।

जल्दी हो रहा शिकायतों का निपटारा

रिपोर्ट एक मुताबिक, आरबीआई ओमबड्समैन स्कीम में बैंकों के खिलाफ कुल 1,96,635 शिकायतें मिली हैं। यह आंकड़ा कुल शिकायतों में सबसे ज्यादा है। ओआरबीआईओ ने वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 2,34,690 शिकायतों का निपटारा किया। साथ ही सीआरपीसी में 4,68,854 शिकायतों का निपटारा किया गया। आरबीआई ने कहा कि शिकायतों का निपटारा औसतन 33 दिन में किया गया। इस आंकड़े में कमी आई है। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान यह 44 दिन था। रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतों में से 57.48 फीसदी का समाधान आपसी समझौते, सुलह और मध्यस्थता के माध्यम से किया गया। बाकी की शिकायतें या तो खारिज कर दी गईं या फिर उन्हें वापस ले लिया गया।

मोबाइल और ई बैंकिंग के खिलाफ सबसे ज्यादा शिकायतें

बैंकों के साथ ही नॉन बैंकिंग पेमेंट सिस्टम के खिलाफ सबसे ज्यादा शिकायतें मोबाइल बैंकिंग या इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के संबंध में की गईं। एनबीएफसी के खिलाफ सबसे ज्यादा शिकायतें फेयर प्रैक्टिस कोड का पालन न करने से जुड़ी हुई थीं। सबसे ज्यादा शिकायतें चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात से और सबसे कम मिजोरम, नागालैंड, मेघालय, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश से की गईं।

मिडकैप - स्मॉलकैप और पीएसयू स्टॉक्स ने बिगाड़ा शेयर बाजार का मूड, निवेशकों को 4 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। मंगलवार का कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक साबित हुआ है। सेबी चीफ के बयान के बाद आज के सत्र में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स में जोरदार बिकवाली देखने को मिली है। सरकारी बैंकों और सरकारी पीएसयू शेयरों में जोरदार मुनाफावसूली रही जिसके चलते बाजार का मूड बिगड़ गया। आज का कारोबार खत्म होने पर सेंसेक्स जहां 165 अंकों के उछाल के साथ 73,667 अंकों पर बंद हुआ है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी केवल 3 अंकों की बढ़त के साथ 22,335 अंकों पर बंद हुआ है।

मार्केट वैल्यू में गिरावट

भारतीय शेयर बाजार के दोनों ही प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में बंद हुए। लेकिन मिडकैप और स्मॉलकैप सेक्टर के स्टॉक्स में भारी गिरावट के चलते बीएसई पर लिस्टेड शेयरों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में बड़ी कमी आई है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट वैल्यू घटकर 385.57 लाख करोड़ रुपये पर आ गया जो पिछले सत्र में 389.60 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के सत्र में निवेशकों को 4.03 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के कारोबारी में मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स पर सबसे ज्यादा गिरावट की मार पड़ी है। निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 687 अंक या 1.41 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। स्मॉल कैप इंडेक्स 305 अंकों की गिरावट के साथ क्लोज हुआ है जबकि निफ्टी का नेक्स्ट 50 933 अंक गिरकर बंद हुआ है। सेक्टर्स में एफएमसीजी बैंकिंग, ऑटो, फार्मा, मेटल्स, रियल एस्टेट, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यरेबल्स, हेल्थकेयर स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए।

क्वालकॉम के सीईओ से मिले गौतम अडानी

सेमीकंडक्टर सेक्टर में उतरेगा अडानी ग्रुप!

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के चेयरपर्सन गौतम अडानी ने क्वालकॉम के सीईओ क्रिस्टिआनो आर अमॉन से मुलाकात की है। गौतम अडानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक ट्वीट के जरिए सोमवार को इस मुलाकात की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्वालकॉम के सीईओ से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उभरती हुई टेक्नोलॉजी और भारत में सेमीकंडक्टर्स को लेकर अमेरिकी कंपनी का विजन मुझे प्रभावित कर गया है। गौतम अडानी की क्वालकॉम के सीईओ से इस मुलाकात के बाद अडानी ग्रुप के सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में उतरने की संभावना प्रबल हो गई है। अडानी ग्रुप के सीईओ ने लिखा कि क्वालकॉम के सीईओ से मुलाकात शानदार रही। वह भारत को लेकर शानदार सोच रखते हैं। अमेरिका की चिप मेकर कंपनी क्वालकॉम दुनिया के अलग-अलग बाजारों को लेकर स्पष्ट नीति रखती है। भारत ने देश में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए तेजी से प्रयास किए हैं। अमेरिकी कंपनी माइक्रोन टेक्नोलॉजी का सेमीकंडक्टर प्लांट गुजरात के साणंद में बन रहा है। इस प्लांट में असेंबली, टेस्ट, मार्किंग और पैकेजिंग की जाएगी। माइक्रोन टेक्नोलॉजी इस प्लांट पर लगभग 22500 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। यह देश का पहला हाई एंड सेमीकंडक्टर फेब्रिकेशन प्लांट होगा। उम्मीद जताई जा रही है कि यह प्लांट 2024 के अंत तक काम शुरू कर देगा। यह प्लांट न सिर्फ सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए इकोसिस्टम तैयार करेगा बल्कि इससे जुड़े कच्चे माल के उत्पादन को भी बढ़ावा देगा।इसके अलावा हाल ही में सरकार को इजरायल की टावर सेमीकंडक्टर और टाटा ग्रुप से भी प्लांट बनाने के प्रस्ताव मिले थे। सरकार फिलहाल इन दोनों के अलावा कई कंपनियों के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। हाल ही में आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि माइक्रोन टेक्नोलॉजी के प्लांट पर लगभग 5000 लोग काम कर रहे हैं। भारत सरकार ने तीन और सेमीकंडक्टर यूनिट लगाने की मंजूरी हाल ही में दी थी। इनमें से 2 गुजरात और एक असम में लगाई जाएगी। सरकार ने इसके लिए लगभग 76 हजार करोड़ रुपये की विशेष योजना तैयार की हुई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	कुंभ	में
चंद्र-	मेष	में
मंगल	मकर	में
बुध-	मीन	में
गुरु-	मेष	में
शुक्र-	कुंभ	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मीन	में
केतु-	कन्या	में

लग्नारंभ समय		
कुंभ...	04-56	बजे
मीन...	06-33	बजे
मेष--	08-09	बजे
वृष--	09-53	बजे
मिथुन..	11-54	बजे
कर्क...	14-06	बजे
सिंह...	16-18	बजे
कन्या..	18-25	बजे
तुला.....	20-32	बजे
वृश्चिक..	22-40	बजे
धनु.....	00-54	बजे
मकर...	03-01	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-29
सूर्यास्त. -18-22
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - 01:26 - तक उपरान्त पंचमी
मास - फाल्गुन शुक्ल पक्ष , बुधवार 13 March
नक्षत्र - अश्विनी- 18 - 24 - तक उपरान्त भरणी
योग - ऐन्द्र - 00 - 47 - तक उप वैधृति
करण- वणिज - 14 - 40 - तक उप- विष्टि
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल -14-41 से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:26 से 13:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:29 - 07:56	शुभ	उत्पात	18:22 - 19:55	अशुभ
अमृत.	07:56 - 09:26	शुभ	शुभ.	19:55 - 21:25	शुभ
काल.	09:26 - 10:56	अशुभ	अमृत	21:25 - 22:55	शुभ
शुभ.	10:56 - 12:26	शुभ	चंचल	22:55 - 24:25	शुभ
रोग	12:26 - 13:55	अशुभ	रोग	24:25 - 01:55	अशुभ
उत्पात	13:55 - 15:25	अशुभ	काल	01:55 - 03:25	अशुभ
चंचल	15:25 - 16:55	शुभ	लाभ	03:25 - 04:56	शुभ
लाभ	16:55 - 18:22	शुभ	उत्पात	04:56 - 06:29	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं। लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे। रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों। आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा। आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है। आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा। हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे ,लेकिन आपको इसका अच्छा फल भी जल्दी मिलेगा और आपकी सफलता की इच्छा बढ़ेगी।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपके हर एक काम में आत्मविश्वास की झलक दिखेगी। कुछ समय पहले तक बहुत मुश्किल दिखने वाली बाधाएं आज आसानी से पार हो जाएंगी। आपकी संवाद कुशलता अब पहले से बेहतर है और आप लोगों को इसके चलते विश्वास में लेकर अपनी बात समझा पायेंगे। दिन किसी मुश्किल परियोजना पर काम करने के लिए भी उपयुक्त है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपके लिए गंभीरता से मेहनत करने का दिन है। आप काफी लम्बे समय से लटक रहा एक काम संतोषजनक ढंग से पूरा करने में सफल रहेंगे। इससे आपके अफसर प्रभावित होंगे। आज आप पर किसी प्रसिद्ध व्यक्ति की भी नजर पड़ेगी और इस बात का आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी। आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे। अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा। एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं। आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा। इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आपको अपने कामों को पूरा करने के लिए बहुत कम साधन उपलब्ध होंगें और इससे आपके काम में बाधा पहुचेगी। इससे परेशान न हों,आपको दिन के अंत तक अपनी पसंद का काम और साधन दोनों ही मिल जायेंगे। आप प्रकृति से ही मेहनती हैं और आप जिम्मेदारियों के साथ साथ स्वतंत्रता का भी आनंद लेंगे।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप किसी असम्भाव्य साझेदारी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। इससे आपको रोमांस,रोमांच और साहसी होने की अनुभूति तो होगी परन्तु यह देखना होगा कि यह साझेदारी कितनी सफल होगी। किसी अप्रत्याशित श्रोत से समर्थन-सहायता प्राप्त हो सकती है। हालाँकि यह अवसर बहुत कम समय तक ही मिलेगा ,इसलिए आपको जल्दी ही फैसला लेना होगा।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थिति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे। यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे। आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी। आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा। आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे। आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज के दिन आप अपने आसपास सभी को अपनी सोच और किसी भी स्थिति को सही समझने की योग्यता से प्रभावित करेंगे। अपने कार्यस्थल की किसी बड़ी समस्या या किसी दोस्त की परेशानी का बहुत रचनात्मक सा हल निकलकर छा जायेंगे। आपके लिए रोमांचक समय है। आपको किसी का ध्यान अपनी ओर खीचने की जरुरत नही है,बल्कि लोग खुद आपकी ओर सहायता लेने के लिए आयेंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं। पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं।,आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी। आप विशेष लय में हैं। आज का दिन सार्थक होगा। मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें। आपकी सकारात्मक दृष्टि आपको औरों से अलग मुकाम पर ले जायेगी।

पं ।महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

गोयल बोले- कई विकसित देश रुपये में करना चाहते हैं व्यापार

भारत के साथ साझेदारी से घटेगी लेनदेन की लागत

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। बांग्लादेश, श्रीलंका और खाड़ी देशों के साथ कई विकसित एवं विकासशील देश भारत से रुपये में कारोबार करना चाहते हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, भारत के साथ साझेदारी से कारोबार के लेनदेन की लागत घटेगी। यह कदम भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा में एक बड़ा बदलाव का संकेत है। गोयल ने कहा, बांग्लादेश और श्रीलंका पहले से ही हमसे बात कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि हम इसे तुरंत शुरू करें। खाड़ी क्षेत्र के दूसरे देश भी रुपये में कारोबार पर विचार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि समय के साथ लोगों को इसका फायदा पता चलेगा। इस पहल में विकसित देश और सुदूर पूर्व के देश भी शामिल हो रहे हैं।

सिंगापुर पहले ही कुछ हद तक इसमें शामिल है। मंत्री ने कहा, हमने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से शुरुआत की। यूएई इसे स्वीकार करने वाले पहले देशों में से एक था। अब इसमें तेजी आ रही है। धीरे-धीरे अन्य देशों को यह एहसास हो रहा है कि सभी लेनदेन को तीसरी मुद्रा में बदलने से उसकी लागत में काफी वृद्धि होती है, जबकि घरेलू मुद्रा में व्यापार के कई फायदे हैं। इसलिए, कई देश अपनी स्थानीय मुद्रा और रुपये के बीच सीधा लेनदेन शुरू करना चाहेंगे।

इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भरने पर महिला को हुई 6 महीने की जेल, आप भी तो नहीं करते ये गलती

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारत में अगर आप इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भरते हैं, तो आपको जेल की सजा हो सकती है। दिल्ली की तीसहजारी कोर्ट ने सावित्री नाम की एक महिला को आईटीआर नहीं भरने पर 6 महीने जेल की सजा सुनाई है। भारत के आयकर कानून में ऐसे प्रावधान हैं जो आपको आईटीआर भरने पर 7 साल तक की जेल करवा सकते हैं। ताजा मामला दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट का है, जहां इनकम टैक्स ऑफिस ने एक महिला के खिलाफ आईटीआर नहीं भरने की शिकायत की थी। महिला ने 2 करोड़ रुपए की इनकम पर आयकर रिटर्न दाखिल नहीं किया था।

आखिर क्या है पूरा मामला?

महिला ने वित्त वर्ष 2013-14 में 2 करोड़ रुपए की इनकम की थी, जिस पर उसने 2 लाख रुपए का टीडीएस दिया था। लेकिन इस इनकम के लिए कोई आईटीआर दाखिल नहीं किया। ऐसे में महिला ने अपनी इनकम का महज एक प्रतिशत ही टैक्स के तौर पर चुकाया। जबकि उसकी इस इनकम पर टैक्स डिमांड ज्यादा बनती है। तीस हजारी कोर्ट में अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मयंक मित्तल ने पूरे मामले की दलीलें सुनने के बाद महिला पर 5,000 रुपए का जुर्माना लगाया और साथ ही 6 महीने के साधारण जेल की भी सजा सुनाई। अगर महिला जुर्माना भरने में डिफॉल्ट करती है तो उसे एक महीने और जेल में रहना होगा।

अपील के लिए मिली 30 दिन की मोहलत

कोर्ट ने महिला की याचिका पर उसे सजा से 30 दिन की राहत देते हुए जमानत भी दे दी। अदालत ने कहा कि महिला चाहे तो इस फैसले को आगे चुनौती दे सकती है। इस पूरे मामले में स्पेशल पब्लिक प्रोसीक्यूटर अर्पित बत्रा का कहना है कि यहां कर चोरी के मामले में दोषी को सजा देना महत्वपूर्ण नहीं था, बल्कि आयकर कानून के इस प्रावधान की उपयोगिता साबित करना था। इतना ही नहीं आयकर रिटर्न दाखिल करना एक नागरिक की जिम्मेदारी है, ये जानना भी उनके लिए अहम है। आपका आयकर रिटर्न समय से दाखिल करना आयकर कानून के तहत अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने पर आपको जुर्माने के साथ-साथ जेल की सजा भी काटनी पड़ सकती है।

एचडीएफसी बैंक जल्द एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का आईपीओ लाएगा

इसके जरिए 7,500 से 10,000 करोड़ जुटा सकता है बैंक; सितंबर 2025 से पहले लिस्टिंग जरूरी

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक अपनी सब्सिडियरी कंपनी एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। इकोनॉमिक्स टाइम्स (ईटी) ने अपनी एक रिपोर्ट में इसके बारे में जानकारी दी है। एचडीएफसी बैंक ने लीडिंग इन्वेस्टमेंट बैंकों को प्रस्तावित आईपीओ के लिए बोलियां और वैल्यूएशन अनुमान लगाने के लिए आमंत्रित किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, एचडीएफसी बैंक इस साल की आखिरी तिमाही या 2025 की पहली तिमाही आईपीओ ला सकता है। यदि यह आईपीओ 2024 में आता है तो यह साल के सबसे बड़े इनिशियल पब्लिक ऑफर में से एक हो सकता है। एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी के मर्जर के बाद यह एचडीएफसी का पहला पब्लिक इश्यू होगा।

आईपीओ के जरिए 7,500 से 10,000 करोड़ जुटा सकता है बैंक

एचडीबी फाइनेंशियल में लगभग 95% हिस्सेदारी रखने वाला एचडीएफसी आईपीओ के जरिए 10% हिस्सेदारी बेच सकता है। इसके जरिए बैंक 7,500 करोड़ से लेकर 10,000 करोड़ जुटा सकता है। इसके साथ ही बैंक निवेशकों के साथ प्री-आईपीओ शेयर प्लेसमेंट पर भी विचार कर सकता है। अभी, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज की मार्केट वैल्यू 7.9 बिलियन डॉलर यानी करीब 65,690 करोड़ रुपए है। इसके नॉन लिस्टेड शेयरों की कीमत 830 रुपए है। लिस्ट होने के बाद मार्केट कैप के हिसाब से कंपनी सबसे बड़ी लिस्टेड फाइनेंस कंपनियों में से एक होगी।

सितंबर 2025 से पहले एचडीबी फाइनेंशियल को लिस्ट करना जरूरी

बैंक को एचडीबी का आईपीओ को लाने की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के मानदंडों का पालन करने के लिए, सितंबर 2025 से पहले कंपनी को लिस्ट होना है। आरबीआई ने सितंबर 2023 में आदेश दिया था कि 'अपर लेयर' के हिस्से के रूप में पहचानी गई एनबीएफसी को दो साल के अंदर स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होना होगा।

क्यूअएफवाई24 में एचडीएफसी बैंक का नेट प्रॉफिट 33.54% बढ़ा

अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 33.54% बढ़कर 16,372 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले क्यूअएफवाई23 में बैंक को 12,259 करोड़ का मुनाफा हुआ था इसके साथ ही इस तिमाही में बैंक का नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) सालाना आधार पर 23.9% से बढ़कर 28,470 करोड़ रुपए रही, जो पिछले साल की इसी तिमाही में 22,990 करोड़ रुपए थी। प्री-प्रोविजन ऑपरेटिंग प्रॉफिट 24.3% बढ़कर लगभग 23,650 करोड़ रुपए हो गया।

हैदराबाद में आज सोने का भाव

हैदराबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। सोने की दर 24 कैरट के लिए रु 66260 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए, रु 60740/10 ग्राम। हैदराबाद शहर में सोने की दर या कीमत प्रमुख दो कारकों पर निर्भर करती है: पहला सोने की शुद्धता है और दूसरा सोने का वजन है। 22 कैरट और 24 कैरट सोने के लिए विभिन्न वजन श्रेणियां उपलब्ध हैं, यह 8 ग्राम, 10 ग्राम, 100 ग्राम, 1 किलोग्राम और अधिक में उपलब्ध है। यहां आप 24 ग्राम सोने की दर प्रति ग्राम, प्रति 10 ग्राम, प्रति किलोग्राम और प्रति टोला जैसे विभिन्न वजन में सोने की कीमत और चांदी की कीमत की जांच कर सकते हैं। आज के लिए, कीमत अपडेट नहीं होने के मामले में हम लास्ट अपडेटेड दिन के प्राइस को आज के गोल्ड प्राइस के रूप में दिखा रहे हैं।

रुपए में शुद्ध सोने (24 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 6626 (छह हजार छह सौ छब्बीस), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 53008 (तिरपन हजार आठ), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 66260 (छियासठ हजार दो सौ साठ), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 662600 (छह लाख बासठ हजार छह सौ), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 6626000 (छियासठ लाख छब्बीस हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 77284.42 (सतहतर हजार दो सौ चौरासी)

रुपए में स्टैंडर्ड गोल्ड (22 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 6074 (छह हजार चौहत्तर), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 48592 (अड़तालीस हजार पांच सौ बानवे), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 60740 (साठ हजार सात सौ चालीस), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 607400 (छह लाख सात हजार चार सौ), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 6074000 (साठ लाख चौहत्तर हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 70846 (सत्तर हजार आठ सौ छयालिस)

रुपए में चांदी की कीमत

हैदराबाद में चांदी की कीमत 1 ग्राम के लिए 79.5 (उन्नासी), चांदी की कीमत 8 ग्राम के लिए 636 (छह सौ छतीस), चांदी की कीमत 10 ग्राम के लिए 795 (सात सौ पचानवे)।

स्पाइसजेट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी समेत कई लोगों ने कंपनी छोड़ी

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। एयर कंपनी स्पाइसजेट में एक बड़े बदलाव की खबर सामने आ रही है। कंपनी मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक टीम के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से कंपनी छोड़ दी है। कंपनी के अनुसार यह बदलाव रणनीतिक पुनर्गठन के तहत किया गया है। हाल के दिनों में कंपनी के राजस्व और लोड फैक्टर में लगातार और महत्वपूर्ण वृद्धि देखी जा रही है। हाल ही में फंड जुटाने के साथ, स्पाइसजेट ने पूर्व के सभी विवादों के समाधान की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी क्षमता बढ़ाने, तेजी से बढ़ने और भारतीय विमानन क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। इसके तहत कई तरह के बदलाव किए जा रहे हैं। स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन में रणनीतिक पुनर्गठन के तहत उसके वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि एयरलाइन के मुख्य परिचालन अधिकारी अरुण कश्यप और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने अपना इस्तीफा दे दिया है।

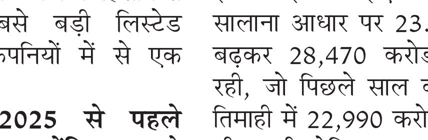

पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ को दी 85 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं की सौगात

रेलवे के कई प्रोजेक्ट लॉन्च

रायपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज मंगलवार को छत्तीसगढ़ को वर्चुअली 85 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं की सौगात दी। पीएम ने गुजरात के अहमदाबाद से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बटन दबाकर छत्तीसगढ़ में रेलवे से जुड़ी 85 हजार करोड़ से ज्यादा की परियोजनाओं का लोकार्पण, भूमिपूजन और शिलान्यास किया। इस दौरान पीएम ने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन में 34 वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (एक स्टेशन एक उत्पाद) स्टॉल लॉन्च की। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए अहमदाबाद कमांड सेंटर से हरी झंडी दिखाकर 10 नई वंदे भारत रेल गाड़ियों को भी रवाना किया। रेलवे स्टेशन में आयोजित लोकार्पण समारोह में प्रदेश के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन और सीएम विष्णु देव साय, रायपुर सांसद सुनील सोनी, मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, राजेश मूणत और जिला और रेल प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। रायपुर रेलवे स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 670 से अधिक रेलवे स्टेशनों और अन्य स्थानों से भी लोग वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए।

पीएम मोदी ने कहा- देश और छत्तीसगढ़ को समृद्ध बनाने तेज होगा रेलवे का आधुनिकीकरण

पीएम ने कहा कि रेलवे के इतिहास में पिछले 100 वर्षों में भी एक कार्यक्रम में इतनी बड़ी संख्या में रेल परियोजनाओं के शुभारंभ का कार्यक्रम आज पहली बार हुआ है। उन्होंने कहा कि इस नये साल के पिछले 75 दिनों में ही देश में 11 लाख करोड़ रूपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हो चुका है। उन्होंने इसे विकसित भारत की दिशा में देश का एक बड़ा कदम बताया। भारतीय रेलवे लंबे समय से राजनीति और क्षेत्रवाद का शिकार रही है। रेलों में डब्बे बढ़ाना, स्टॉपेज बढ़ाना ही रेल की प्रगति के मायने रहें थे। बीते समय में रिजर्वेशन की लंबी लाईनें, दलाली और कमिशन के साथ गंदगी ने भारतीय रेल की स्थिति नरकीय बना दी थी। वर्ष 2014 में देश के 9 राज्यों की राजधानियां रेल नेटवर्क से अछूती थी। 10 हजार से अधिक रेल क्रॉसिंग फाटक विहीन थी। पीएम ने कहा कि बीजेपी सरकार ने भारतीय रेल को नरक जैसी स्थिति से बाहर लाने की इच्छा शक्ति दिखाई है। रेवले के बजट को समान्य बजट के साथ शामिल कर छह गुना बढ़ाया गया है। इससे दूसरे मदों से मिले राजस्व का हिस्सा भी रेलवे के विकास के लिए उपयोग किया जा सका है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में भारतीय रेलवे का ऐसा कायाकल्प होगा कि किसी ने भी उसकी कल्पना भी नहीं की होगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे बुजुर्गों और हमनें जो भुगता है वो आने वाली पीढ़ी नहीं सहेगी, यह मोदी की गारंटी है। देश को समृद्ध और औद्योगिक रूप से विकसित करने में रेल की बहुत बड़ी भूमिका है। सवारी गाड़ियों और माल गाड़ियों के लिए अलग-अलग रेल लाईनें स्थापित कर दोनों की स्पीड बढ़ाई गई है। फ्रंट कॉरीडोर बनाकर तेजी से डबल डेकर माल गाड़ियों से माल ढुलाई शुरू हो गई है। आधुनिक रेल इंजन, सुसज्जित कोच फै्रक्ट्रियां, गति शक्ति कार्बो टर्मिनल जैसी अधोसंरचनाएं भारत को विकसित बनाने की दिशा में तेजी से सकारात्मक योगदान दे रहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में गति शक्ति विश्वविद्यालय की स्थापना आधुनिक तकनीक पर लोकोमोटिव इंजन निर्माण से लेकर नई पटरियां बिछाने, स्टेशनों के आधुनिकीकरण जैसे अनेकों काम देश में हुए है। हमारे देश में बने लोकोमोटिव श्रीलंका सुडान, मोजाबिंक जैसे देशों को निर्यात किए जा रहें है। हम सौर उर्जा से चलने वाले स्टेशन बना रहें है। स्टेशनों पर जल औषधी केन्द्र खोल रहें है, स्थानीय कारीगरों, शिल्पकारों और स्व-सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा बनाए गए स्थानीय शिल्प और कलाकृतियों को स्टेशनों पर बिक्री के लिए स्टॉल खोले जा रहें है। जिसका लाभ सीधे गरीब कारीगरों को मिल रहा हैं। रेलवे में आधुनिक तकनिकों के उपयोग से देश के कोने-कोने को रेल नेटवर्क से जोड़ने का काम तो हो ही रहा है इसके साथ ही नये निवेश की गारंटी भी मिल रही है और रोजगार के अवसर भी खुल रहें है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे विकास के काम राजनीतिक रूप से सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि देश बनाने के लिए है। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने मुख्य अतिथि की आसंदी से कहा कि रेलवे भारत की लाइफ लाइन है। रेल के विकास का सीधा प्रभाव देश के विकास और आर्थिक उन्नति पर पड़ता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रेलवे का उल्लेखनीय विकास और आधुनिकीकरण हो रहा है। कई रेल परियोजनाओं पर तेजी से काम हो रहा है।प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेलवे विकास के राजमार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रही है।

विष्णुदेव साय सरकार ने निभाया वादा

किसानों के खाते में ट्रांसफर की धान की अंतर राशि, फटाफट चेक करें अकाउंट

रायपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज मंगलवार को छत्तीसगढ़ के किसानों के खाते में धान की अंतर राशि ट्रांसफर कर दी है। राज्य के लगभग 24 लाख 75 हजार किसानों को 13 हजार 320 करोड़ रुपये की आदान सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई है। इस दौरान कृषि मंत्री रामविचार नेताम, खाद्य मंत्री डायल दास बघेल समेत भाजपा नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। इसके साथ ही केन्द्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय संबोधित करते हुए कहा कि आज वह शुभ दिन है, जब यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी को पूरा करते हुए कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत किसान भाइयों के बैंक खातों में 13 हजार 320 करोड़ रुपए की आदान सहायता राशि का अंतरण किया जा रहा है।

प्रदेश के 151 जगहों पर यह कार्यक्रम हो रहा है। आज के कार्यक्रम में 24 लाख 75 हजार से अधिक किसानों के खातों में राशि भेजी जा रही है। इनमें से 24 लाख 72 हजार से अधिक वे किसान हैं, जिन्होंने इस साल धान बेचा था। इन्हें 13 हजार 289 करोड़ रुपए की अंतर की राशि दी जा रही है। इसी तरह 02 हजार 829 धान बीज उत्पादक किसानों को भी बीज निगम के माध्यम से अंतर राशि, 31 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया जा रहा है। कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़ कर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में देश चहुमुखी विकास कर रहा है। मोदी जी हर विभाग के लिए जनता के हित में बहुत सारे पैसे दे रहे हैं, इन पैसों को खर्च करने में हमारे पसीने छूट जाते हैं। मोदी ने महिलाओं का सम्मान किया, किसानों के लिए ऐसी योजनाएं बनाई जिनसे उन्हें आर्थिक मजबूती मिली। छत्तीसगढ़ का विकास अब जेट गति से आगे जाएगा।

छत्तीसगढ़ की जनता ने अच्छे-अच्छे गणित फैल कर दिए। 15 साल छत्तीसगढ़ में डॉ. रमन सिंह की सरकार रही। चारो तरफ विकास हुआ। छत्तीसगढ़ में महज तीन महीने सरकार बने हुई है, इन तीन महीनों में काम बड़ा आगे बढ़ा। ऐसा लग रहा है मानो छत्तीसगढ़ में धन की बरसात हो रही है। 22 जनवरी का दिन कोई नहीं भूल सकता, 500 वर्षों के कड़े संघर्ष के बाद आज अयोध्या में सरयू नदी के तट पर हमारे श्रीरामलला मुस्कुरा रहे हैं।

मधुमिता की बहन के घर फायरिंग, अमरमणि पर एफआईआर

2 दिन पहले बेटे अमनमणि ने कांग्रेस जॉइन की, 20 मार्च से पहले होगी कुर्की

गोरखपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी पर एक और एफआईआर दर्ज हो गई है। मधुमिता शुक्ला की बहन निधि का आरोप है कि अमरमणि ने आधी रात को उनके घर पर गोली चलवाई। उनकी हत्या की कोशिश की। निधि शुक्ला ने कहा, रविवार देर रात अचानक बहुत तेज आवाज हुई। गनर मौके पर पहुंचा, तो बताया कि फायर किया गया है। उसका कारतूस भी मौके पर पड़ा मिला। घटना के बाद निधि ने फरार चल रहे अमरमणि के खिलाफ केस दर्ज कराया है। वारदात लखीमपुर खीरी जिले की सदर कोतवाली इलाके की है।

अभी 2 दिन पहले अमरमणि के बेटे और महराजगंज की नौतनवा सीट से पूर्व विधायक अमनमणि त्रिपाठी ने कांग्रेस जॉइन की। शनिवार को नई दिल्ली में कांग्रेस महासचिव और यूपी के प्रभारी अविनाश पांडेय ने अमरमणि को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, "नौतनवा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अमनमणि त्रिपाठी ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की न्याय की लड़ाई में भरोसा जताते हुए कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।"

दरअसल, चुनावी समर की शुरुआत हो चुकी है। सियासी समीकरण के हिसाब से नेताओं ने अपने मुफीद पाला बदलना भी शुरू कर दिया है। अमनमणि के कांग्रेस ज्वाइन करते ही यह चर्चा शुरू हो गई कि उन्हें कांग्रेस महराजगंज सीट से लोकसभा चुनाव में टिकट देकर मैदान में उतार सकती है। जबकि, बेटे को चुनाव में मदद करने के लिए अमरमणि भी जेल से रिहा हो चुका है। बीते 24 अगस्त 2023 को उसे मधुमिता शुक्ला हत्याकांड में सजा पूरी होने से पहले ही जेल से रिहा कर दिया गया है। हालांकि, रिहाई के बाद भी अमरमणि फरार चल रहा है।

दरअसल, 9 मई 2003 लखनऊ में कवयित्री मधुमिता शुक्ला की घर में घुसकर हत्या कर दी गई थी। यह हत्या मायावती सरकार में मंत्री रहे अमरमणि त्रिपाठी और उनकी पत्नी मधुमणि ने करवाई थी। 20 साल बाद 24 अगस्त 2023 को अमरमणि और मधुमणि त्रिपाठी सजा काटने के बाद जेल से रिहा हो गए। दोनों की सजा का ज्यादातर वक्त गोरखपुर मेडिकल कॉलेज के प्राइवेट वार्ड में बीता था। इसके खिलाफ ही निधि शुक्ला ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिसमें 22 मार्च को सुनवाई है। लेकिन इससे पहले ही निधि पर हमला हो गया।

20 मार्च से पहले जब्त होनी है अमरमणि की संपत्ति

इस बीच, बस्ती की एमपी/एमएलए कोर्ट में व्यापारी के बेटे राहुल मद्धेशिया किडनैपिंग केस में भी सुनवाई चल रही थी। अमरमणि जब जेल से बाहर आया तो 22 साल पुराने मामले ने तूल पकड़ लिया। क्योंकि, वह लंबे समय से बीमारी का बहाना कर कभी कोर्ट में हाजिर ही नहीं हुआ था।

अमरमणि के खिलाफ 24 अक्टूबर 2011 से गैर जमानती वारंट जारी है। पहले तो कोर्ट ने उसकी मेडिकल रिपोर्ट तलब की।

लेकिन, जब कोर्ट को यह पता चला कि अमरमणि को कोई गंभीर नहीं बल्कि मामूली बीमारी है तो फिर कोर्ट ने 3 नवंबर 2023 को मामले की सुनवाई करते हुए उसे भगोड़ा घोषित कर दिया। बस्ती कोतवाली पुलिस को सीआरपीसी-82 की कार्रवाई करने यानी कि अमरमणि के घर पर कुर्की नोटिस चस्पा करने का आदेश दे दिया।

घर पर चस्पा है कुर्की नोटिस

कोर्ट के आदेश पर अमरमणि के गोरखपुर के हुमांयुपुर वाले घर पर कुर्की नोटिस भी लग गई। बावजूद इसके अब तक वो कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ।

बस्ती एमपी/एमएलए कोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कोतवाल को आदेश दिया कि अमरमणि की देश में जहां भी संपत्ति हो उसकी रिपोर्ट अगली सुनवाई तक पेश करें। नहीं तो उनके खिलाफ केस किया जाएगा। इसके साथ ही कोर्ट ने संपत्ति के संबंध में पहले से मांगी गई रिपोर्ट नहीं मिलने पर जिलाधिकारी को रिमाइंडर भी जारी किया।

महिला का गला घोंटा नग्न हालत में मिली लाश

मुंह में साड़ी ठूंसी गई थी, बिलासपुर में रेप के बाद हत्या की आशंका

बिलासपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक महिला की हत्या कर दी गई। महिला का शव नग्न हालत में मिला है। उसके मुंह में साड़ी ठूंसी गई थी और शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि रेप के बाद महिला की गला घोटकर हत्या की गई है। मामला कोटा थाना क्षेत्र का है।

एसडीओपी सिद्धार्थ बघेल ने बताया कि, तखतपुर क्षेत्र निवासी 45 साल की महिला मजदूरी करती थी। वह पिछले कुछ समय से नेवरा गांव में तालाब किनारे झोपड़ी बनाकर रह रही थी। ग्रामीणों ने सोमवार सुबह झोपड़ी के अंदर उसकी लाश देखी, तो पुलिस को सूचना दी गई।

महिला की लाश नग्न हालत में पड़ी मिली है। उसके शरीर से सारे कपड़े गायब थे। उसकी ही साड़ी को भी मुंह में ठूंस दिया गया था। शव को देखकर आशंका जताई जा रही है कि महिला से दुष्कर्म किया गया है। विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट की गई है। एसडीओपी बघेल ने बताया कि महिला को जानने वाले और देर रात तक तालाब के आसपास दिखे संदेहियों की जानकारी जुटाकर पूछताछ की जा रही है। महिला के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया है।

पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही उसकी मौत के कारणों का पता चल सकेगा। वहीं, महिला के साथ गलत काम हुआ है या नहीं, इसकी जानकारी भी पीएम रिपोर्ट से मिल सकता है।

गोहत्या के शक में हुई मॉब लिंचिंग केस में 10 दोषियों को आजीवन कारावास

भीड़ ने कर दी थी युवक की हत्या

हापुड़, 12 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के हापुड़ स्थित पिलखुवा थाना के गांव बझेड़ा खुर्द में 18 जून 2018 में गोकशी के आरोप में भीड़ ने तीन आरोपियों पर हमला बोल दिया था। जिसमे एक व्यक्ति कासिम (45) की मौत हो गई थी। मामले की सुनवाई स्थानीय अदालत में चल रही थी।

मामले में कुछ लोगों ने तीन लोगों पर गोकशी के शक में हमला बोलकर बुरी तरह पीटा था। दो लोग बुरी तरह घायल हुए थे। बड़ी बात थी की आरोपी पुलिस के सामने भी आरोपियों को पीटते रहे। मंगलवार को इस मामले में कोर्ट ने गांव के ही 10 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने शुरू की दो बड़ी योजनाएं

गुरुजी क्रेडिट कार्ड लॉन्च, छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए मिलेगा 15 लाख तक लोन

रांची, 12 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में अब पैसे की तंगी बाधा नहीं बनेगी। राज्य सरकार ने सोमवार को गुरुजी क्रेडिट कार्ड और मांकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना लॉन्च कर दी। गुरुजी क्रेडिट कार्ड के तहत छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए 15 लाख रुपए तक का लोन मिलेगा। इस पर उन्हें 4% ब्याज देना होगा।

वहीं, मांकी मुंडा छात्रवृत्ति योजना के तहत डिप्लोमा स्तरीय कोर्स के लिए छात्राओं को प्रति वर्ष 15 हजार और बीटेक कोर्स के लिए 30 हजार रुपए सालाना मदद दी जाएगी। इस मौके पर 1200 स्टूडेंट्स को क्रेडिट कार्ड और 900 छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना का लाभ दिया गया। क्रेडिट कार्ड पोर्टल और झारखंड विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद के लिए वेब पोर्टल भी लॉन्च किया गया। क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र रांची में 3डी थियेटर का भी उद्घाटन हुआ।

10 साल में चुकाना होगा लोन, चार फीसदी लगेगा ब्याज

गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ राज्य के मान्यता प्राप्त संस्थान से 10वीं-12वीं पास हर वर्ग के छात्र-छात्राओं को मिलेगा।

यह लोन मेडिकल, इंजीनियरिंग, लॉ, रिसर्च और मैनेजमेंट आदि की पढ़ाई के लिए दी जाएगी।

लोन वापसी की अवधि 10 साल होगी। कोई प्रोसेसिंग शुल्क भी नहीं लगेगा।

लोन के लिए कुछ भी गिरवी रखने की जरूरत नहीं होगी। सरकार गारंटर बनेगी।

लोन पर 4% ब्याज लगेगा, शेष राशि सरकार भरेगी।

लोन वापसी की प्रक्रिया पाठ्यक्रम पूरा होने के एक साल बाद शुरू होगी। पढ़ाई के दौरान ही ब्याज चुकाने पर ब्याज दर में एक फीसदी छूट मिलेगी।

एक और मुश्किल में हेमंत सोरेन

समन अवमानना मामले में नोटिस, 4 अप्रैल को कोर्ट में लगाएंगे हाजिरी, ईडी ने दर्ज कराया है केस

रांची, 12 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। जमीन घोटाला मामले में सुनवाई और जांच जारी है, इसी बीच ईडी की ओर से जारी समन की अवहेलना मामले में सीजेएम कोर्ट ने उन्हें नोटिस भेजा है। सीजेएम केके मिश्रा की अदालत ने अदालत में उपस्थिति को लेकर हेमंत सोरेन को समन जारी किया गया है। अदालत ने उनकी उपस्थिति के लिए तीन अप्रैल की तिथि निर्धारित की है।

बता दें कि जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए ईडी ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को कई समन भेजे थे, लेकिन वे केवल दो समन में ही हाजिर हुए थे। ईडी ने इसे समन की अवहेलना मानते हुए अदालत में शिकायतवाद दर्ज कराई है। ईडी ने अदालत में पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ शिकायतवाद दाखिल किया गया है। इस शिकायतवाद में अदालत से कहा है कि हेमंत सोरेन को जमीन घोटाला मामले में पूछताछ के लिए 10 समन भेजा गया था। जिसमें से केवल दो में ही वे उपस्थित हुए। ईडी की ओर से शिकायतवाद संख्या 3952/2024 सीजेएम कोर्ट में दाखिल की गई है। चार फरवरी को इस मामले में सुनवाई हुई थी। सीजेएम कोर्ट में दाखिल शिकायतवाद का सीजेएम कोर्ट ने संज्ञान ले लिया है। इस वजह से अब हेमंत सोरेन के खिलाफ इस मामले में मुकदमा चलेगा। इससे पहले इस मामले की हुई सुनवाई में दोनों पक्षों को अदालत ने सुना था। जिसके बाद फैसला सुरक्षित रखा था। ईडी की ओर से सीजेएम कोर्ट में शिकायतवाद संख्या 3952/2024 दाखिल की गई है। शिकायतकर्ता ईडी की ओर से बताया गया है कि हेमंत सोरेन को जमीन घोटाला मामले में 10 समन किया था, जिसमें से मात्र दो समन पर ही हेमंत सोरेन ईडी के समक्ष उपस्थित हुए। यह ईडी के समन की अवहेलना है।

ईडी की ओर से भेजे गए समन के बाद 20 जनवरी को 8वें समन पर और 31 जनवरी को 10वें समन पर हेमंत सोरेन उपस्थित हुए थे। आज हुई सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से कहा गया कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के समन मामले में ईडी ने दिल्ली में सीजेएम कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराया था।

20 फरवरी को दायर की थी याचिका

ईडी की ओर से सीजेएम कोर्ट में 20 फरवरी को शिकायतवाद दर्ज किया गया था। जहां अपनी याचिका में ईडी ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर समन की अवहेलना करने का आरोप लगाते हुए अदालत से कार्रवाई करने की गुजारिश की थी। जिसके बाद इसी मामले में 27 फरवरी को सुनवाई हुई। इस सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के ठिकानों पर ईडी की रेड

हजारीबाग में भी छापेमारी

रांची, 12 मार्च (एजेंसियां)। सुबह-सुबह ईडी की छापेमारी से हड़कंप मच गया है। झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के अन्य जिलों में ईडी की छापेमारी चल रही है। बताया जा रहा है कि कथित भूमि और स्थानांतरण-पोस्टिंग घोटाले मामले में कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के ठिकानों की तलाशी ली गई।

वहीं, अंबा प्रसाद के रांची आवास और अन्य स्थानों पर भी तलाशी ली जा रही है। हजारीबाग में भी तलाशी हो रही है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय प्रवर्तन एजेंसी (ईडी) के रांची क्षेत्रीय कार्यालय में कांग्रेस विधायक के खिलाफ 2023 में धनशोधन की शिकायत दर्ज की गई थी। शिकायत के आधार पर ईडी के उप निदेशक स्तर के अधिकारी ने झारखंड पुलिस से अंबा प्रसाद के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर की जानकारी मांगी थी।

ईडी ने अपने पत्र में राज्य पुलिस से यह भी पूछा कि क्या अंबा प्रसाद के खिलाफ प्रतिद्वंदी अपराध का कोई मामला दर्ज किया गया है या नहीं।

ईडी के पत्राचार के बाद पुलिस ने बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के खिलाफ दर्ज मामलों की सूची ईडी के जोनल ऑफिस को भेज दी थी।

जलस्त्रोतों के अतिक्रमण पर सुनवाई

हाईकोर्ट ने पूछा– गर्मी में जलसंकट कैसे दूर होगा, सरकार व नगर निगम प्लान दें, डैमों के कैचमेंट एरिया की जानकारी मांगी

रांची, 12 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने गर्मी में पानी की किल्लत को दूर करने पर राज्य सरकार और नगर निगम से प्लान मांगा है। जस्टिस रोंगन मुखोपाध्याय की अदालत ने सोमवार को रांची के जलस्त्रोतों के अतिक्रमण और बड़ा तालाब की साफ-सफाई को लेकर सुनवाई की। अदालत ने राजधानी के तीनों डैम गेतलसूद (रूक्का), कांके और हटिया डैम के कैचमेंट एरिया की भी जानकारी मांगी है। राज्य सरकार और निगम से पूछा है कि गर्मी में पेयजल की समस्या से कैसे लड़ेंगे। भविष्य में रांची में पेयजल संकट न हो, इसके लिए क्या योजनाएं बनाई जा रही हैं। शहर के जलस्त्रोतों में पानी संरक्षित रखने के लिए क्या प्लान है, इस पर सुझाव दें। कोर्ट ने यह भी कहा है कि एमिकस क्यूरी ने भी रांची में पेयजल संरक्षित रखने के लिए कई सुझाव दिए हैं। उस पर राज्य सरकार और रांची नगर निगम ने कितना अमल किया गया, इसकी भी जानकारी दी जाए। इस मामले में अगली सुनवाई तीन अप्रैल को होगी।

झारखंड में गर्मी की दस्तक

रांची, 12 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड में अब धीरे- धीरे गर्मी दस्तक देने लगी है। सुबह 9 बजे के बाद कड़ी धूप मौसम में हो रहे बदलाव का अहसास कराने लगी है। राज्य में तापमान अब 30 के आंकड़े को पार करने लगा है। राज्य के लगभग सभी जिलों का यही हाल है। न्यूनतम तापमान में भी बढ़त देखी जा रही है। झारखंड में पिछले 24 घंटे में कड़ी धूप के कारण लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा है। आज भी कड़ी धूप होगी और अधिकतम तापमान में वृद्धि होने की भी संभावना है। राज्य के कई जिलों मे अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में अभी मौसम शुष्क रहेगा 15 मार्च तक बारिश के आसार नहीं है। 16 मार्च और 17 मार्च को राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। यह बारिश से हल्के से मध्यम दर्जे की हो सकती है।

अब 7 घंटे में रांची से बनारस

झारखंड को मिली एक और वंदे भारत ट्रेन, प्रधानमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

रांची, 12 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड को आज तीसरी वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिली है। पटना, हावड़ा के बाद तीसरी वंदे भारत ट्रेन रांची-बनारस के रूप में शुरू हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।आज रांची-बनारस वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन किया गया। यह ट्रेन नियमित रूप से 18 मार्च से चलेगी। निर्धारित समय के मुताबिक ट्रेन सुबह 5.10 बजे खुलेगी और दोपहर 1.00 बजे बनारस पहुंच जाएगी। वहीं बनारस से ट्रेन शाम 4.05 बजे खुलेगी जो रात 11.55 बजे रांची पहुंचेगी। रांची से बनारस का सफर 7 घंटे 50 मिनट का होगा। जारी शेड्यूल के मुताबिक यह ट्रेन हफ्ते में छह दिन चलेगा। एक दिन गुरुवार को ट्रेन का परिचालन नहीं होगा। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई योजनाओं की भी शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने हटिया-बंडामुंडा 168 किलोमीटर दोहरीकरण कार्य का भी उद्घाटन किया। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट के तहत 10 स्टेशन पर स्टॉल का उदघाटन भी हुआ। ये स्टेशन रांची रेल मंडल के रांची, हटिया, गोविंदपुर रोड, इटकी, मुरी, पिस्का, सिल्ली, टांगरबसली और टाटीसिलवे स्टेशन हैं।

पोलैंड में भारत की छवि भीड़ वाली ट्रेनों की

भारत घूमने आए ट्रूकॉलर के अधिकारी ने बताया अनुभव

वारसा, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारत के बारे में विदेश में कई तरह की अफवाहें फैली हुई हैं, लेकिन जब वहां के लोग खुद एक बार यहां घूम जाते हैं, तो खुद को यहां का गुणगान करने से नहीं रोक पाते हैं। दरअसल, हम यह बात इसलिए कह रहे हैं क्योंकि हाल ही में पोलैंड से ट्रूकॉलर के एक वरिष्ठ अधिकारी भारत की यात्रा पर आए हुए थे। जब वह वापस अपने देश लौटे तो उन्होंने अपनी यात्रा का अनुभव साझा किया और भारत से जुड़ी कुछ रूढ़िवादी धारणाओं को सरे से नकार दिया।

ग्लोबल कॉलर आईडी एप के उत्पाद निदेशक सिजमोन कोपेक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी यात्रा का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि वह अपनी मां के साथ एक सप्ताह के लिए भारत आए थे। उनकी यूरोप से बाहर पहली यात्रा थी और वह अंग्रेजी नहीं बोल पाती हैं। उन्होंने मुझसे भारत के बारे में बहुत कुछ सुना था, पोलिश मीडिया में भी काफी पढ़ा था। हालांकि फिर भी यहां आने पर सब कुछ काफी अलग चौंकाने वाला था। उन्होंने कहा, 'हमने भारत में जो भी सांसारिक चीजें देखीं वो काफी आकर्षित करने वाली थीं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने गांधी को श्रद्धांजलि दी

मेट्रो से यात्रा की, प्रवासी भारतीयों का जताया आभार

पोर्ट लुई (मॉरीशस), 12 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को ऐतिहासिक दांडी मार्च की वर्षगांठ पर मॉरीशस में महात्मा गांधी संस्थान का दौरा किया। यहां उन्होंने राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के मुताबिक, राष्ट्रपति मुर्मू मॉरीशस के तीन दिवसीय राजकीय दौरे पर हैं। उन्होंने मॉरीशस के मोका में महात्मा गांधी संस्थान में आयोजित एक नागरिक अभिनंदन समारोह में गांधी के सार्वभौमिक आदर्शों को याद किया।

एमईए ने 'एक्स' पर लिखा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महात्मा के सार्वभौमिक आदर्शों को याद किया और मॉरीशस में सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने वाले महात्मा गांधी संस्थान में बापू को श्रद्धांजलि दी।

समारोह में राष्ट्रपति ने मॉरीशस में अपनी सांस्कृति विरासत को संरक्षित करने और उसे भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए प्रवासी भारतीयों को धन्यवाद दिया। आज मॉरीशस का राष्ट्रीय दिवस है। राष्ट्रपति मुर्मू इसमें बतौर मुख्य अतिथि पहुंची हैं। उन्होंने मॉरीशस में महात्मा गांधी मेट्रो स्टेशन तक एक छोटी मेट्रो यात्रा भी की।

विदेश मंत्रालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा, महात्मा गांधी के दांडी मार्च की शुरुआत के ऐतिहासिक दिन राष्ट्रपति मुर्मू ने मेट्रो में थोड़ी देर यात्रा की और मॉरीशस के महात्मा गांधी मेट्रो स्टेशन पहुंचीं।

इसमें आगे कहा गया, भारत की मदद से प्रमुख मेट्रो परियोजना ने मॉरीशस के लोगों के जीवन पर एक परिवर्तनकारी असर डाला है। साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मॉरीशस में एक मेट्रो एक्सप्रेस सेवा और एक अस्पताल का उद्घाटन किया था। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ भी मौजूद थे। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने इन परियोजनाओं को द्वीप राष्ट्र के विकास के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया था। नमक सत्याग्रह मार्च 1930 में शुरू किया गया था। इसे दांडी मार्च के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत के स्वाधीनता संग्राम के इतिहास की ऐतिहासिक घटना थी। ब्रिटिश राज के खिलाफ सविनय अवज्ञा आंदोलन के तहत महात्मा गांधी के नेतृत्व में सत्याग्रहियों ने अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से 12 मार्च से 5 अप्रैल 1930 के बीच तटीय गांव दांडी तक मार्च किया था।

पाकिस्तान में तीन मंजिला इमारत ढही

कम से कम नौ लोगों की मौत, दो घायल

इस्लामाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित मुल्तान में मंगलवार को बड़ा हादसा हुआ। यहां एक तीन मंजिला रिहायशी इमारत अचानक ही गिर गई। इस घटना में कम से कम नौ लोगों की मौत हुई है। वहीं, दो अन्य लोग घायल बताए गए हैं। मृतकों में चार एक ही परिवार से जुड़े लोग हैं। अधिकारियों के मुताबिक, अचानकगिरने के बाद पूरा घर मलबे में तब्दील हो गया। इसके चलते पड़ोस में मौजूद घरों को भी नुकसान हुआ है। बता दें कि पाकिस्तान में इमारतों का गिरना कोई नई बात नहीं है।

सस्ते मैटेरियल और सुरक्षा गाइडलाइंस की कमी के चलते कमजोर घरों के गिरने के पहले भी कई मामले सामने आए हैं। इससे पहले जून 2020 में पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में अपार्टमेंट बिल्डिंग गिरने से 22 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार इंपोर्टर

बिक्री में दूसरे नंबर पर फ्रांस, हथियार बेचने के मामले में पहली बार रूस लुढ़ककर तीसरे पर

तेल अवीव/राफेह, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है। बीते पांच साल में उसने दुनिया में सर्वाधिक हथियार खरीदे हैं। यह जानकारी स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट से सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक पांच साल में भारत की हथियार खरीदी 4.7% बढ़ गई। भारत के साथ ही एशिया में जापान में हथियार आयात 155% बढ़ा। वहीं, चीन के हथियार आयात में 44% की गिरावट रही। पाकिस्तान पांचवां सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा। दूसरी ओर, यूरोप का हथियार आयात 2014-18 की तुलना में 2019-23 में लगभग दोगुना हो गया, जिसके पीछे रूस-यूक्रेन युद्ध बड़ा कारण माना जा रहा है। यूरोपीय राज्यों द्वारा हथियारों का आयात 2014-18 की तुलना में 2019-23 में 94 प्रतिशत अधिक था। फरवरी 2022 से कम से कम 30 देशों द्वारा यूक्रेन को सैन्य सहायता के रूप में प्रमुख हथियारों की आपूर्ति की गई। इस कारण यूक्रेन 2019-23 में सबसे बड़े यूरोपीय हथियार आयातक और दुनिया में चौथा सबसे बड़ा आयातक के रूप में उभरा। अमेरिका का निर्यात भी इस दौरान 17% बढ़ा है। रूस के हथियार निर्यात में बड़ी गिरावट रही। पहली बार रूस हथियार निर्यात में तीसरे स्थान पर चला गया है। रूस का हथियार निर्यात 2014-18 और 2019-23 के बीच 53% गिरा है। 2019 में जहां उसने 31 देशों को हथियार बेचे तो 2023 में सिर्फ 12 देशों ने हथियार खरीदे। फ्रांस का हथियार निर्यात 2014-18 की तुलना में 2019-23 के बीच 47% बढ़ा है। भारत फ्रांस के हथियार का सबसे बड़ा खरीदार रहा जो कुल निर्यात का लगभग 30% था। रूस इस समय यूक्रेन के साथ युद्ध में फंसा है और उसके हथियार निर्यात में एक बड़ी गिरावट देखी गई है।

मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी शुरू

25 सैनिकों ने देश छोड़ा, मुइज्जू ने कहा था- सादे कपड़ों में भी नहीं रुकेंगे भारतीय सैनिक

माले, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने मालदीव में मौजूद अपने सैनिकों को निकालना शुरू कर दिया है। मालदीव के मीडिया मिहारू अखबार के मुताबिक, अद्दु आइलैंड पर मौजूद भारत के 25 सैनिक अब तक देश छोड़कर जा चुके हैं। मिहारू ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि मालदीव की नेशनल डिफेंस फोर्स (एमएनडीएफ) ने उन्हें इसकी जानकारी दी है।

हालांकि, भारत या मालदीव की तरफ से अब तक आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई है। इससे पहले 29 मई को मालदीव में भारतीय सैनिकों को रिप्लेस करने के लिए 26 टेक्निकल कर्मियों का पहला बैच मालदीव पहुंच गया था।

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने इसकी जानकारी दी थी। भारत और मालदीव के बीच हुए समझौते के तहत भारतीय सैनिक 10 मई तक देश लौट आएंगे। एमएनडीएफ ने कुछ दिन पहले घोषणा की थी कि मालदीव में मौजूद भारत के हेलिकॉप्टर का कंट्रोल मालदीव की सेना के पास होगा।

हेलिकॉप्टर को ऑपरेट करने वाला क्रू भी मालदीव के रक्षा मंत्रालय के नेतृत्व में काम करेगा। वहीं राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा था कि 10 मई के बाद मालदीव में कोई भी भारतीय सैनिक नहीं रहेगा। राष्ट्रपति के मुताबिक, कुछ लोग देश में अफवाह फैला रहे हैं कि भारतीय सैनिक देश छोड़ नहीं रहे हैं, वो टेक्निकल स्टाफ के बहाने केवल यूनिफॉर्म बदलकर सादे कपड़ों में देश लौट रहे हैं। मुइज्जू ने इन अफवाहों का खंडन करते हुए कहा- 'भारतीय सैनिक यूनिफॉर्म या सादे कपड़ों में भी देश में नहीं रहेंगे। मैं यह पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं।'

मालदीव में क्या कर रहे भारतीय सैनिक

मालदीव में करीब 88 भारतीय सैनिक हैं। ये दो हेलिकॉप्टर और एक एयरक्राफ्ट का ऑपरेशन संभालते हैं। आमतौर पर इनका इस्तेमाल रेस्क्यू या सरकारी कामों में किया जाता है। मालदीव में इंडियन हेलिकॉप्टर और एयरक्राफ्ट मानवीय सहायता और मेडिकल इमरजेंसी में वहां के लोगों की मदद करते रहें। इन ऑपरेशन को संभालने के लिए ही टेक्निकल स्टाफ भेजा गया है।

भारत ने मालदीव को 2010 और 2013 में दो हेलिकॉप्टर और 2020 में एक छोटा विमान तोहफे के तौर पर दिया था। इस पर मालदीव में काफी हंगामा हुआ।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम को जेल में बैठक की भी अनुमति नहीं

दो हफ्ते से पाबंदी, खबरों में दावा

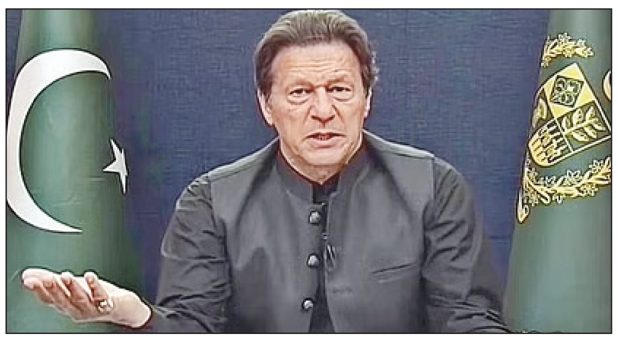

इस्लामाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। अदियाला जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कई पाबंदियां लगाई गई हैं। मीडिया में आई खबरों में दावा किया गया है कि पिछले दो हफ्ते से इमरान खान पर जेल के भीतर बैठक करने पर रोक लगाई गई है। खबरों के मुताबिक जेल में बंद 71 साल के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अलग-अलग मामलों में कुल 31 साल की सजा सुनाई गई है। सितंबर 2023 में इमरान को अटक जेल से अदियाला जेल ले जाया गया था। खबरों के मुताबिक इमरान खान जेल में बंद रहने के दौरान अपने वकील, अपनी राजनीतिक पार्टी- पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं और परिवार के सदस्यों से मुलाकात करते थे। जेल के अधिकारियों ने इमरान को पहले बैठक करने के लिए सोमवार और गुरुवार आवंटित किया था। जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को सूत्रों ने बताया कि इमरान खान अब अदियाला जेल के अंदर दो सप्ताह बैठकें नहीं कर सकेंगे। जेल प्रशासन ने इमरान पर रोक लगा दी है।

पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को अपनी कप्तानी में वर्ल्डकप जिता चुके इमरान खान उनके समर्थक करिश्माई नेता मानते हैं। क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान ने अपने खिलाफ दर्ज तमाम मुकदमों को राजनीतिक प्रतिशोध का नतीजा करार दिया है। रावलपिंडी की जेल में पर्याप्त सुरक्षा बंदोबस्त न होने का हवाला देकर इमरान के समर्थकों ने उन्हें रिहा करने की मांग भी की है। सुरक्षा मामलों पर जाहिर की गई चिंताओं के बीच पिछले हफ्ते, पाकिस्तान के काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) ने तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया था। सुरक्षाबलों उनके कब्जे से अदियाला जेल का नक्शा, एक हैंड ग्रेनेड और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद करने का दावा किया था। रावलपिंडी शहर के पुलिस अधिकारी (सीपीओ) खालिद हमदानी ने कहा कि पुलिस ने अफगानिस्तान के आतंकवादियों के पास से स्वचालित हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। इससे पहले नवंबर में भी पुलिस को रावलपिंडी के गोरखपुर में अदियाला रोड के पास विस्फोटक उपकरण से भरा संदिग्ध बैग बरामद हुआ था। इमरान खान जिस जेल में बंद हैं, यह स्पॉट सिर्फ एक किलोमीटर दूर था।

इसी बीच गोपनीय राजनयिक केबल (सिफर) मामले में सजा काट रहे इमरान के खिलाफ मुकदमे में एफआईए ने कहा है कि पूर्व पीएम इमरान खान और देश के पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की सजा के खिलाफ अपीलें अस्वीकार्य हैं। इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने सोमवार को देश की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की इन दलीलों पर विस्तृत बहस का आदेश दिया।

चीफ जस्टिस आमिर फारूक और न्यायमूर्ति मियांगुल हसन औरंगजेब की दो सदस्यीय खंडपीठ ने एफआईए की पैरवी करने वाले वकील से कहा, अपीलें किस आधार पर अस्वीकार्य हैं, इस पर विस्तार से जवाब दें। अदालत ने अपीलकर्ताओं के वकीलों से भी जवाब मांगा। न्यायमूर्ति फारूक ने एफआईए से यह भी बताने को कहा कि अपीलें सुनवाई योग्य क्यों नहीं हैं। अदालत ने हैरानी जताते हुए कहा कि देश के कानून के तहत ऐसे मामलों में अपील करने का अधिकार नहीं होना आश्चर्यजनक है। इसी टिप्पणी के साथ कोर्ट ने आगे की सुनवाई बुधवार तक स्थगित कर दी।

तीन बार वित्त मंत्री रहे इशाक डार बने विदेश मंत्री

माने जाते हैं नवाज शरीफ के विश्वासपात्र

इस्लामाबाद, 12 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सियासी हलचल जारी है। यहां घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तमाम परेशानियां बनी हुई हैं। इनसे निपटने के लिए अब नई सरकार ने कमर कस ली है। इसलिए चार बार रहे वित्त मंत्री इशाक डार को यहां के विदेश मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को अपनी कैबिनेट में 19 सदस्यों को शामिल किया। इसी के साथ नकदी संकट से जूझ रहे देश में सरकार गठन को लेकर इंतजार खत्म हो गया। अगर हम इशाक डार की बात करें तो वह कश्मीरी मूल के हैं। पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के वरिष्ठ नेता हैं। वह पार्टी प्रमुख और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ के विश्वासपात्र भी माने जाते हैं। पाकिस्तान के अपने पड़ोसी भारत के साथ-साथ अफगानिस्तान के साथ संबंध काफी खराब चल रहे हैं। ऐसे में विदेश मामलों में कम अनुभव रखने वाले डार को महत्वपूर्ण पद दिया गया है। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इस कदम से शायद संबंधों में बदलाव आ जाएं।

दरअसल, भारत द्वारा जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद अगस्त 2019 में दोनों पक्षों ने व्यापारिक संबंध तोड़ लिए थे। एक-दूसरे की राजधानी में राजनयिक उपस्थिति कम कर दी थी। व्यापारिक संबंध खत्म होने की वजह से पाकिस्तान को नुकसान उठाना पड़ा। इसकी वजह यह थी कि वह भारत से सस्ती दरों पर कई वस्तुओं और कच्चे माल का आयात करता था। वित्त मंत्री होने के नाते डार उनके साथ आर्थिक संबंधों के पक्षधर थे, लेकिन कश्मीर मुद्दे के कारण यह संभव नहीं हो सका था।

कश्मीरी भाइयों के आत्मनिर्णय के अधिकार

इस साल कश्मीर एकजुटता दिवस पर पांच फरवरी को किए गए एक ट्वीट में डार ने कहा कि पाकिस्तान अपने कश्मीरी भाइयों के आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए उनके संघर्ष के लिए अपने राजनीतिक, नैतिक और कूटनीतिक समर्थन के लिए प्रतिबद्ध है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर और प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र प्रस्तावों में निहित है।

हालांकि, भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि जम्मू कश्मीर उसका अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। भारत ने पाकिस्तान से कहा है कि वह आतंक, शत्रुता और हिंसा से मुक्त वातावरण में उसके साथ सामान्य संबंध चाहता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली में इस रुख को दोहराया।

हिंदू-अमेरिकी संगठन ने भारत में सीएए लागू होने पर जताई खुशी

कहा- इसका लंबे समय से इंतजार था

वॉशिंगटन, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारत में लोकसभा चुनाव से पहले नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के नियम लागू हो गए हैं। इस पर हिंदू अमेरिकी समूहों ने कहा कि सीएए का लंबे समय से इंतजार था और यह अमेरिका में शरणार्थियों के लिए किए गए लॉटेनबर्ग संशोधन को ही दर्शाता है।

नागरिकता संशोधन विधेयक 11 दिसंबर, 2019 को संसद द्वारा पारित किया गया था। एक दिन बाद ही इस विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति मिल गई थी। सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी। ऐसे अल्पसंख्यक, 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हों।

काफी लंबे समय से इंतजार था: सुहाग शुक्ला

हिंदू अमेरिकी संगठन (एचएएफ) की कार्यकारी निदेशक सुहाग शुक्ला ने कहा कि भारत में सीएए का काफी लंबे समय से इंतजार था और इसे लागू करने की आवश्यकता भी थी। इससे शरणार्थियों को सुरक्षा मिलेगी। इसके लागू होने से उन लोगों को मानवधिकार मिल सकेगा, जिन्हें अपने देश में इससे वंचित रखा गया था। साथ ही उनके जीवन का पुनर्निर्माण शुरू करने के लिए नागरिकता के लिए स्पष्ट मार्ग की आवश्यकता होती है। एचएएफ ने एक बयान जारी कर कहा कि कभी कभी सीएए को लेकर गलत जानकारी दी जाती हैं। सीएए किसी भी भारतीय नागरिक के अधिकारों में बदलाव नहीं करता है और न ही यह सामान्य आव्रजन के लिए जांच स्थापित करता है। साथ ही मुसलमानों को भी भारत में आने से नहीं रोकता है।

शुक्ला ने कहा, 'सन 1990 से अमेरिका में लॉटेनबर्ग संशोधन लागू है, सीएए उसी का ही प्रतिबिंब है। इससे उन चुनिंदा देशों के लोगों को रहने के लिए एक जगह मिलती है, जहां धार्मिक उत्पीड़न बड़े पैमाने पर होते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्रों अमेरिका और भारत को उन लोगों की आजादी और नए जीवन के लिए मार्ग प्रशस्त करके आशा की किरण के रूप में देखने पर गर्व महसूस कर रही हूं, जिन्हें केवल अपने धर्म के कारण मानवाधिकार उल्लंघन का सामना करना पड़ा है।'

31,000 धार्मिक अल्पसंख्यकों को मिलेगी नागरिकता: प्रसाद

कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका की पुष्पिता प्रसाद ने कहा कि यह पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के उत्पीड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों के लिए एक बड़ी जीत है। उन्होंने कहा कि सीएए का भारत में रहने वाले लोगों पर कोई असर नहीं होगा। यह पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में उत्पीड़न का सामना करके आए करीब 31,000 धार्मिक अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी लाएगा।

प्रसाद ने कहा, 'उदाहरण के तौर पर हम देख सकते हैं कि हर साल अकेले पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की एक हजार से अधिक नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर लिया जाता है। उनका जबरन धर्मांतरण किया जाता है। पुलिस और न्यायिक अधिकारियों के समर्थन से उनके अपहरणकर्ताओं से शादी कर दी जाती है। नतीजतन, छोटे बच्चों के साथ डरे हुए परिवार बुनियादी सुरक्षा के लिए भारत भाग रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'कोहना ने 2020 में सीएए पर एक शिक्षा और वकालत अभियान चलाया था, जिसमें इस विषय पर फर्जी प्रचार का मुकाबला किया गया था, जिसमें आठ शहरों ने प्रस्ताव पारित किए थे। गलत सूचना के प्रसार को रोकने के लिए, हम अमेरिका और कनाडा के निवासियों से खुद को और उनके आसपास के लोगों को शिक्षित करने का आग्रह करते हैं।

भारत बोला- यूएनएससी में वीटो से आतंकियों को बचाया गया

चीन का नाम लिए बगैर कहा- इन हरकतों से दोहरे रवैये की बू आती है

न्यूयॉर्क, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारत ने यूएनएससी में उन देशों की निंदा की है जो वीटो पावर का इस्तेमाल करके सुरक्षा परिषद की लिस्ट में आतंकियों का नाम शामिल नहीं होने देते हैं। चीन का नाम लिए बिना भारत की परमानेंट प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा- यूएनएससी आतंकवाद से निपटने का वादा करता है। ऐसे में इस तरह का कदम गैरजरूरी है और इससे दोहरे रवैये की बू आती है। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा- यूएनएससी उन नामों की लिस्ट जारी करता है, जिन्हें आतंकवाद की सूची में शामिल किया गया है। हालांकि, जिनका नाम खारिज होता है उसे लेकर कोई लिस्ट या कारण सार्वजनिक नहीं किया जाता है। इसके अलावा रुचिरा ने एक बार फिर से यूएनएससी में बदलाव की मांग उठाई। उन्होंने कहा- यूएन के सहायक संगठनों की लीडरशिप को लेकर लिए गए फैसलों में पारदर्शिता लाना जरूरी है। इसके फैसले में सभी को शामिल किया जाना चाहिए। सुरक्षा परिषद के एजेंडे की समीक्षा करके इसमें से गैर-जरूरी चीजों को हटाना बेहद अहम है।

भारत ने आगे कहा- वैश्विक सुरक्षा और शांति को लेकर खतरा बढ़ता जा रहा है। ऐसे में यूएनएससी को भी आगे बढ़ने की जरूरत है। जो सदस्य संगठन में बदलाव को रोक रहे हैं, उन्हें साथ आकर इसे 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने के लायक बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। बता दें कि पिछले साल भारत और अमेरिका ने मिलकर यूएनएससी में 26/11 मुंबई हमले में शामिल रहे लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी साजिद मीर को आतंकियों की लिस्ट में जोड़ने का प्रस्ताव रखा था।

पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ इजराइल में ही बढ़ रही नाराजगी

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन, 12 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका की खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस्राइल में पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और उनकी सरकार के खिलाफ लोगों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बेंजामिन नेतन्याहू की राजनीतिक स्वीकार्यता लगातार कम हो रही है। अमेरिका की सालाना खुफिया रिपोर्ट यूएस कांग्रेस में पेश की गई। इस अमेरिकी रिपोर्ट में कहा गया है कि नेतन्याहू की क्षमताओं पर लोगों को विश्वास कम हो रहा है और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर बड़े पैमाने पर इस्राइल में विरोध प्रदर्शन हो सकते हैं। अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल में एक नई और ज्यादा उदारवादी सरकार सत्ता में आ सकती है। रिपोर्ट में बेंजामिन नेतन्याहू सरकार की उस नाकामी का भी जिक्र है, जिसके तहत इस्राइल पर 7 अक्तूबर को हमास ने हमला किया। इसके चलते ही बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। हमास के खिलाफ इजराइली की गाजा में की जा रही सैन्य कार्रवाई के खिलाफ बड़े स्तर पर तबाही हुई है। इससे भी इजराइल के नागरिक सरकार की सैन्य कार्रवाई और उससे हासिल होने वाले नतीजों को लेकर बहुत ज्यादा आशावान नहीं हैं। गाजा में इजराइली कार्रवाई में हजारों लोगों की जान जा चुकी है और इसकी वजह से पूरी दुनिया से अमेरिका और इस्राइल पर दबाव बढ़ रहा है। मध्य पूर्व में अमेरिकी ठिकानों पर हमले बढ़ रहे हैं और इस लड़ाई के पूरे मध्य पूर्व में फैलने का खतरा बना हुआ है। यही वजह है कि अमेरिकी नेतृत्व और इजराइली नेतृत्व में भी मतभेद बढ़ रहे हैं। जो बाइडन सरकार ने इजराइल से अपील की है कि वह फलस्तीन में ज्यादा मात्रा में मानवीय मदद पहुंचाएं। बाइडन ने ये भी कहा था कि नेतन्याहू इजराइल को फायदा पहुंचाने के बजाय नुकसान पहुंचा रहे हैं। इस पर नेतन्याहू ने भी पलटवार किया था और दावा किया था कि बाइडन गलत सोच रहे हैं और उन्हें लोगों का समर्थन हासिल है।

बड़े पैमाने पर होगी 'सियासी तोड़-फोड़'!

कांग्रेस-बीजेपी नेताओं के 'दल-बदल' पर सबसे बड़ी अपडेट

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि ये शुरूआती दल-बदल तो अभी सिर्फ एक ट्रेलर मात्र है, पिक्चर तो अभी बाक़ी है। यानी कि कांग्रेस और भाजपा की सभी सीटों पर उम्मीदवार घोषित होने से लेकर लोकसभा चुनाव कार्यक्रम के तहत नामांकन की आखिरी तारीख तक बड़े पैमाने पर राजनीतिक उठापठक हो सकती है।

राजस्थान में लोकसभा चुनाव नज़दीक आने के साथ ही नेताओं के दल-बदल का सिलसिला शुरू हो चुका है। लेकिन राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि ये शुरूआती दल-बदल तो अभी सिर्फ एक ट्रेलर मात्र है, पिक्चर तो अभी बाक़ी है। यानी कि कांग्रेस और भाजपा की सभी सीटों पर उम्मीदवार घोषित होने से लेकर लोकसभा चुनाव कार्यक्रम के तहत नामांकन की आखिरी तारीख तक बड़े पैमाने पर राजनीतिक उठापठक हो सकती है।

10-12 नेताओं के संपर्क में भाजपा

भाजपा पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान के अलावा जयपुर, जालोर, गंगानगर, नसीराबाद के 10 से 12 नेताओं के पार्टी में आने को लेकर वार्ता चलने का दावा कर रही है। इनमें कांग्रेस सरकार में मंत्री व विधायक रहे नेता भी शामिल हैं। पूर्वी राजस्थान से आने वाले एक नेता कांग्रेस सरकार में मंत्री रह चुके हैं। वहीं, गंगानगर से चुनाव लड़ चुकी एक महिला नेता भी हैं, जिनका प्रभाव उस इलाके में है।

आशंका : कुछ नेता कांग्रेस के संपर्क में

भाजपा उन नेताओं पर भी नजर रखे हुए है, जिन्हें विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिला था। पार्टी को आशंका है कि ऐसे कुछ नेताओं से कांग्रेस संपर्क में हैं। इनमें एक जयपुर से ही बताए जा रहे हैं।

पलटवार की तैयारी में कांग्रेस

कांग्रेस अपने दस से बारह बड़े नेताओं के साथ बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद पलटवार की तैयारी में जुटी है। इस बीच भाजपा सांसद राहुल कस्वां ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी का दावा है कि भाजपा के 5 से 6 बड़े असंतुष्ट नेता उनके संपर्क में हैं। कांग्रेस के संपर्क में जो नेता हैं, वे जयपुर, हाड़ौती के अलावा अन्य शहरों के बताए जा रहे हैं।

भाजपा की दूसरी सूची के बाद बढ़ेगी संख्या

कांग्रेस नेताओं का मानना है कि भाजपा की दूसरी सूची आने के बाद और असंतुष्टों की संख्या बढ़ेगी और इन्हें पार्टी में लिया जाएगा। यही वजह है कि कांग्रेस टिकट वितरण में पीछे चल रही है। हाड़ौती क्षेत्र में भाजपा के एक पूर्व विधायक से कांग्रेस की लगातार वार्ता चल रही है। वहीं पूर्वी राजस्थान के एक विधायक काफी दिनों से जयपुर के एक पूर्व विधायकों को कांग्रेस में लाने की कवायद में जुटे हैं।

राजस्थान में कांग्रेस ने 10 उम्मीदवारों की घोषणा की

बीकानेर से गोविंदराम, भरतपुर से संजना

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने जालौर से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे और पूर्व आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, बीकानेर से गोविंदराम मेघवाल को चुनाव में उतारा गया है, जिनका मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के अर्जुन मेघवाल से होगा।

चूरू से भारतीय जनता पार्टी के सांसद राहुल कस्वां जो भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए हैं, उनको टिकट दिया गया है। इनका मुकाबला भाजपा के देवेंद्र झाझरिया के साथ होना है। अलवर सीट से ललित यादव को टिकट दिया गया है, जिनके सामने भाजपा के केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव मैदान में हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के सामने चित्तौड़गढ़ से कांग्रेस के द्वारा राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना को मैदान में उतर गया है। वहीं, जोधपुर से कांग्रेस ने करण सिंह को टिकट दिया है, जिनका मुकाबला केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के साथ होगा।

सीट का नाम	कांग्रेस प्रत्याशी
बीकानेर	गोविंदराम मेघवाल
चूरू	राहुल कस्वां
झुंझुनूं	बिजेंद्र ओला
अलवर	ललित यादव
भरतपुर	संजना जाटव
टोंक-सवाई माधोपुर	हरीशचंद्र मीणा
जोधपुर	करण सिंह उचियार्डा
जालोर	वैभव गहलोत
उदयपुर	ताराचंद्र मीणा
चित्तौड़गढ़	उदयलाल अजाना

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट ने बढ़ाई रोक

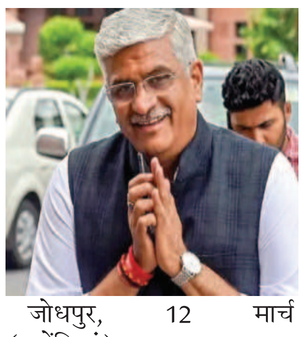

जोधपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने संजीवनी मल्टीस्टेट क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी मामले में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की गिरफ्तारी पर रोक और उनके खिलाफ कोर्ट की मंजूरी के बिना कोई आरोप पत्र दाखिल नहीं करने की राहत को 20 अप्रेल तक बढ़ा दिया है।

20 अप्रेल को होगी सुनवाई

न्यायाधीश कुलदीप माथुर की एकल पीठ में शेखावत के अधिवक्ता तथा राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने संयुक्त रूप से सुनवाई की अगली तिथि तय करने का अनुरोध किया।

इस पर कोर्ट ने अगली सुनवाई 20 अप्रेल मुकर्रर की है। पूर्ववर्ती सुनवाई पर कोर्ट ने एसओजी को यह छूट दी थी कि एजेंसी गवाहों के साथ-साथ संदिग्धों से साक्ष्य, मौखिक या दस्तावेजी साक्ष्य एकत्र कर सकेगी।

एजेंसी जांच के दौरान पूछताछ या सहायता के लिए गवाहों के साथ-साथ संदिग्धों को भी नोटिस जारी कर सकती है।

हालांकि कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री शेखावत के संबंध में स्पष्ट किया था कि चूंकि याचिकाकर्ता एक मौजूदा सांसद और सार्वजनिक व्यक्ति हैं, जिनकी कई पेशेवर प्रतिबद्धताएं हो सकती हैं, ऐसे में यदि उन्हें तलब किया जाना है, तो कम से कम 20 दिन पहले नोटिस देना होगा।

कांग्रेस विधायक को फोन पर मिली मारपीट करने की धमकी

पुलिस में मामला दर्ज कराया

नागौर, 12 मार्च (एजेंसियां)। मकराना विधायक जाकिर हुसैन गैसावत को एक युवक द्वारा फोन पर गाली-गलौच करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। विधायक ने इस संबंध में मकराना थानाधिकारी को शिकायत देते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। नागौर जिला कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष जाकिर गैसावत मकराना से कांग्रेस के विधायक हैं।

विधायक जाकिर गैसावत ने मकराना थाने में दी गई रिपोर्ट में बताया कि उनके निजी मोबाइल पर किसी राजेंद्र चौधरी उर्फ राजू नाम के युवक का फोन आया था। युवक ने उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए नागौर आने पर उनके साथ मारपीट करने और मारने की धमकी दी।

कांग्रेस विधायक ने इस धमकी प्रकरण पर कहा कि जब विधायक को इस तरह की धमकी मिल रही है तो इससे साफ दिखाई देता है कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले कितने बुलंद हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनावों के दौरान भी उन पर जानलेवा हमला हुआ था। पंचायत समिति, मकराना की साधारण सभा की बैठक में भी उसने बदतमीजी की गई थी और पुलिस के साथ भी धक्का-मुक्की की गई थी। इसके बाद अब फोन पर मारपीट करने की धमकी मिली है।

सीपी जोशी बोले- विस्थापितों के संरक्षण के लिए है नागरिकता संशोधन कानून, नागरिकता छीनने के लिए नहीं

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में पड़ोसी मुस्लिम देशों के विस्थापित एवं प्रताड़ित अल्पसंख्यक समुदाय के नागरिकों को सम्मान पूर्वक जीवन देने का वादा किया था। देश का जनमानस पूरी तरह से नागरिकता संशोधन कानून के पक्ष में है। जनता ने विशाल जनादेश देकर इसका समर्थन किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि नागरिकता संशोधन कानून नागरिकता देने के लिए है। बाहर से आए हुए विस्थापित बंधुओं को सम्मान पूर्वक जीवन और संरक्षण देने के लिए है, किसी की नागरिकता छीनने के लिए नहीं। नागरिकता संशोधन कानून 2019, तीन पड़ोसी देशों (पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश) के हिंदू, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध और पारसी अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता देने का रास्ता खोलता है, जिन्होंने लंबे समय से भारत में शरण ली हुई है।

नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं

इस कानून में किसी भी भारतीय, चाहे वह किसी मजहब का हो, उसकी नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है। अगर ये कानून 50 साल पहले ही बन गया होता तो आज ये इतनी बड़ी समस्या नहीं होती। 1947 में धर्म के आधार पर देश का विभाजन के लिए भी कांग्रेस जिम्मेदार है। कांग्रेस फिर से देश में विभाजन की राजनीति कर रही है। वह नागरिकता संशोधन कानून पर झूठ और भ्रम फैलाकर मुस्लिम समाज में भय का वातावरण बना रही है।

प्रताड़ित अल्पसंख्यकों के लिए भारत ही एकमात्र शरण स्थली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि पड़ोसी मुस्लिम देशों के प्रताड़ित अल्पसंख्यकों के लिए भारत ही एकमात्र शरण स्थली है। नागरिकता संशोधन कानून का उद्देश्य पड़ोसी देशों से आए अल्पसंख्यक बंधुओं को नागरिकता देने की प्रक्रिया को सरल बनाना है। पड़ोसी देशों में 1947 के समय हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की जनसंख्या की वर्तमान जनसंख्या से तुलना करें तो पूरी स्थिति स्पष्ट हो जाती है। 1947 में पाकिस्तान में 20 प्रतिशत से अधिक हिंदू एवं अन्य समुदाय के लोग थे। आज उनकी जनसंख्या दो प्रतिशत से भी कम हो गई है।

पाकिस्तान में सैकड़ों मंदिरों को तोड़ दिया गया और हिंदुओं का हिंसा के बल पर धर्म परिवर्तन किया गया। हिन्दू महिलाओं का अपहरण किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान देश के 140 करोड़ नागरिकों का अपमान

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अपमान देश के 140 करोड़ नागरिकों का अपमान है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सार्वजनिक वक्तव्यों में अभद्रता की सारी सीमाओं को लांग रहे हैं। देश के लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा कांग्रेस की मानसिकता एवं चिंतन है। अब समय आ गया है टुकड़े.टुकड़े गैंग और तुष्टिकरण की कांग्रेसी विचारधारा को समूल नष्ट किया जाए।

देश की एकता और अखंडता के लिए सबसे बड़ा खतरा यह विचारधारा है।

सुविधा विस्तार के लिए सांसद मीणा ने रेलवे अधिकारियों से रखी मांग, स्टेशन का नाम बदलने पर चर्चा

दौसा, 12 मार्च (एजेंसियां)। दौसा सांसद जसकौर मीना ने दौसा लोकसभा क्षेत्र में और नई सुविधाओं को लेकर रेलवे अधिकारियों के साथ चर्चा की। साथ ही जल्द समाधान की मांग उठाई।

दौसा सांसद जसकौर मीना ने बताया कि आज उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के महाप्रबंधक अमिताभ के साथ मेरे संसदीय क्षेत्र दौसा के अंतर्गत आने वाले सभी रेलवे स्टेशनों की सुविधा विस्तार से संबंधित सार्थक चर्चा हुई है।

इस वार्ता में दौसा-गंगापुर रेलवे लाइन में रेलवे स्टेशन का नाम सलेमपुरा अरनिया खुर्द के स्थान पर अरण्या कलां रेलवे स्टेशन करने, दौसा-गंगापुर रेलवे लाइन के मध्य ग्राम श्रीरामचंद्रपुरा उर्फ नयागांव के निवासियों को रास्ता दिलवाने पर बात हुई।

साथ ही काली का फाटक नं. 192 सीईआई बांसखो से जयपुर की ओर, को 24 घंटे चालू रखने और ग्राम नयावास (जरड़ा ढाणी) तहसील राहुवास जिला दौसा से गुजर रही दौसा-गंगापुर रेलवे लाइन से आम रास्ता बंद न हो जिस हेतु अंडरपास के निर्माण सहित अन्य व्यवस्थाओं के सुधार से संबंधित बिंदु सम्मिलित रहे।

इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक उत्तर पश्चिम रेलवे शशांक एवं मुख्य जनसंपर्क अधिकारी उत्तर पश्चिम रेलवे शशि किरण सहित रेलवे के कई अधिकारी कर्मचारी

दो दिवसीय हड़ताल के बाद पेट्रोल पंप खुले

सरकार को दिया 7 दिन का अल्टीमेटम

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। पूरे प्रदेश दो दिन चली पेट्रोल पंप संचालकों की हड़ताल बहरहाल स्थगित कर दी गई है और आज सुबह 6 बजे से पेट्रोल पंप खुल गए हैं। दो दिन चली इस हड़ताल के बाद राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन ने अपनी मांगें पूरी करने के लिए राज्य सरकार को 7 अल्टीमेटम दिया है। सरकार द्वारा मांगों पर विचार नहीं करने की स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल भी की जा सकती है।

हड़ताल के दूसरे दिन 11 मार्च को पेट्रोल पंप संचालकों ने सचिवालय का घेराव कर राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि प्रदेश की बीजेपी सरकार ने धोखा दिया है। विधानसभा चुनाव से पहले जिन मांगों को जायज बताकर वैट घटाने की मांग का समर्थन किया था। सत्ता में आने के बाद उसे भुला दिया है।

पीएम मोदी ने भी इस बात की गारंटी दी थी लेकिन तीन महीने बीतने के बाद भी गारंटी पूरी नहीं की गई।

स्टेच्यू सर्कल से वाहन रैली के रूप में सचिवालय पहुंचे पेट्रोल पंप संचालकों के 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सचिवालय पहुंचकर सीएस सुधांश पंत की गैर मौजूदगी में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत को ज्ञापन दिया सौंपा। इसके बाद पेट्रोल पंप संचालकों ने सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम देकर हड़ताल स्थगित कर दी।

प्रदेश सरकार के मंत्री ओटाराम देवासी को हार्ट अटैक

एसएमएस अस्पताल में चल रहा है इलाज

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार में मंत्री ओटाराम देवासी को दिल का दौरा पड़ने की वजह से एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंत्री देवासी इस वक्त आईसीयू में भर्ती हैं और डॉक्टरों की टीम उनकी जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार देवासी को आया अटैक मिनी अटैक बताया जा रहा है। प्रदेश की सिरोही शिवगंज सीट से विधायक देवासी कल मंत्रिमंडल के साथ अयोध्या दर्शन करके लौटे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

भर्ती प्रक्रिया के विरोध में हड़ताल का ऐलान

प्रदेश भर के सफाईकर्मी आज से करेंगे सफाई बंद

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। स्वायत्त शासन विभाग द्वारा निकाली गई सफाईकर्मियों की भर्ती प्रक्रिया के विरोध में प्रदेश के सफाईकर्मी हड़ताल पर चले गए हैं। इन सफाईकर्मियों की मांग है कि भर्ती प्रक्रिया में वाल्मीकि समाज के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाए। इसी मांग को लेकर सभी सफाईकर्मी 12 मार्च से हड़ताल पर चले गए हैं। वे किसी भी नगर निगम, पालिका और बोर्ड के कार्यालय में सफाई नहीं करेंगे।

ध्यान रहे कि स्वायत्त शासन विभाग की ओर से पिछले दिनों 24,797 पदों पर सफाई कर्मियों की भर्ती निकाली गई है। भर्ती प्रक्रिया में लॉटरी से चयन करने और फिर प्रैक्टिकल के आधार पर क्षमता परखने के बाद सफाईकर्मियों का अंतिम चयन किया जाना प्रस्तावित है। इस भर्ती प्रक्रिया में राज्य सरकार की ओर से अन्य सरकारी नौकरियों की तरह ही आरक्षण का प्रावधान लागू करना तय किया गया है।

सफाईकर्मियों के संगठनों और वाल्मीकि समाज के प्रतिनिधियों ने एक पांच सूत्री मांग पत्र तैयार किया है, जिसमें सफाई कर्मियों की भर्ती मस्टररोल प्रक्रिया से करने, निगम, पालिका, परिषद और विभिन्न कार्यालयों और अन्य स्थानों पर सफाई कार्य कर रहे कर्मचारियों को भर्ती प्रक्रिया में प्राथमिकता देने, जिन अभ्यर्थियों के कोर्ट केस कोर्ट में विचाराधीन हैं, उन्हें भी भर्ती में प्राथमिकता दिए जाने की मांग की गई है।

साथ ही अन्य सरकारी नौकरियों में लागू की जा रही आरक्षण व्यवस्था के बजाय सफाईकर्मियों की भर्ती में वाल्मीकि समाज के अभ्यर्थियों को 60 प्रतिशत पदों पर प्राथमिकता दिए जाने की मांग की गई है।

आज प्रदेश में हल्की बूंदाबांदी के संकेत

15 के बाद आएगी तापमान में तेजी

जयपुर, 12 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। हाड़ कंपाने वाली सर्दी के बाद अब झुलसाने वाली गर्मी की तैयारी हो गई है। मार्च के महीने में ही प्रदेश के कई इलाकों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री पार कर चुका है। इसी बीच मौसम विभाग ने 13 मार्च को हल्की बारिश की चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार 13 मार्च को एक हल्के प्रभाव का पश्चिमी विक्षोभ प्रदेश में सक्रिय होगा, जिसके असर से 8 जिलों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इसके बाद 15 मार्च से प्रदेश में तापमान और बढ़ेगा।

अधिकतम तापमान की बात करें तो बाड़मेर, जोधपुर और जालौर में दिन का तापमान बढ़कर 33 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तथा अजमेर, कोटा, चित्तौड़गढ़ व उदयपुर में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 14 मार्च को पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म हो जाएगा। इसके बाद पश्चिम से गर्म हवाएं चलने से राजस्थान में 16-17 मार्च से गर्मी तेज होने लगेगी।

सरकार ने तेलंगाना में विभिन्न समुदायों के लिए 16 निगम स्थापित करने का निर्णय लिया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने तेलंगाना में विभिन्न समुदायों के लिए 16 अलग-अलग निगमों का गठन करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को यहां सचिवालय में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में विभिन्न विषयों पर कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यहां मीडिया को कैबिनेट के फैसलों का खुलासा करते हुए, बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मंत्रियों कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और डी श्रीधर बाबू के साथ कहा कि राज्य सरकार मुदिराज, यादव, कुरुमा, लिंगायत, पद्मशाली, पेरका और बलिजा, रेड्डी, वैश्य, मडिगा, मडिगा उपजातियां और माला समुदाय उपजातियां स्थापित करेगी। पोन्नम ने कहा, कैबिनेट ने ताड़ी श्रमिकों की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय करने का भी निर्णय लिया है। आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि कैबिनेट ने 22,500 करोड़ रुपये की लागत से 4,50,000 इंदिराम्मा मकान वितरित करने का भी निर्णय लिया है, जिसमें तेलंगाना के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 3,500 मकान आवंटित किए गए हैं। कैबिनेट ने महिला स्वयं समूहों द्वारा बनाए गए सामानों को बढ़ावा देने के लिए आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के आसपास 30 एकड़ भूमि आवंटित करने का निर्णय लिया है। इसी तरह, पिछली सरकार के दौरान निर्मित सिंचाई परियोजनाओं में अनियमितताओं की जांच के लिए न्यायमूर्ति पिनाकिनी चंद्र घोष की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया है, श्रीनिवास रेड्डी ने खुलासा किया। मंत्री ने कहा, समिति 100 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उन्होंने यह भी बताया कि कैबिनेट ने सभी पात्र लोगों के लिए सफेद राशन कार्ड जारी करने और तीन दिनों के भीतर 93 प्रतिशत तक रैतूबंधु बकाया का भुगतान करने का निर्णय लिया है। मंत्री डी श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने 2008 के डीएससी अभ्यर्थियों को न्यूनतम वेतनमान देने और उन्हें नौकरियां देने का निर्णय लिया है। श्रीधर बाबू ने बताया, यह सुनिश्चित करने के लिए भी निर्णय लिया गया है कि गर्मियों में पीने के पानी की कोई समस्या न हो। इसी तरह, महिला सशक्तीकरण के लिए 15 वस्तुओं के साथ एक विशेष कार्यक्रम डिजाइन करने का भी निर्णय लिया गया। सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मंत्री तेलंगाना के विकास के लिए एक टीम के रूप में मिलकर काम कर रहे हैं और दोहराया कि चुनाव अभियान के दौरान किए गए सभी वादों को लागू किया जाएगा।

तेलंगाना से बाहर जा रहे निवेश को लेकर केटीआर चिंतित

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उद्योग और आईटी मंत्री और बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के तारक रामा राव ने आज तेलंगाना से निवेश के बहिर्वाह पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के पिछले 10 वर्षों में तेलंगाना राज्य में निवेश लाने के लिए किए गए प्रयास बेकार हो रहे हैं। केटीआर ने उन रिपोर्टों पर नाराजगी व्यक्त की कि सेमीकंडक्टर निर्माता कायन्स, जिसे सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण निवेश माना जाता है, तेलंगाना से गुजरात जा रहा है। "जब यही कंपनी पिछले दिनों कर्नाटक जाने के लिए तैयार थी, तो हमने बहुत प्रयास किए और इसके प्रबंधन को तेलंगाना में निवेश करने के लिए राजी किया। जब कंपनी कोंगराकलां में फॉक्सकॉन की फैक्ट्री के करीब जमीन का आवंटन चाहती थी, तो हमने कंपनी से औपचारिक अनुरोध के 10 दिनों के भीतर भूमिआवंटन किया। एक ट्वीट में केटीआर ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के साथ-साथ कंपनी की ओएसएटी इकाई की स्थापना बहुत महत्वपूर्ण थी। केटीआर ने सुझाव दिया कि राज्य सरकार बातचीत करे और कायन्स के प्रबंधन को तेलंगाना राज्य में अपना निवेश जारी रखने के लिए मनाए।

देश के विकास में महिलाओं की भूमिका अहम : आशीष सांगवान

निर्मल, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर आशीष सांगवाल ले कहा की, पूरे विश्व में महिलाएं हर क्षेत्र में प्रगति कर रही हैं। देश के विकास में महिलाओं की भूमिका अहम है। 9जिला समाहरणालय सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में कलेक्टर शामिल हुए। उन्होंने आगे कहा की, वोट का अधिकार मिलने के बाद महिलाओं की प्रगति शुरू हुई और महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ सभी को मिलकर लड़ना चाहिए। उन्हों ने महिलाओं से आव्हान किया कि आगामी संसदीय चुनावों में शत-प्रतिशत मताधिकार का प्रयोग करें। अपर समाहर्ता फैजान अहमद ने अंबेडकर के शब्दों को याद करते हुए कहा कि कोई राष्ट्र तभी विकसित होता है जब महिलाओं का विकास होता है। महिलाओं का सम्मान करना चाहिए और सभी को महिला सशक्तिकरण के लिए काम करना चाहिए। कलेक्टर ने इस माह स्वीप द्वारा आयोजित रंगोली प्रतियोगिता एवं मेहंदी प्रतियोगिता में विजेता महिलाओं को सम्मानित किया एवं पुरस्कार प्रदान किये। इससे पहले विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

सरकारी जमींनों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाएं : कलेक्टर

निर्मल, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलक्टर आशीष सांगवान ने अधिकारियों को सरकारी जमीनों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिये। मंगलवार को उन्होंने समाहरणालय सभाकक्ष में शहर, मंडल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी स्थलों एवं चेरुवु शिखम भूमि की सुरक्षा के लिए किये जा रहे उपायों पर संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में कलेक्टर ने सरकारी स्थानों, परियोजनाओं की नहरों और तालाबों की सीमाओं की पहचान करने और उन्हें अतिक्रमण से बचाने के उपाय करने की सलाह दी और स्थानों व शिखम भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कारवाई करने का आदेश दिया। इसके बाद उन्होंने विभागों के अनुसार जमीनों और स्थानों के बारे में चर्चा की। इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता फैजान अहमद, किशोर कुमार, आरडीओ रत्नकल्याणी, समाहरणालय पर्यवेक्षक अतिगोइनुथन, राजस्व, पुलिस, सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं कर्मि शामिल थे।

राष्ट्रीय पोषण परववाडा पोस्टर का अनावरण

हनुमाकोंडा, 12 मार्च(स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने की 9 से 23 तारीख तक देशभर में आयोजित होने वाले छठे राष्ट्रीय पोषण पक्ष-2024 कार्यक्रम के तहत मंगलवार को अपर कलेक्टर राधिका गुप्ता ने पोषण पखवाड़ा दीवार पत्रिका का अनावरण किया। इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर राधिका गुप्ता ने कहा कि शिक्षा के महत्व और पोषण की आवश्यकता के बारे में सभी के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए।

कार्यक्रम में जिला कल्याण अधिकारी के मधुरिमा, अधीक्षक लक्ष्मीकांत रेड्डी, विस्तार अधिकारी वी सिंधु रानी, पोषण अभियान जिला समन्वयक टी सुमलता, पर्यवेक्षक कविता, पोषण अभियान डीपीए स्वाति, ब्लॉक समन्वयक प्रीति और अन्य ने भाग लिया।

मार्च एंड तक और बढेगी गर्मी की मार

40 डिग्री पार होगा हैदराबाद का पारा

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबादवासी इस साल हर साल की तुलना में अधिक तेज धुप का सामना करना पड रहा है। लेकिन आनेवाले दिनों और महिनों में यह धूप संकट का रूप धारण करने की संभावनाएं भारत मौसम विज्ञान विभाग हैदराबाद (आईएमडी-एच) द्वारा दी गई चेतावणी के कारण बढ गई है। मार्च के आखिर तक हैदराबाद का पारा 40 डिग्री पार जाने की और लू चलने की भविष्यवाणी आईएमडी-एच ने की है।

हाल के दिनों में हैदराबाद शहर में तीव्र उमस की स्थिति का अनुभव होने के बावजूद, अधिकतम तापमान अब तक सामान्य सीमा के भीतर बना हुआ है। हालाँकि, आईएमडी-एच के वैज्ञानिकों ने एक चेतावनी नोट जारी किया है, जिसमें भविष्यवाणी की गई है कि पारा का स्तर सामान्य चरम सीमा से अधिक बढ़ने वाला है। आईएमडी-एच के वैज्ञानिक डॉ ए श्रावणी ने कहा, शहर में मार्च के अंत तक औसत अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो सकता है। 21 मार्च के बाद बहुत हल्की बारिश होने की भी संभावना है जिससे कुछ राहत मिलेगी।

आईएमडी ने दी चेतावनी

मंगलवार को शहर का औसत अधिकतम तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस और सापेक्षिक आर्द्रता 68 प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं कारवान में गर्मी की मार झेलनी पड़ी और सबसे अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद जुबली हिल्स में 38.9 डिग्री सेल्सियस और कापरा में 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी-एच के नवीनतम पूर्वानुमान के अनुसार, हैदराबाद में अगले पांच दिनों में औसत अधिकतम तापमान 36 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है।

हैदराबाद के लिए पर्याप्त पेयजल : जल बोर्ड

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एचएमडब्ल्यूएस एंड एसबी द्वारा मंगलवार को जारी एक प्रेस बयान में कहा है कि इस गर्मी में हैदराबाद की पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार है।

हैदराबाद के साथ ओआरआर के भीतर के क्षेत्रों के लिए, जल बोर्ड नागार्जुन सागर जलाशय और कृष्णा पेयजल आपूर्ति चरण - 1, 2, और 3 के माध्यम से अक्कमपल्ली बैलेंसिंग जलाशय से प्रति दिन 270 एमजीडी पानी ला रहा है। उस गणना के साथ, कुल हर माह 1.38 टीएमसी पानी की आपूर्ति की जाती है।

बयान के मुताबिक, मंगलवार तक नागार्जुन सागर की जल भंडारण क्षमता 514.10 फीट पर 138.73 टीएमसी है। पिछले साल इसी दिन 539.40 फीट पर 187.07 टीएमसी पानी था। वर्तमान में, डेड स्टोरेज लेवल यानी 510 फीट से ऊपर 7.06 टीएमसी पानी उपलब्ध है।

यह दोहराते हुए कि इस गर्मी में 270 एमजीडी पानी की आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं होगा, उन्होंने कहा कि अधिकारी समय-समय पर जल स्तर की निगरानी कर रहे हैं। जब जल स्तर 510 फीट तक पहुंच जाएगा तो आपातकालीन पंपिंग के माध्यम से प्रयास किए जाएंगे, जिसकी व्यवस्था पहले ही पूरी कर ली गई है। गोदावरी जल के लिए येलमपल्ली जलाशय में मृत भंडारण से पानी निकालने के लिए आपातकालीन पंपिंग शुरू कर दी गई है। इसके अलावा, जरूरत के आधार पर उस्मान सागर और हिमायत सागर के जुड़वां जलाशयों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा सिंगूर और मंजीरा जलाशयों में भी पानी का संतोषजनक भंडार है।

एनएफसी में मनाया गया सीआईएसएफ का स्थापना दिवस

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीआईएसएफ का 55 वां स्थापना दिवस हैदराबाद के सीआईएसएफ यूनिट एनएफसी में कमांडेंट राहुल सिंह गौतम और कर्मियों ने मनाया। इस अवसर पर एनएफसी के मुख्य कार्यपालक डॉ कोमल कपूर मुख्य अतिथी के रुप में उपस्थित थे और ईसीआईएल सीएमडी अनुराग कुमार ने इस कार्यक्रम कि अध्यक्षता की। इस अवसर पर सीआईएसएफ परिवार उत्साह वर्धन के लिए उपस्थित रहे।

गोशामहल में आयोजित कार्यक्रम में 45 कल्याण लक्ष्मी और 40 शादी मुबारक चेक लाभार्थियों को वितरित किए गए। इस अवसर पर जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल, गोशामहल पार्षद लाल सिंह, कृष्णा, श्रीमती उषा एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाग्य लक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना की

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री अमित शाह आज श्री भाग्य लक्ष्मी मंदिर, चारमीनार हैदराबाद पहुंचे। सिकंदराबाद के सांसद और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी के साथ श्री शाह ने मंदिर में श्री भाग्य लक्ष्मी माता की पूजा अर्चना की। इस दौरान श्री भाग्य लक्ष्मी की चेयरमैन सुश्री शशिकला मिश्रा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भाग्य लक्ष्मी माता की विशेष प्रतिमा प्रदान की।

हरीश राव ने किया डीएससी के माध्यम से टीईटी आयोजित करने का आग्रह

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक टी हरीश राव ने आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखा और उनसे जिला चयन समितियों (डीएससी) के माध्यम से शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) आयोजित करने का आग्रह किया।

अपने पत्र में, हरीश राव ने सीएम को बताया कि राज्य सरकार ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के लिए डीएससी अधिसूचना जारी की थी और लगभग सात लाख डीएड और बीएड छात्र डीएससी का संचालन न होने के कारण इसके लिए आवेदन नहीं कर पाए थे। हाल के दिनों में टीईटी परीक्षा। इसके अलावा, 50,000 से अधिक छात्र हैं, जिन्होंने पिछले साल दिसंबर में अपना डी.एड और बी.एड पाठ्यक्रम पूरा किया है। आप जानते हैं कि केवल टीईटी उत्तीर्ण करने वाले ही डीएससी के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। बीआरएस सरकार ने पिछले साल सितंबर में टीईटी आयोजित की थी। कांग्रेस सरकार बनने के बाद टीईटी आयोजित नहीं की गई। सात लाख से ज्यादा लोग टीईटी परीक्षा का इंतजार कर रहे हैं। वे टीईटी पास करने और डीएससी के लिए आवेदन करने की उम्मीद कर रहे हैं। इसलिए, डीएससी अधिसूचना के साथ, मैं आपसे टीईटी आयोजित करने और यह सुनिश्चित करने का अनुरोध करता हूं कि छात्रों और बेरोजगारों के अवसर प्रभावित न हों, राव ने अपने पत्र में कहा।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं को संबोधित किया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और भाजपा तेलंगाना राज्य इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने आज सिकंदराबाद के इंपीरियल गार्डन में भाजपा के सोशल मीडिया प्रभारियों की एक बैठक को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस साल अप्रैल और मई में देश भर में संसदीय चुनाव होने वाले हैं। यह एक ऐसा चुनाव है जहां देश के लोग अपने वोट से तय करते हैं कि देश का प्रधान मंत्री कौन बनना चाहिए और देश में किस राजनीतिक दल को सत्ता में आना चाहिए। सोशल मीडिया वॉरियर्स की बैठक में आने के लिए मैं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देता हूं। भाजपा को राज्य में सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं की सेवाओं की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अगले संसदीय चुनाव में बीजेपी को तेलंगाना में एक मजबूत ताकत के रूप में उभरना चाहिए। तेलंगाना में, हम एमपी की 17 में से 17 सीटें जीतने के लक्ष्य के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। हमें हैदराबाद सीट जीतने की दिशा में भी काम करना चाहिए। सोशल मीडिया पर सतर्क रहकर गलत संदेशों से बचना चाहिए। राष्ट्रीय नेताओं द्वारा दिए गए संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। पिछले साढ़े नौ साल से पीएम नरेंद्र मोदी नेक और स्थिर प्रशासन कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने तेलंगाना राज्य में कई विकास पहल की हैं। पिछले 10 वर्षों में नरेंद्र मोदी सरकार ने तेलंगाना के विकास के लिए लगभग 10 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। नरेंद्र मोदी सरकार के विकास और कल्याण कार्यक्रमों को लोगों तक ले जाना चाहिए, उन्होंने कहा। उन्होंने दावा किया कि लोग बीआरएस पार्टी के 10 साल के पारिवारिक शासन से तंग आ चुके हैं और पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित की है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस और कांग्रेस दोनों ही परिवारवादी और भ्रष्ट पार्टियां हैं। बीआरएस और कांग्रेस के अलावा, एमआईएम भी एक पारिवारिक पार्टी है। तीनों पार्टियां पहले भी एक साथ चुनाव लड़ चुकी हैं। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव भी साथ मिलकर लड़ा था। लोगों को कांग्रेस, बीआरएस और एमआईएम पार्टियों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। यदि आप बीआरएस पार्टी को वोट देते हैं, तो वोट का दुरुपयोग किया जाएगा। तेलंगाना को बीआरएस पार्टी की जरूरत नहीं है। कांग्रेस पार्टी भी एक परिवार की पार्टी है। अगर केसीआर के परिवार ने 10 साल तक राज्य को लूटा, तो राहुल गांधी का परिवार तेलंगाना को लूट रहा है। छह गारंटियों के कार्यान्वयन के मुद्दे पर राज्य कांग्रेस पार्टी को रोका जाना चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पीएम मोदी ने ...

यहीं आज तीनों सेनाएं महा अभ्यास कर रही हैं। बता दें कि पीएम मोदी के इस दौरे के साथ उनका एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर छा गया है। इस वीडियो में पीएम मोदी बता रहे हैं कि कैसे भारत का परमाणु परीक्षण का पूरा का पूरा कार्यक्रम सौ टका स्वदेशी था।

दरअसल, जहां एक ओर हम सभी भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रगति करते हुए देख रहे हैं। वहीं पीएम मोदी के इस वीडियो में कही गई बातों की मानें तो 26 साल पहले भी हमारा दृष्टिकोण और मिशन स्पष्ट था और वह था 100 प्रतिशत मेक इन इंडिया।

मोदी आर्काइव हैंडल से एक्स पर शेयर किए गए इस वीडियो में पीएम नरेंद्र मोदी की आवाज आप खुद सुन सकते हैं। मोदी आर्काइव की तरफ से इस वीडियो के साथ लिखा गया है कि 1998 में पोखरण में भारत के सफल परमाणु परीक्षण के बाद नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण का यह अंश है।

इसमें पीएम मोदी का पूरा बयान गुजराती भाषा में है और वह इसमें इस बात पर जोर दे रहे हैं कि कैसे परमाणु परीक्षण कार्यक्रम में शामिल वैज्ञानिक भारतीय थे और पूरी तरह से भारत में शिक्षित थे। विशेष रूप से, उनमें से एपीजे अब्दुल कलाम ने तमिल माध्यम से पढ़ाई की थी, अंग्रेजी भी साथ में पढ़ी थी। मतलब पूरा का पूरा कार्यक्रम सौ टका मेक इन इंडिया था। वह इस वीडियो में कहते हुए सुने जा सकते हैं कि परमाणु परीक्षण भारतीयों की इच्छा शक्ति की विजय है।

पीएम ने वंदे ...

प्रधानमंत्री ने पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल गलियारों को विकास के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया। आज लगभग 600 किमी लंबे फ्रेट कॉरिडोर का उद्घाटन किया गया है, अहमदाबाद में ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन किया गया है। आज कई स्थानों पर रेलवे गुड्स शेड, गति शक्ति मल्टीमॉडल कार्गो टर्मिनल, डिजिटल कंट्रोल स्टेशन, रेलवे वर्कशॉप, रेलवे लोको शेड और रेलवे डिपो का भी उद्घाटन किया गया है। सभा को संबोधित करते हुए, अश्विनी वैष्णव ने कहा कि नरेंद्र मोदी रेलवे के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इसे 'विकसित भारत' के सपने को प्राप्त करने का माध्यम बनाया है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर खंडों में 2,500 किमी से अधिक ट्रैक बिछाया गया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने भी बात की।

बिना एनआरसी के ...

उन्होंने कहा, अब पोर्टल पर डेटा बताएगा। इसके बाद यह स्पष्ट होगा कि कानून का विरोध करने वालों के लिए यह दावें सही है या नहीं।सीएम सरमा ने आगे कहा, सीएए का समर्थन करने वाले भी असम में है और जो इसका समर्थन नहीं कर रहे हैं, वे भी यहां है। जो भी सीएए का विरोध कर रहे हैं, वे कोर्ट जा सकते हैं। हमारा उद्देश्य राज्य में शांति बनाए रखना है। मैं सभी से अपील करना चाहता हूं कि वे इस दिशा में आगे बढ़ें।

क्या है नागरिकता संशोधन अधिनियम :

बता दें कि सीएए के जरिए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता लेने में आसानी होगी। ऐसे अल्पसंख्यक, 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुके हों। इससे पहले भारत की नागरिकता हासिल करने के लिए किसी भी व्यक्ति को कम से कम 11 साल तक भारत में रहना जरूरी था। नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 के अंतर्गत इस नियम को आसान बनाया गया है। नागरिकता हासिल करने की अवधि को एक से छह साल किया गया है।

भारत और रूस ...

उन्होंने बताया कि कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा केंद्र के निर्माण के दौरान दोनों देशों को साथ मिलकर काम करने का काफी अनुभव मिला। लिखाचेवा ने बीते महीने तमिलनाडु के कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट का दौरा किया था। यह न्यूक्लियर पावर प्लांट रूस के सहयोग से ही बनाया जा रहा है। लिखाचेवा ने बताया कि भारतीय कंपनियां, रोसातोम द्वारा बांग्लादेश के रूपपुर में बनाए जा रहे परमाणु ऊर्जा प्लांट के निर्माण से भी जुड़ी हैं।

उन्होंने कहा कि भारत और रूस के बीच वैज्ञानिक रिसर्च और नियंत्रित थर्मोन्यूक्लियर फ्यूजन के क्षेत्र में सहयोग की काफी संभावनाएं हैं। रोसातोम, भारतीय वैज्ञानिकों को रूस में बनाए जा रहे एमबीआईआर मल्टी पर्पज फास्ट न्यूट्रॉन रिसर्च रिएक्टर में रिसर्च की सुविधा देने के लिए भी तैयार है। यह दुनिया का सबसे ताकतवर रिसर्च रिएक्टर होगा और इसमें मेडिकल, अप्लाइड फिजिक्स और नए तत्वों को बनाने जैसे मुद्दों पर रिसर्च होगी। चीन के बाद भारत में सबसे ज्यादा परमाणु ऊर्जा केंद्रों का निर्माण हो रहा है। साल 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल में 50 प्रतिशत की कटौती और 2050 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को पाने में परमाणु ऊर्जा बेहद अहम है।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पंत को बीसीसीआई ने फिट घोषित किया

कहा- आईपीएल में विकेटकीपिंग और बैटिंग के लिए तैयार ऋषभ; शमी-प्रसिद्ध टूर्नामेंट से बाहर

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के ऋषभ पंत ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। उन्हें बीसीसीआई ने फिट घोषित किया। बीसीसीआई ने ही बताया कि गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं।

दूसरी ओर मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव आईपीएल के शुरुआती 2 मैच नहीं खेल सकेंगे। वह अब तक सर्जरी कराने के बाद रिकवर नहीं हो सके।

पंत आईपीएल के लिए फिट- बीसीसीआई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने ऋषभ पंत, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद शमी की इंजरी पर अपडेट दिया। बोर्ड ने बताया, 14 महीने के लम्बे रिहैब और रिकवरी प्रोसेस के बाद ऋषभ पंत अब विकेटकीपिंग और बैटिंग करने के लिए फिट हैं। वह आईपीएल 2024 में हिस्सा ले सकते हैं।

शमी और प्रसिद्ध टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे

बोर्ड ने कहा कि प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद शमी फिलहाल इंजरी से रिकवरी कर रहे हैं। दोनों ही खिलाड़ी आईपीएल में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। प्रसिद्ध ने 23 फरवरी को सर्जरी कराई। दूसरी ओर शमी ने भी फरवरी के आखिरी सप्ताह में ही सर्जरी करवाई। दोनों को फिट होने में सितंबर तक का समय लग जाएगा।

सूर्यकुमार साउथ अफ्रीका में हुए थे इंजर्ड

सूर्यकुमार यादव आखिरी बार दिसंबर 2023 में भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते नजर आए थे। यहां साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने टी-20 में टीम इंडिया की कप्तानी की थी। इसी दौरान वे फील्डिंग के दौरान गेंद रोकने की कोशिश में इंजर्ड हो गए।

सूर्या को पैर में चोट लगी थी, जिसका इलाज कराने के लिए वे भारत लौटे। उन्होंने हर्निया की सर्जरी कराई और फिर एनसीए में रिहैब शुरू कर दिया। एनसीए से उनके अब तक फिट होने की जानकारी नहीं मिली है।

अप्रैल में कर सकते हैं वापसी

सर्जरी के कारण सूर्यकुमार की वापसी अब तक कन्फर्म नहीं हो सकी है। दिसंबर में इंजर्ड होने के बाद से वे एनसीए में रिकवरी कर रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट अनुसार, सूर्यकुमार मुंबई इंडियंस के लिए शुरुआती 2 मैच नहीं खेल सकेंगे।

आईपीएल का 17वां सीजन 22 मार्च से शुरू हो रहा है। मुंबई अपना पहला मैच 24 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलेगी। टीम दूसरे मैच में 27 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। दोनों में ही सूर्या का खेलना मुश्किल है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, सूर्यकुमार अप्रैल में खेल के मैदान पर वापसी कर सकते हैं। एक अप्रैल को मुंबई इंडियंस लीग स्टेज के अपने तीसरे मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स से भिड़ेगी। इसी मैच में सूर्या खेलते नजर आ सकते हैं।

रिकवरी की तस्वीरें शेयर कर रहे सूर्या

सूर्यकुमार यादव ने इंजरी के बाद अपने खेलने के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट नहीं किए। वे अपनी रिकवरी और ट्रेनिंग की तस्वीरें ही शेयर कर रहे हैं। ऐसा माना जा सकता है कि उन्होंने अब तक फुल स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और बैटिंग शुरू नहीं की है।

3 हजार से ज्यादा आईपीएल रन बना चुके हैं सूर्यकुमार

सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस से ही आईपीएल खेलने की शुरुआत की। उन्हें फिर कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा, यहां अच्छा प्रदर्शन करने के बाद उन्हें मुंबई ने फिर ऑक्शन में खरीद लिया। मुंबई से ही उनका क्रिकेट करियर तेजी से बढ़ा। उन्होंने टीम इंडिया में जगह बनाई और 4 इंटरनेशनल सेंचुरी लगाईं। इसके साथ ही वे ICC टी-20 बैटर्स रैंकिंग में नंबर-1 बन गए।

139 आईपीएल मैचों में सूर्या के नाम 143.32 की स्ट्राइक रेट से 3,249 रन हैं। उन्होंने IPL में एक शतक और 21 फिफ्टी लगाई हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट के 60 मैचों में सूर्या ने 171.55 की स्ट्राइक रेट से 2141 रन बनाए हैं। इनमें 4 सेंचुरी और 17 फिफ्टी शामिल हैं। सूर्यकुमार ने भारत के लिए 37 वनडे और एक टेस्ट भी खेला है।

आईपीएल 2024 से पहले यशस्वी जायसवाल के लिए खुशखबरी

आईसीसी ने दिया खास तोहफा

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। भारत के विस्फोटक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खूब धूम मचाया था। खिलाड़ी ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में लगातार 2 दोहरे शतक लगाए थे। उन्होंने इस सीरीज में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए थे। युवा खिलाड़ी जायसवाल की दमदार प्रदर्शन के कारण भारत ने इस सीरीज पर भी 4-1 से कब्जा जमा लिया है। अब इस सीरीज के बाद आईसीसी यशस्वी जायसवाल पर मेहरबान हो गया है। आईसीसी ने यशस्वी जायसवाल को आईपीएल से पहले बड़ा तोहफा दे दिया है।

ये 3 खिलाड़ी हुए थे नॉमिनेट

यशस्वी जायसवाल किसी एक टेस्ट सीरीज में भारत की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इसके अलावा जायसवाल एक टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक छक्का लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। इस कारण से खिलाड़ी को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था। अब खिलाड़ी को एक और बड़ा उपहार मिला है। आईसीसी ने यशस्वी जायसवाल को फरवरी महीने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मंथ' चुन लिया है। उन्हें प्लेयर ऑफ द मंथ के अवार्ड से नवाजा गया है। इस अवार्ड के लिए जायसवाल के अलावा न्यूजीलैंड के दिग्गज खिलाड़ी केन विलियमसन और श्रीलंका के स्टार खिलाड़ी पथुम निशंका को नॉमिनेट किया गया था। लेकिन आईसीसी ने यह अवार्ड यशस्वी जायसवाल को देने का फैसला किया है।

टी20 विश्व कप 2024 में विराट कोहली की जगह पर खतरा! सेलेक्टर्स ले सकते हैं कड़ा फैसला

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली काफी समय से क्रिकेट से दूर चल रहे हैं। फैंस को उम्मीद है कि विराट कोहली आईपीएल 2024 में खेलते हुए दिखाई दे सकते हैं लेकिन इस बीच बड़ी जानकारी सामने आ रही है कि टी20 विश्व कप 2024 को लेकर विराट कोहली की टीम इंडिया में जगह पर खतरा मंडरा रहा है। दरअसल विराट कोहली को लेकर अभी तक कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है कि कब विराट कोहली की मैदान पर वापसी होगी क्या विराट कोहली आईपीएल 2024 में खेलेंगे? विराट कोहली इंग्लैंड के साथ खेली गई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया था।

टी20 विश्व कप को लेकर सेलेक्टर्स लेंगे कड़े फैसले!

आईपीएल 2024 के बीच टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम इंडिया का ऐलान होगा। सेलेक्टर्स की नजरें अब आईपीएल 2024 पर टिकी है जो खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करेगा उसको टी20 विश्व कप 2024 के लिए टीम में शामिल किया जा सकता है। द टेलीग्राफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक टी20 विश्व कप 2024 को लेकर टीम प्रबंधन और चयनकर्ता कुछ कड़े फैसले ले सकते हैं। लेकिन अभी तक विराट कोहली का टी20 विश्व कप 2024 से बाहर होना तय नहीं माना जा रहा है।

अगर विराट कोहली आईपीएल 2024 में वापसी करते हैं और उनका प्रदर्शन शानदार रहता है तो चयनकर्ताओं का मन बदल सकता है। वहीं इसको लेकर बीसीसीआई सचिव जयशाह कह चुके हैं कि टी20 विश्व कप 2024 में रोहित शर्मा ही टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे। इसके अलावा विराट कोहली की टीम में जगह को लेकर अजीत अगरकर ही फैसला करेंगे। रिकोर्ट्स के अनुसार अजीत अगरकर विराट कोहली से टी20 विश्व कप को लेकर बात भी कर चुके हैं।

दरअसल इंग्लैंड के साथ खेली गई टेस्ट सीरीज के बीच विराट कोहली दूसरी बार पिता बने थे। जिसके चलते उन्होंने इस सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया था। इसके बाद से विराट कोहली की वापसी को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आया है। लेकिन फैंस को उम्मीद है कि विराट आईपीएल 2024 में जरूर वापसी करेंगे।

गुजरात की जीत से डब्ल्यूपीएल प्लेऑफ की रेस रोमांचक

नई दिल्ली, 12 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात जायंट्स ने विमेंस प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन में यूपी वॉरियर्स पर 8 रन की जीत हासिल की है। इस जीत टीम ने प्लेऑफ की उम्मीदें कायम रखी हैं। गुजरात का आखिरी मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से 13 मार्च को होगा। अरुण जेटली मैदान पर गुजरात ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 152 रन बनाए। जवाब में यूपी की टीम 20 ओवर में 5 विकेट पर 144 रन ही बना सकी। शबनम शकील को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 11 रन देकर 3 विकेट लिए।

रोमांचक मोड़ पर प्लेऑफ की रेस

गुजरात की जीत से विमेंस प्रीमियर लीग के मौजूदा सीजन की प्लेऑफ रेस रोमांचक मोड़ पर है। मौजूदा स्थिति में तीनों टीमों के पास प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने के मौके हैं। दिल्ली और मुंबई पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। ऐसे में बेंगलुरु, गुजरात और यूपी के बीच एक स्थान के लिए रेस है। आगे समझिए समीकरण...

बेंगलुरु को आखिरी मैच जीतना होगा बेंगलुरु के पास 6 अंक हैं। टीम को आखिरी मुकाबला मुंबई से खेलना है। यदि बेंगलुरु मंगलवार को मुंबई से होने वाला मैच जीत लेती है, तो प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। इस स्थिति में यूपी और गुजरात बाहर हो जाएंगी। यदि बेंगलुरु हारती है, तो यूपी और गुजरात की उम्मीदें कायम रहेंगी, क्योंकि यूपी के पास भी 6 अंक हैं और गुजरात अपना आखिरी मैच जीतकर 6 अंक तक पहुंच सकती है।

यूपी के लिए बेंगलुरु और गुजरात का हारना जरूरी यूपी की टीम चाहेगी कि बेंगलुरु और गुजरात की टीमें अपने-अपने आखिरी मुकाबले बड़े अंतर से हार जाएं और उनका रन रेट यूपी से कम हो।

बेंगलुरु की हार के साथ गुजरात को बड़े अंतर से जीतना होगा गुजरात की टीम प्रार्थना करेगी कि बेंगलुरु की टीम अपने आखिरी मुकाबले में मुंबई से हार जाए। ऐसे में गुजरात को 13 मार्च को दिल्ली के खिलाफ बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी।

दीप्ति शर्मा की अर्धशतकीय पारी, लेकिन टीम हारी

153 रन का टारगेट चेज करने उतरी यूपी की टीम ने शुरुआती विकेट जल्दी गंवा दिए। एक समय टीम का स्कोर 35/5 रहा। ऐसे में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने पूनम खेमनार के साथ मोर्चा संभाला। दोनों के बीच 78 बॉल पर नाबाद 109 रन की साझेदारी हुई। दीप्ति शर्मा ने लगातार तीसरी हाफ सेंचुरी जमाई। वे इस लीग में ऐसा करने वाली पहली भारतीय बल्लेबाज बनीं। उन्होंने 60 बॉल पर नाबाद 88 रन बनाए। खेमनार ने 36 बॉल पर 36 रन का योगदान दिया।

शबनम शकील ने झटके 3 विकेट

गुजरात की ओर से शबनम शकील ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने अपने कोटे के चार ओवर में 11 रन देकर 3 विकेट लिए। एश्ले गार्डनर और कैथरीन ब्राइस को एक-एक विकेट मिला।

ओपनर्स ने दिलाई मजबूत शुरुआत

ओपनर लौरा वोल्वार्ट और बेथ मूनी ने गुजरात जायंट्स को मजबूत शुरुआत दिलाई। लौरा ने 43 और कप्तान बेथ मूनी ने नाबाद 74 रन की पारी खेली। इस जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 47 बॉल पर 60 रनों की साझेदारी की।

इस साझेदारी को सोफी एक्लेस्टन ने वोल्वार्ट को आउट करके तोड़ा। टीम की शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं। एक्लेस्टन ने यूपी के लिए 3 विकेट लिए, जबकि दीप्ति शर्मा को 2 सफलताएं मिलीं। चमारी अटापट्टू और राजेश्वरी गायकवाड़ को एक-एक विकेट मिला।

राशिद खान वापसी के लिए तैयार

आयरलैंड के खिलाफ कप्तानी करेंगे

आईपीएल भी खेलेंगे; वनडे वर्ल्ड कप में हुए थे इंजर्ड

खेल डेस्क, 12 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान के टी-20 कप्तान राशिद खान इंजरी से रिकवरी करने के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। वह आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में खेलते नजर आएंगे। सीरीज का पहला मुकाबला 15 मार्च को खेला जाएगा।

लेग स्पिन ऑलराउंडर राशिद पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के दौरान इंजर्ड हो गए थे। टूर्नामेंट के बाद उन्होंने सर्जरी कराई, जिस कारण वह 3 महीने तक क्रिकेट नहीं खेल सके। अब वह आयरलैंड के खिलाफ कप्तानी करेंगे और आईपीएल भी खेलेंगे।

राशिद खान ने वीडीओ को दिए इंटरव्यू में कहा, 'देश के लिए अगली सीरीज (आयरलैंड के खिलाफ टी-20) में खेलने का प्लान है। पिछले 2 दिनों से ट्रेनिंग ठीक रही, मुझे ज्यादा दिक्कत नहीं आई। उम्मीद है कि जल्द ही नेशनल टीम की जर्सी पहनकर मैदान में उतरूंगा।

रिहैब के दौरान पिछले 3 महीने मुश्किल रहे। रिकवर करने में उम्मीद से ज्यादा टाइम लग गया। मैं पिछले 7-8 महीने से पीठ में दर्द से जूझ रहा हूं। डॉक्टर्स ने मुझे वर्ल्ड कप से पहले ही सर्जरी कराने की सलाह दी थी, लेकिन इतने अहम टूर्नामेंट से पहले सर्जरी कराना मतलब टूर्नामेंट नहीं खेल पाना। मैंने सर्जरी टाली और टूर्नामेंट खेला।

सर्जरी के बाद अब मुझे अच्छा लग रहा है। रिकवरी बहुत धीरे-धीरे हुई, लेकिन अब मेरा फोकस फील्ड पर वापसी कर अपने देश को खुशी पहुंचाना है। वापसी के बाद फॉर्म वापस पाना भी एक चुनौती रहेगी।'

राशिद ने कहा, 'टी-20 वर्ल्ड कप से पहले तक सभी मैच खेलना जरूरी है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से भी हम टूर्नामेंट के लिए तैयारी कर रहे हैं। टीम का फोकस बड़े इवेंट के लिए पूरी तरह तैयार रहने पर है।

अगले 2 महीने टीम के रूप में हमारे लिए बेहद जरूरी हैं। टूर्नामेंट से पहले आयरलैंड के खिलाफ ही हम आखिरी मुकाबले खेलेंगे। मुझे आईपीएल में भी खेलने का फायदा मिलेगा। अच्छी बात यह है कि टीम के ज्यादातर खिलाड़ी आईपीएल खेलेंगे, इसलिए उनकी भी तैयार होगी। जो खिलाड़ी टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं हैं, उनसे भी हम लगातार बात करते रहेंगे।'

अफगानिस्तान की टीम इस वक्त आयरलैंड के खिलाफ तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेल रही है। एकमात्र टेस्ट आयरलैंड ने जीता। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला अफगानिस्तान के नाम रहा। वहीं दूसरा मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा हो गया। तीसरा वनडे आज शारजाह में भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे से खेला जाएगा। टी-20 सीरीज के 3 मुकाबले 15, 17 और 18 मार्च को खेले जाएंगे।

इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के साथ राशिद के आईपीएल में शामिल होने के दरवाजे भी खुल गए। राशिद टूर्नामेंट में गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा हैं। उनकी टीम 2022 में टूर्नामेंट में शामिल हुई और पहले ही सीजन में चैंपियन बनी। 2023 में भी टीम ने फाइनल में जगह बनाई, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ गया।

गुजरात ने शुरुआती 2 सीजन हार्दिक पंड्या की कप्तानी में खेले। अब हार्दिक मुंबई इंडियंस में पहुंच चुके हैं। इसलिए गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। राशिद खान दोनों सीजन टीम के उप कप्तान रहे, वह इस बार भी गुजरात के उप कप्तान रहेंगे।

आईपीएल 2024: मुंबई इंडियंस की बढ़ी मुश्किलें, बाहर होगा स्टार खिलाड़ी!

मुंबई, 12 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 का आगाज 22 मार्च से होने वाला है पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के बीच खेला जाएगा। वहीं मुंबई इंडियंस अपने अभियान की शुरुआत 24 मार्च से करेगी। वहीं सीजन की शुरुआत से पहले अब मुंबई इंडियंस की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। टीम स्टार खिलाड़ी पहले दो मैचों से बाहर रह सकता है। जिससे टीम की बल्लेबाजी कमजोर दिख सकती है। इस बार आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस नए कप्तान के साथ मैदान पर उतरने वाली है। हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस में वापसी के साथ उनको रोहित शर्मा की जगह टीम कप्तानी भी मिल चुकी है।

मुंबई इंडियंस के धाकड़ विस्फोटक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव इन दिनों नेशनल क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। सूर्यकुमार यादव साउथ अफ्रीका दौरे पर चोटिल हो गए थे जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई और अब वो खुद को फिट करने के लिए जमकर तैयारी कर रहे हैं। हालांकि नेशनल क्रिकेट अकादमी ने उनको अभी तक पूरी तरह से फिट घोषित नहीं किया है। बता दें, मुंबई इंडियंस अपना पहला 24 मार्च को गुजरात टाइटंस के साथ खेलेगी।

पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार सूर्यकुमार यादव गुजरात टाइटंस के साथ होने वाले पहले मैच को मिस करते सकते हैं इसके दूसरे मैच में भी उनके खेलने के काफी कम चांस है। अभी तक ये कंफर्म नहीं हुआ है कि एनसीए की स्पोर्ट्स साइंस और मेडिकल टीम गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले दो मैचों में खेलने के लिए मंजूरी देगी या नहीं।

टी20 विश्व कप 2024 में सूर्यकुमार की होगी अहम भूमिका

आईपीएल 2024 के बाद जून में टी20 विश्व कप 2024 का आगाज होगा। सूर्यकुमार यादव टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में विश्व के नंबर एक बल्लेबाज हैं ऐसे में इस बार टी20 विश्व कप 2024 में सूर्यकुमार टीम इंडिया के लिए अहम भूमिका निभाने वाले हैं। टी20 क्रिकेट में सूर्यकुमार यादव का बल्ला आग उगलता है। चोटिल होने से पहले भी सूर्यकुमार यादव काफी शानदार फॉर्म में थे। साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में सूर्यकुमार ने काफी शानदार पारियां खेली थी। ऐसे में अब फैंस को उम्मीद है कि आईपीएल 2024 में भी सूर्या अपनी इस शानदार फॉर्म को जारी रखे और टी20 विश्व कप 2024 के लिए हुंकार भरे।

भारत के खिलाफ भी ओपनिंग करेंगे स्मिथ

कोच बोले- रन बनाना जानते हैं स्टीव; 4 टेस्ट में एक फिफ्टी लगा सके पूर्व कप्तान

खेल डेस्क, 12 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ पिछले 2 महीने से टेस्ट में ओपनिंग कर रहे हैं। वह 8 पारियों में एक ही फिफ्टी लगा सके हैं, जिस कारण दिग्गज खिलाड़ी उन्हें इस पोजिशन से हटाए जाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, टीम के कोच एंड्रयू मैक्डॉनाल्ड ने उनकी ओपनिंग का बचाव किया।

मैक्डॉनाल्ड ने कहा कि स्टीव स्मिथ रन बनाना जानते हैं और वह भारत के खिलाफ साल की आखिरी सीरीज में भी ओपनिंग करेंगे। मैक्डॉनाल्ड ने कहा, 'भारत के खिलाफ खेलना चैलेंजिंग होगा, लेकिन स्मिथ इस टीम के खिलाफ बहुत रन बनाते हैं। इसलिए वह ओपनिंग से ही उन पर दबाव बनाने के मोटिवेशन के साथ खेलेंगे। स्मिथ ने खुद वॉर्नर (डेविड) के रिटायरमेंट के बाद ओपनिंग की इच्छा जताई थी। अब वह इस पोजिशन पर खेलने भी लगे हैं।'

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर ने इसी साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से रिटायरमेंट लिया था। उनके बाद स्टीव स्मिथ ने उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करना शुरू कर दिया। हालांकि, वह 8 पारियों में एक फिफ्टी ही लगा सके। इस दौरान उन्होंने 12, 11, 6, 91*, 31, 0, 11 और 9 रन के स्कोर बनाए।

कोच बोले- स्मिथ के लिए नया चैलेंज, उन्हें समय देना जरूरी

मैक्डॉनाल्ड ने कहा, 'टेस्ट में ओपनिंग करना स्मिथ के लिए नया चैलेंज है। वह अपनी गलतियों पर काम करेंगे। अगर हम किसी नए ओपनर को भी मौका दें तो उसे 4 टेस्ट तो खिलाने ही पड़ेंगे। स्मिथ के लिए तो हम थोड़े ज्यादा मौके दे ही सकते हैं।

भविष्य में बदलाव हो सकते हैं, लेकिन फिलहाल टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती है। टीम ने पिछले 12 में से 8 टेस्ट जीते हैं। जिनमें से 4 इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में रहे। किसी भी टीम के लिए हमारी टीम को हराना मुश्किल है, इसलिए हम इसी कॉम्बिनेशन के साथ भारत के लिए भी तैयार हैं।'

ऑस्ट्रेलिया टीम ने भारत के खिलाफ आखिरी बार 2014-15 में स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ही टेस्ट सीरीज जीती थी। तब से टीम को 4 टेस्ट की चार सीरीज 2-1 के अंतर से गंवानी पड़ गई। इनमें से 2 तो कंगारू टीम ने अपने घर पर ही गंवाईं। दोनों के बीच आखिरी सीरीज 2023 में भारत में हुई, इसे भी भारत ने 2-1 से जीता। अब इसी साल नवंबर में दोनों के बीच 5 टेस्ट की सीरीज शुरू होगी। जो जनवरी तक चलेगी।

ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैक्डॉनाल्ड ने कन्फर्म किया कि मिचेल मार्श ही टी-20 वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श ने पिछले साल सितंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार टीम की कप्तानी की थी। तब से पैट कमिंस की मौजूदगी के बावजूद मार्श ने ही कमान संभाली। अब कोच मैक्डॉनाल्ड ने कहा, 'मार्श ही टी-20 वर्ल्ड कप में टीम के बेस्ट कप्तान रहेंगे। ऐरन फिंच के बाद उन्होंने टीम को बेहतरीन तरीके से संभाला। सारी चीजें समझने के बाद मार्श ही वर्ल्ड कप में कप्तानी करते नजर आ रहे हैं।' 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप 1 जून से शुरू होगा। 20 टीमों के बीच 55 मुकाबले अमेरिका और वेस्टइंडीज के 9 स्टेडियम में 29 दिन तक खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट में अपना पहला मैच 6 जून को ओमान के खिलाफ बारबाडोस में खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी स्टीव स्मिथ का बचाव किया। उन्होंने कहा कि स्मिथ जैसे अनुभवी प्लेयर्स तो किसी भी वर्ल्ड कप टीम में होने ही चाहिए। वर्ल्ड कप जैसे टूर्नामेंट में स्मिथ जैसे खिलाड़ी टीम को प्रेशर सिचुएशन में संभाल कर रखते हैं।

तेलंगाना में बीजेपी को बारह सीट जीतना है : अमित शाह

सीएए और राम मंदिर पर शाह ने कांग्रेस को घेरा

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। देवी भाग्यलक्ष्मी और भद्राद्री राम को प्रणाम करते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में साफ हो जाएगा कि सत्ता पर कौन काबिज होगा।

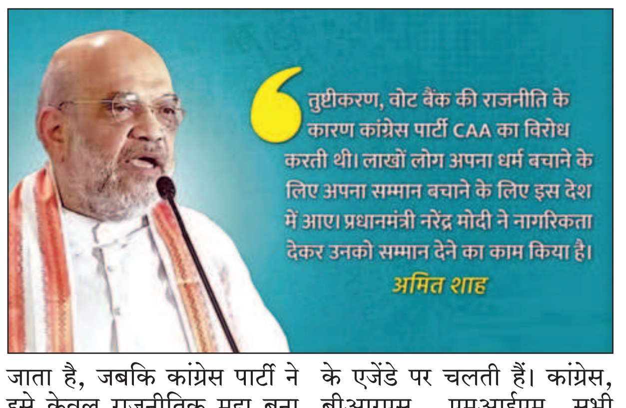

तेलंगाना दौरे के तहत अमित शाह ने बीजेपी सोशल मीडिया वॉरियर्स की बैठक में हिस्सा लिया और कहा, सोशल मीडिया का अधिकार एक कार्यकर्ता के समान है जो घर-घर जाकर प्रचार करता है। मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता में आने वाली है। देश में जहां भी जाओ, मोदी के नाम के अलावा कोई नाम सुनाई नहीं देता। तेलंगाना में 12 से अधिक संसदीय सीटें जीतनी होंगी। मोदी सरकार ने 10 साल में भ्रष्टाचार खत्म कर दिया है। मोदी सरकार के कारण ही देश सुरक्षित है। मोदी के शासन में देश हर क्षेत्र में आगे बढ़ेगा। 500 साल का सपना पूरा करने का श्रेय मोदी सरकार को है। मोदी ने वो कर दिखाया जो कांग्रेस सरकार ने पहले नहीं किया। अमित शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का श्रेय मोदी को जाता है, जबकि कांग्रेस पार्टी ने इसे केवल राजनीतिक मुद्दा बना दिया था। मोदी सरकार ने 370 को निरस्त कर दिखाया। मोदी ही वो शख्स हैं जिन्होंने तीन तलाक को खत्म किया। महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान किया गया है। सीएए का फैसला भी मोदी सरकार ने ही लिया था। जो कांग्रेस पार्टी ने नहीं किया वो मोदी सरकार ने कर दिखाया। कांग्रेस पार्टी ने सीएए का विरोध किया। आपके हाथ में मेक-इन-इंडिया फोन है, ये मोदी की देन है। कांग्रेस, बीआरएस और मजलिस पार्टियों का एक ही एजेंडा है, बाकी पार्टियां मजलिस के एजेंडे पर चलती हैं। कांग्रेस, बीआरएस, एमआईएम सभी पारिवारिक पार्टियां हैं, ये तीनों भ्रष्ट पार्टियां हैं। कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश के मुख्यमंत्री को लेकर कई घोटाले हुए। कांग्रेस पार्टी ने 12 लाख करोड़ का भ्रष्टाचार किया है। तेलंगाना का विकास मोदी से ही संभव है। मोदी जीवन भर लोगों के लिए लड़ते रहे हैं। राहुल बाबा आराम करने विदेश चले जाते हैं। पिछले दिनों कांग्रेस सीएम रेवंत रेड्डी से रुपये देने को कह रही थी।

अमित शाह ने कहा कि तेलंगाना के विकास के लिए केन्द्र ने 2 लाख करोड़ से ज्यादा खर्च किया है। मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक कर आतंकियों को परास्त किया। इंडिया अलायंस और बीआरएस कितनी भी कोशिश कर लें, बीजेपी की जीत को नहीं रोक सकते। अमित शाह ने कहा कि 400 सीटों में से 12 से ज्यादा सीटें तेलंगाना से होनी चाहिए।

पिछले साल 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव के बाद शाह का राज्य का यह दूसरा दौरा है। पिछले साल 28 दिसंबर को अपनी पिछली यात्रा के दौरान, वरिष्ठ भाजपा नेता ने पार्टी को आगामी लोकसभा चुनावों में तेलंगाना में कम से कम 10 सीटें जीतने और 35 प्रतिशत वोट शेयर हासिल करने का लक्ष्य रखा था, पार्टी सूत्रों ने तब कहा था। यह निर्देश 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी के बेहतर प्रदर्शन के लिए था, जहां उन्होंने तेलंगाना में 17 में से चार सीटें जीती थीं। तब पूरे तेलंगाना से पार्टी के 'मंडल' अध्यक्षों की एक बैठक में उन्होंने दावा किया था कि जहां भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) एक डूबा हुआ जहाज है, वहीं राज्य की सत्तारूढ़ कांग्रेस एक डूबता जहाज है।

गीतांजलि मामले पर सीएम जगन सख्त

20 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की

ताडेपल्ली, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी ने आज कड़ा रुख अपनाते हुए तेनाली निवासी गीतांजलि के दुखद निधन पर गहरी निराशा और हार्दिक संवेदना व्यक्त की। न्याय के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए, उन्होंने तुरंत सरकारी अधिकारियों को 20 लाख रुपये का अनुग्रह मुआवजा देने और गीतांजलि के शोक संतप्त परिवार को व्यापक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने व्यक्तियों, विशेषकर महिलाओं के सम्मान और प्रतिष्ठा की सुरक्षा पर सरकार के स्पष्ट रुख को भी रेखांकित किया। उन्होंने दोहराया कि जो लोग सम्मान और शालीनता की सीमाओं का उल्लंघन करेंगे, उन्हें कानून की पूरी ताकत का सामना करना पड़ेगा। गीतांजलि के परिवार ने रिकॉर्ड पर कहा है कि सीएम जगन के सुशासन और कल्याणकारी लाभों के समर्थन के बाद विपक्षी दलों के सदस्यों द्वारा सोशल मीडिया पर उत्पीड़न/ट्रोलिंग/दुर्व्यवहार और बॉडी शेमिंग के बाद उन्होंने आत्महत्या कर ली।

कृषि मंत्री ने "रैतू नेस्तम" कार्यक्रम में भाग लिया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, योजना समिति बोर्ड, तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ.जी. चिन्नारेड्डी और कृषि निदेशक डॉ.बी. गोपी ने आज इलेक्ट्रॉनिक विंग, प्रो.जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएसएयू), राजेंद्रनगर, हैदराबाद में "रैतू नेस्तम" कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने "रैतू नेस्तम" कार्यक्रम और इसकी गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। आगे कहा गया कि यह कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को सुबह 10:00 से 11:30 बजे तक रिथुवेदिका में आयोजित किया जाएगा और वैज्ञानिक किसानों के प्रश्नों का समाधान करेंगे। योजना समिति बोर्ड, तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ.जी. चिन्नारेड्डी ने सुझाव दिया कि मौसम आधारित असामान्यताओं से निपटने के लिए इस कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को अनुसंधान परिणाम प्रदान किए जाने चाहिए। बाद में, कृषि निदेशक, तेलंगाना डॉ.बी. गोपी ने किसानों से अनुरोध किया कि वे अपनी कृषि संबंधी समस्याओं को कृषि विस्तार अधिकारियों को बताएं, जिसके आधार पर वैज्ञानिक "रैतू नेस्तम" कार्यक्रम के दौरान उचित सुझाव देंगे। फल अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.वी. सुचित्रा ने आम में फल गिरने से बचाव के उपाय बताए और किसानों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया। बाद में डॉ.जी. श्रीनिवास, एसोसिएट डायरेक्टर ऑफ रिसर्च, उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र, पीजेटीएसएयू ने ग्रीष्मकालीन फसलों में उच्च तापमान से जुड़ी समस्याओं के बारे में बताया और फसल की पैदावार में व्यवधान को रोकने के लिए प्रबंधन के उपाय सुझाए। अंत में डॉ.सी.एच. प्रगति कुमारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एकीकृत कृषि प्रणाली पर एआईसीआरपी, पीजेटीएसएयू ने गुणवत्ता प्रदान करने के लिए जैविक खेती के महत्व को समझाया। इस कार्यक्रम में रजिस्ट्रार डॉ.एम. वेंकट रमना, अनुसंधान निदेशक डॉ.पी. रघु रामी रेड्डी, विस्तार निदेशक डॉ.वी. सुधारानी, इलेक्ट्रॉनिक विंग के समन्वयक डॉ.एम. शामिल थे। श्रीनिवासुलु ने किसानों और कृषि विभाग और संबद्ध विभागों के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया।

केटीआर बीमार, तेज बुखार से पीडित

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष कल्वाकुंटला तारकरामा राव बीमार पड़ गये। पार्टी ने सोशल मीडिया के माध्यम से घोषणा की कि वह तेज बुखार से पीड़ित हैं। इसमें कहा गया कि वह बीआरएस करीमनगर सभा से दूर रहेंगे। बीआरएस की बैठक आज करीमनगर में कदाणा भेरी के नाम से हुई। करीमनगर में बीआरएस को लेकर धारणा ऊंची है। इसके साथ ही पार्टी ने इस बैठक को गौरव के साथ लिया। केटीआर ने कहा कि वह आज होने वाली करीमनगर बैठक में शामिल नहीं हो पाए पिछले दो दिनों से घर पर ही डॉक्टर की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि एक-दो दिन में पूरी तरह ठीक होने की संभावना है। तीन दिन पहले कामारेड्डी में हुई बैठक के बाद केटीआर बीमार पड़ गए थे। इस बीच खबर है कि वह पिछले दो दिनों से घर पर ही डॉक्टर की निगरानी में इलाज करा रहे हैं। बीआरएस का कहना है कि वह एक या दो दिन में पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे और फिर से पार्टी गतिविधियों में भाग लेंगे।

मंत्री कोमाटिरेड्डी ने बस ड्राइवर की भूमिका निभाई

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को ड्राइवर की भूमिका निभाई और वाहन चलाकर सचिवालय पहुंचे। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के साथ मंगलवार को यहां नेकलेस रोड पर 22 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई। इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाने के बाद, मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी (जो बसों में से एक में चढ़े और चालक की सीट पर बैठे) वाहन को सचिवालय तक ले गए। भट्टी विक्रमार्क और पोन्नम प्रभाकर भी उसी बस में सवार हुए और नई इलेक्ट्रिक बस की यात्रा का आनंद लिया। इस अवसर पर, सचिवालय के परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जहां उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार में आरटीसी कर्मचारियों को परेशानी होती थी।

वेतन के लिए और चिंता थी कि सरकार निगम की संपत्ति बेच देगी। हालांकि, कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद कर्मचारियों के मन से डर और चिंताएं दूर हो गई हैं। राज्य सरकार ने निगम को मजबूत करने और कर्मचारियों के कल्याण के लिए काम करने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं। मुफ्त बस यात्रा प्रदान करने का श्रेय महिलाओं के लिए कांग्रेस की सरकार है, बट्टी ने कहा कि यह याद दिलाते हुए कि कांग्रेस सरकार ने तीन महीने के भीतर सफलतापूर्वक तीन वादे- इंदिराम्मा घर, गृह ज्योति और महालक्ष्मी लॉन्च किए हैं, भट्टी ने दोहराया कि राज्य सरकार चुनाव के दौरान किए गए हर एक वादे को पूरा करेगी।

तिरुपति हवाई अड्डे पर श्रीवाणी ट्रस्ट काउंटर फिर से खुलेंगे

तिरुपति, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एयरबस यात्रियों की सुविधा के लिए 13 मार्च से तिरुपति हवाई अड्डे पर श्रीवाणी ट्रस्ट डोनेशन काउंटर पहले की तरह फिर से खोला जाएगा। ट्रस्ट के अधिकारियों ने कहा कि भक्त इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

सिंगरेणी के संबंध में लिए गए प्रत्येक निर्णय में श्रमिकों का ख्याल : विक्रमार्क

डिप्टी सीएम ने सिंगरेणी कोलियरी के गेस्ट हाउस का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क मल्लू, मंत्री डुडिल्ला श्रीधर बाबू, पोन्नम प्रभाकर, जीएचएमसी गडवाला की मेयर विजयालक्ष्मी, विधायक राज ठाकुर, गद्दाम विवेक, विधायक राज ठाकुर ने बंजाराहिल्स रोड़ नंबर 12 पर सिंगरेणी कोलियरी कंपनी लिमिटेड का गेस्ट हाउस शिलान्यास समारोह के हिस्से के रूप में भूमि पूजन किया।

इस अवसर पर डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सिंगरेणी कोलियरी से संबंधित जिले खम्मम के एक व्यक्ति के रूप में मैं इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भाग्यशाली महसूस करता हूं। सिंगरेणी एक ऐसी कंपनी है न केवल तेलंगाना में बल्कि देश में भी बिजली के लिए कोयला उपलब्ध कराता है। अन्य जरूरतों के लिए कोयले की आपूर्ति करते हुए इसे अगले दस अवधियों तक आगे बढ़ाने की जरूरत है। राज्य में कोयले की कमी को देखते हुए केंद्रीय मंत्री से विशेष पहल करने और ताड़ीचेरला कोल ब्लॉक 2 में कोयला उत्पादन के लिए स्वीकृति देने को कहा गया। उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। सीएलपी के नेता के रूप में मैंने कांग्रेस पार्टी के आदेश पर आदिलाबाद से खम्मम तक पदयात्रा के दौरान कई कोयला खदानों का दौरा किया, क्योंकि पिछली सरकार गणेश सिंगरेणी में नौकरियां खोने का निर्णय ले रही थी। रास्ते में हमें कोयला खदानों में हजारों मजदूर मिले। मुझे उनका कहा हर शब्द याद है। उन्होंने कहा कि सिंगरेणी के संबंध में लिए गए प्रत्येक निर्णय में हम श्रमिकों की बातों को ध्यान में रखते हुए नीतिगत निर्णय ले रहे हैं। मध्यम वर्गीय परिवारों के संबंध में कोयला कुओं के माध्यम से रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए उस दिन कही गई एक-एक बात आज राज्य सरकार करने जा रही है। मैं उनसे मिला तो उन्होंने बताया कि हम 10 वर्षों से घर के बिना समस्याओं का सामना कर रहे है। शासकों ने डबल बेडरूम की उम्मीद देकर करके हमें धोखा दिया। हमें यह कहकर धोखा दिया गया कि हम डबल बेडरूम देंगे और हमें लगा कि इंदिरम्मा ने हमें घर ही नहीं दिया।

हम देंगे जीओ 76 के अनुसार नियमित करें। करीबियों कियों को दिए गए वचन के अनुसार हम नियमित करेंगे। लोगों से मिलने और उनकी पीड़ा को पूरा करने के संकल्प के साथ, राज्य कांग्रेस ने मिलकर काम किया और इंदिराम्मा राज्य लाए। बेघर, गरीबों और बेरोजगार युवाओं की पीड़ाओं को समाप्त करने के लिए इंदिराम्मा का राज्य आया। इंदिरम्मा घर योजना औपचारिक रूप से लक्ष्मी नरसिम्हा के आशीर्वाद से शुरू की गई थी। घरों से संबंधित धनराशि स्वीकृत की गई।

टीएसडीसीए ने वाथरिन कैप्सूल जब्त किया

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने सूजन, कठोरता और दर्द कथित दर्द निवारक औषधि 'वाथरिन कैप्सूल' के स्टॉक को जब्त कर लिया है, जो कथित तौर पर खुदरा बाजार में भ्रामक दावों के साथ प्रचलन में थी कि उससे गठिया रोग ठीक हो जाता है। टीएसडीसीए ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि निजामाबाद जोन के ड्रग इंस्पेक्टरों ने सोमवार और मंगलवार को वारंगल स्थित भवानी फार्मास्यूटिकल्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स पर छापेमारी की, जहां वाथरिन कैप्सूल का निर्माण किया जा रहा था। टीएसडीसीए ने कहा, वाथरीन का लेबल एक भ्रामक दावा करता है कि यह 'सभी गठिया और सूजन संबंधी विकारों के लिए' है, जो ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज अधिनियम, 1954 का उल्लंघन है। इससे पहले, डीसीए अधिकारियों ने भगवती आयुर्वेद भंडार, देवी रोड, निजामाबाद में वाथरीन कैप्सूल का पता लगाया था और छापे के दौरान स्टॉक जब्त कर लिया गया था।

गठिया के इलाज के लिए किसी दवा का विज्ञापन ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत निषिद्ध है। जो व्यक्ति कुछ बीमारियों और विकारों के इलाज के लिए दवाओं के बारे में भ्रामक विज्ञापन करते हैं, उन्हें ड्रग कानूनों के तहत छह महीने तक की कैद या जेल की सजा हो सकती है।

तेलंगाना की आध्यात्मिक उन्नति को दर्शाने के लिए मंदिरों का विकास : पोंगुलेटी

मंत्री ने वारंगल कालोजी कलाक्षेत्र और भद्रकाली देवस्थानम के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल जिला प्रभारी, राजस्व, आवास और सूचना एवं नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि उनकी सरकार तेलंगाना की आध्यात्मिक ऊंचाई दिखाने के लिए राज्य में मंदिरों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की तरह वे जुबान से नहीं, बल्कि हाथ में लेकर दिखाएंगे। धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा, पंचायत राज मंत्री सीतक्का, वारंगल पश्चिम के विधायक नैनी राजेंद्र गरलू ने मंगलवार को सचिवालय में वारंगल कालोजी कलाक्षेत्र और भद्रकाली देवस्थानम के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों को आगम शास्त्र के अनुसार ऐतिहासिक भद्रकाली देवस्थानम के विकास कार्यों को करने के लिए इस संबंध में उचित सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि मंदिर का विकास 30 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिसमें से 20 करोड़ रुपये एसडीएफ के तहत प्रदान किए जाएंगे और काकतीय शहरी विकास प्राधिकरण (कुडा) 10 करोड़ रुपये का योगदान देगा। उन्होंने कहा कि नौ मंजिला राजगोपुरम का निर्माण किया जा रहा है, मदवेधी के निर्माण के साथ-साथ मंदिर के चारों ओर एक पत्थर के तहखाने का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्रियों ने अधिकारियों को कलोजी नारायण राव कलाक्षेत्र के कार्यों को दो महीने के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया, जिन्होंने तेलंगाना विचारधारा को फैलाने के लिए कड़ी मेहनत की। निर्माण गुणवत्ता मानकों की जांच करने, ठेकेदारों को काम से अधिक धनराशि जारी करने की जांच करने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी आदेश दिया गया।

22 इलेक्ट्रिक ग्रीन मेट्रो एक्सप्रेस बसें लॉन्च

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) द्वारा मंगलवार को यहां 22 नई इलेक्ट्रिक ग्रीन मेट्रो एक्सप्रेस गैर-एसी बसों का एक बेड़ा लॉन्च किया गया। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू, परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर और आर एंड बी मंत्री कोमाटी रेड्डी वेंकट रेड्डी ने परिवहन आयुक्त ज्योति बुद्ध प्रकाश, टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनार और अन्य की उपस्थिति में नए वाहनों को हरी झंडी दिखाई गई।

टीएसआरटीसी द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, यह पहली बार है कि राज्य में पर्यावरण-अनुकूल इलेक्ट्रिक गैर-एसी बसें उपलब्ध कराई गई हैं और इन बसों में महालक्ष्मी योजना लागू है। 12 मीटर लंबी और 35 सीटों की क्षमता वाली ये बसें एक बार चार्ज करने पर 225 किमी तक सफर करने की सुविधा देती हैं। फुल चार्जिंग में 3 से 4 घंटे का समय लगता है। प्रदूषण मुक्त ई-गतिशीलता प्रदान करने के लिए, टीएसआरटीसी मार्च 2019 से हैदराबाद के विभिन्न स्थानों से आरजीआई हवाई अड्डे तक 40 एसी ई-बसें चला रहा है, जो प्रतिदिन लगभग 5000 यात्रियों को परिवहन करती हैं। टीएसआरटीसी ने मैसर्स के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए। ईवे ट्रांस (टीईएल) पी लिमिटेड, 12 वर्षों की अवधि के लिए जीसीसी मॉडल पर 50 12एम इंट्रा-सिटी एसी ई-बसें तैनात करेगा। जबकि 10 ई-गरुड़ बसें हैदराबाद-विजयवाड़ा मार्ग पर मई 2023 से परिचालन में हैं, 25 ग्रीन मेट्रो लक्जरी एसी ई-बसें सितंबर 2023 से राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और आईटी कॉरिडोर मार्गों पर परिचालन में हैं। दूसरी खेप में 25 वाहन संचालन के लिए तैयार हैं और शेष 450 बसें अगस्त 2024 तक तैयार हो जाएंगी।

यदाद्रि विवाद पर भट्टी विक्रमार्क ने खुद दी सफाई

हैदराबाद, 12 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री विवाद पर डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने आगे बढ़ कर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह यदाद्रि मंदिर में एक छोटे से आसन पर बैठे थे। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति के कारण उन्होंने ऐसा किया। उन्होंने कहा कि जो सिर्फ एक फोटो को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे हैं, वे सही तथ्यों से अनजान हैं। उन्होंने किसी का अपमान नहीं किया है और न ही किसी ने उनका अपमान किया है।

वह चाहते हैं कि हर कोई इस बात को समझे। डिप्टी सीएम ने बंजारा हिल्स में आयोजित सिंगरेनी गेस्ट हाउस के शिलान्यास समारोह में हिस्सा लिया। इस मौके पर उन्होंने यदाद्री की घटना के बारे में बताया। यदाद्री में फोटो देखकर कुछ लोगों को लगा कि उनका अपमान हुआ है। जबकि उन्होंने किसी का अपमान नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह किसी के सामने झुकने वाले व्यक्ति नहीं हैं। वह डिप्टी सीएम के रूप में राज्य का शासन संभाल रहे हैं और वित्त, बिजली और योजना जैसे तीन विभागों के साथ सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह उनमें से नहीं हैं जो किसी के बगल में बैठते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.